सुविचार

अपनी ताकत पर भरोसा करो उधार की ताकत तुम्हारे लिए घातक है।

-सुभाष चंद्र बोस

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi • Friday, 24 January 2025 • Year : 03 • Issue : 12 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Samantha Ruth Prabhu's Selfie...

SHARE

संसेक्स	:	76,520.38
निफ्टी	:	23,205.35

SARAFA

सोना	:	7,705
चांदी	:	104.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे गांधीवादी और वन अधिकार कार्यकर्ता हीरालाल

NAGPUR : गुरुवार को गांधीवादी और वन अधिकार कार्यकर्ता मोहन हीराबाई हीरालाल का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 75 वर्ष के थे। विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण से प्रेरित हीरालाल ने पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के मेंधा-लेखा गांव में हमारा गांव-हमारी सरकार अभियान में प्रमुख भूमिका निभाई थी। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में हीरालाल को श्रद्धांजलि दी। रमेश ने कहा, चार दशकों तक उन्होंने (मोहन हीरालाल) महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और चंद्रपुर जिलों में अथक काम किया। उनके समर्पण ने 27 अप्रैल, 2011 को मेंधा लेखा को देश की पहली ग्राम सभा बनने का मार्ग प्रशस्त किया, जिसे सामुदायिक वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत बांस के व्यापार के सभी पहलुओं पर पूर्ण नियंत्रण मिला।

सरकारी स्कूल से हथियार और गोला-बारूद बरामद

PILWAMA : सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में एक सरकारी स्कूल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि पुलिस, सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130 बटालियन के संयुक्त अभियान में सरकारी प्राथमिक स्कूल लारमूह से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि हथियारों और गोला-बारूद में एक ग्रेनेड, यूबीजीएल, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 10 गोलियां, एक पिस्तौल की मैगजीन शामिल हैं। इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

बीजापुर में 50 किलोग्राम का आईईडी बरामद

BIJAPUR : गुरुवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने लगभग 50 किलोग्राम का संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। पुलिस अधिकारियों ने को यह जानकारी दी। बताया कि जिले के बासागुड़ा-आवापल्ली मार्ग पर सुरक्षाबलों ने पुल के नीचे लगाई गई करीब 50 किलोग्राम का आईईडी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रिवर्ज पुलिस बल (सीआरपीएफ) का बम निरोधक दस्ता बासागुड़ा-आवापल्ली सड़क मार्ग पर गश्त के लिए रवाना हुआ था। दल जब तिमापुर दुर्गा मंदिर के करीब था तब उन्हें पुल के नीचे माओवादियों द्वारा लगाया गया लगभग 50 किलोग्राम का आईईडी होने की जानकारी मिली। अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों ने पुल के नीचे से कांक्रीट और पत्थर को हटाकर उसके भीतर बारूदी सुरंग छिपाया था तथा पत्थरों को फिर से वैसे ही जमा दिया था। उन्होंने बताया कि आईईडी का पता लगाने के लिए ह्यमेटल डिटेक्टरह्व की जा रही जांच के दौरान बारूदी सुरंग की जानकारी मिली। सुरक्षाबलों ने बारूदी सुरंग को बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन उसके ज्यादा गहराई में लगे होने की वजह से मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

साइबर अपराधियों की तलाश में हजारीबाग में सीबीआई ने मारी रेड

ईचाक थाना क्षेत्र के सिरसी गांव में छापेमारी से मचा हड़कंप, कई महत्वपूर्ण दस्तावेज सीज

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराध से जुड़े एक मामले में अपराधियों की तलाश में हजारीबाग जिले के ईचाक थाना क्षेत्र स्थित सिरसी गांव में छापेमारी की। यह छापेमारी राजू कुशवाहा के घर पर हुई। बताया जाता है कि राजू कुशवाहा के बेटे राहुल कुमार ने ऑनलाइन बैंक ट्रांजेक्शन किया था। इस मामले में सीबीआई ने छापेमारी की और उनके परिजनों से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की। टीम कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी अपने साथ लेकर पटना रवाना हो गई। यह छापेमारी सीबीआई द्वारा साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वे देशभर में इस प्रकार के अपराधों पर लगाम लगाने के प्रयासों में जुटी हुई है। माना जा रहा है कि इस जांच के परिणामस्वरूप साइबर अपराध से जुड़ी और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है।

ऑनलाइन ट्रांजेक्शन मामले में राजू के परिजनों से 5 घंटे तक पूछताछ

नोटिस देने पर जाना होगा पटना

राजू कुशवाहा ने कहा कि सीबीआई ने कुछ बिंदुओं को लिखवाया है। यह भी कहा गया है कि जब भी सीबीआई की ओर से नोटिस भेजा जाएगा, तो पटना आना होगा। इस कार्रवाई में आठ लोगों की टीम शामिल थी। मामला साइबर क्राइम से जुड़ा है।

घटना की दी विस्तृत जानकारी

जानकारी के मुताबिक, राहुल कुमार रांची में पढ़ाई करता है और पार्ट टाइम जॉब भी करता है। उसने अपने खाते से पैसे निकालकर ट्रांजेक्शन किए थे। इसी मामले की जांच के लिए सीबीआई की टीम हजारीबाग पहुंची थी। हजारीबाग पहुंचने पर सीबीआई की टीम ने कोई जानकारी नहीं दी। जिन लोगों के घर पर सीबीआई ने छापेमारी की, उन्होंने पूरी घटना की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि सीबीआई की टीम सुबह करीब 8बजे पहुंची थी। उन्होंने 1:40 तक घर में मौजूद लोगों से पूछताछ। छापेमारी के दौरान सीबीआई की टीम ने कई पहलुओं की बारीकी से जांच की। टीम खास तौर पर पटना से सिरसी गांव आई थी। छापेमारी के बाद सिरसी गांव में चर्चा का माहौल है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी की गाड़ी पर धोनी ने दिया ऑटोग्राफ

RANCHI : सेलिब्रिटीज के ऑटोग्राफ का अपना महत्व होता है। जब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ऑटोग्राफ दे दें, तो उसका मूल्य और भी बढ़ जाता है। धोनी ने अपने खास फ्रेंड और बहरागोड़ा के पूर्व एमएलए कुणाल षाड़ंगी की नई गाड़ी पर ऑटोग्राफ देकर उसका वैल्यू बढ़ा दिया। इस पल को खास बना दिया। बता दें कि कुणाल षाड़ंगी झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य भी हैं। धोनी से मिलने उनके आवास षाड़ंगी पहुंचे थे। उन्हें अपनी नई गाड़ी को दिखाया। धोनी ने गाड़ी पर अपने हस्ताक्षर करके इसे यादगार बना दिया। वास्तव में यह पल न केवल उनकी दोस्ती के मजबूत रिश्ते को दर्शाती है, बल्कि धोनी के फैंस के बीच लोकप्रियता को और बढ़ाती है। कुणाल ने इस मौके पर कहा कि धोनी के इस खास अंदाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे केवल मैदान पर ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रिश्तों में भी चैंपियन हैं।

अब जर्मनी की कंपनी बनाएगी छह पनडुब्बियां एलएंडटी का टेंडर कैंसिल

- समुद्री क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से मुकाबला करने को वांछित क्षमताएं विकसित कर रहा भारत
- सरकार ने परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की कई पनडुब्बी परियोजनाओं को दी है मंजूरी
- भारतीय नौसेना एक समुद्र-सिद्ध एआईपी प्रणाली चाहती है, जो सुरक्षित और विश्वसनीय हो

NEW DELHI @ PTI : रक्षा मंत्रालय ने छह पनडुब्बियों के लिए भारतीय कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का 70 हजार करोड़ रुपये का टेंडर रद्द कर दिया है। स्पेनिश कंपनी नवांतिया के साथ साझेदारी में एलएंडटी का प्रस्ताव खारिज होने के बाद अब जर्मनी की कंपनी के सहयोग से मुंबई की मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत यह पनडुब्बियां बनाएगी। चीनी नौसेना के तेजी से आधुनिकीकरण की पृष्ठभूमि में भारत अपने समुद्री क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से मुकाबला करने को वांछित क्षमताएं विकसित कर रहा है। इसीलिए सरकार ने परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह की कई पनडुब्बी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। दरअसल, भारतीय नौसेना प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत तीन सप्ताह तक पानी के नीचे रहने की क्षमता वाली छह उन्नत पनडुब्बियां खरीदना चाहती है। इसके लिए एलएंडटी और उसकी साझेदार कंपनी ने एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) की कार्यप्रणाली को भारतीय नौसेना की टीम के सामने प्रदर्शित किया था, लेकिन नौसेना ने निविदा दस्तावेज में अपनी आवश्यकताओं के लिए उच्च स्टेल्थ सुविधाओं वाली प्रणाली की मांग की थी।

सभी स्तरों पर प्रक्रिया की चल रही जांच

भारतीय कंपनी एलएंडटी का 70 हजार करोड़ रुपये का टेंडर रद्द होने के बाद अब सरकारी स्वामित्व वाली मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड अपनी साझेदार जर्मन कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के साथ छह पनडुब्बियां बनाने की दौड़ में एकमात्र विक्रेता रह गई है। अब रक्षा मंत्रालय परियोजना में प्रक्रियाओं के अनुसार आगे बढ़कर सभी स्तरों पर प्रक्रिया की जांच कर रहा है। संबंधित अधिकारियों को शिपयार्ड के बीच परियोजना को समान रूप से विभाजित करने के सुझाव भी दिए गए हैं। भारतीय नौसेना के लिए छह डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों के निर्माण का यह सौदा भारत के प्रोजेक्ट-75आई के तहत किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस सौदे के लिए जर्मनी की कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) और स्पेनिश कंपनी नवांतिया प्रतिस्पर्धा में थीं। पनडुब्बी अनुबंध के लिए जर्मन कंपनी के साथ मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और स्पेनिश कंपनी के साथ लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) भारतीय साझेदार के रूप में थीं। जर्मनी की कंपनी टीकेएमएस नौसेना के जहाजों, पनडुब्बियों और सतह के जहाजों के लिए प्रौद्योगिकी और सेवाएं उपलब्ध कराती है।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कार्यक्रम को पीएम ने किया संबोधित, बोले

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए रहना होगा एकजुट

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्हें देश को कमजोर करने और इसकी एकता को तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों से आगाह भी किया। महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती के मौके पर ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो संदेश के माध्यम से प्रधानमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि नेताजी का जीवन लोगों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि नेताजी ने आराम का क्षेत्र छोड़ने का विकल्प चुना और देश की आजादी के लिए संघर्ष करना पसंद किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के लिए जारी वीडियो संदेश में कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य 'आजाद हिंद' था। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा 'आजाद हिंद'।

ओडिशा के कटक में आयोजित कार्यक्रम के लिए मोदी ने जारी किया वीडियो संदेश

- कहा- लोगों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है नेताजी का जीवन
- आजादी के लिए कष्टों को चुना चुनौतियों को चुना देश-विदेश में भटकना पसंद किया
- देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाकर निरंतर किया संघर्ष
- अपने संगठन में देश के हर क्षेत्र, हर वर्ग के वीरों और वीरांगनाओं को किया शामिल

पराक्रम दिवस पर संसद में बच्चों से मुलाकात करते पीएम नरेंद्र मोदी।

विश्व स्तर पर खुद को बनाना है श्रेष्ठ

प्रधानमंत्री ने कहा नेताजी ने जीवन के हर आराम के बंधन को तोड़ा। इसी तरह आज हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है। हमें खुद को विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ बनाना है, उत्कृष्टता को चुनना ही है, क्षमता पर फोकस करना है। नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाई। इसमें देश के हर क्षेत्र, हर वर्ग के वीर-वीरांगनाएं शामिल थे। सबकी भाषाएं अलग-अलग थी, लेकिन भावना एक थी- देश की आजादी। यही एकजुटता आज विकसित भारत के लिए भी बहुत बड़ी सीख है।

आपदा प्रबंधन पुरस्कार की शुरुआत

मोदी ने कहा कि नेताजी की विरासत से प्रेरित होकर हमारी सरकार ने 2019 में दिल्ली के लाल किले में उन्हें समर्पित एक संग्रहालय का निर्माण किया। उसी वर्ष हमने सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार भी शुरू किया। 2021 में सरकार ने नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। इंडिया गेट के समीप नेताजी की विशाल प्रतिमा लगाना, अंडमान में द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखना, गणतंत्र दिवस की परेड में आईएनए के जवानों को नमन करना सरकार की इसी भावना का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश ने यह भी दिखाया है कि तेज विकास से सामान्य जन का जीवन भी आसान होता है और सैन्य सामर्थ्य भी बढ़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है।

20 हजार रुपये रिश्वत ले रहे थे अंचल निरीक्षक

लातेहार में सीआई को घूस लेते एसीबी ने रंगे हाथ दबोचा

PHOTON NEWS LATEHAR : गुरुवार को जिले के बरवाडीह अंचल में पदस्थापित अंचल निरीक्षक सुरेश राम को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ अरेस्ट कर लिया। सुरेश राम एक महिला से जमीन के म्यूटेशन के लिए रिश्वत ले रहे थे। इसी मामले में सुरेश राम को निगरानी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। एसीबी के एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि

बरवाडीह की एक महिला ने एसीबी पलामू की टीम से शिकायत की थी कि उन्होंने 30 डिसमिल जमीन खरीदी थी। इस जमीन के म्यूटेशन के लिए अंचल निरीक्षक सुरेश राम के द्वारा उनसे एक लाख रुपये रिश्वत मांग रहा है। एडवांस में 20 हजार रुपये मांग रहा है।

चीफ जस्टिस बोले- खेल का मैदान सपनों को सच करने की है प्रयोगशाला

KOLKATA : झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव ने कहा कि खेल का मैदान केवल प्रतियोगिताओं का स्थल ही नहीं, अपितु सपनों को सच करने की प्रयोगशाला है। यहां मेहनत, अनुशासन और जुनून की परीक्षा होती है। वे गुरुवार को जेवीएम श्यामली के महाखेल उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने जेवीएम श्यामली को शिक्षा, संस्कार और खेल कूद के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास करने वाला श्रेष्ठ शिक्षा संस्थान बताया। कहा कि छात्रों की सफलता, शिक्षकों की गुणवत्ता उजागर करती है। कहा कि विद्यालय में निरंतर खेलों के आयोजन से भविष्य के चैंपियन मिलते हैं। खेलकूद मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अति आवश्यक है।

एसडीएम समेत कई अधिकारी, पत्रकार और स्थानीय लोग घायल

वित्त मंत्री के कार्यक्रम पर मधुमक्खियों का हमला

PHOTON NEWS PLAMU : गुरुवार को झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के निरीक्षण कार्यक्रम में मधुमक्खियों ने अचानक हमला कर दिया। इस घटना में एसडीएम सहित कई अधिकारी, पत्रकार और स्थानीय लोग जख्मी हो गए। बताया जाता है कि वित्त मंत्री राधा कृष्ण पलामू जिले के पांकी प्रखंड में अमानत नदी बराज के अधूरे कार्यो का निरीक्षण करने पहुंचे थे। बराज के पुल पर चढ़ कर जायजा ले रहे थे। बता दें कि अमानत बराज का निर्माण करीब दो दशक से लंबित है। नहर इलाके का मुआवजा समेत अन्य मामलों की जानकारी लेनी थी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के नेतृत्व में एक टीम पांकी बराज का निरीक्षण करने पहुंची थी। टीम में सिंचाई विभाग के वरीय अधिकारी भी मौजूद थे। निरीक्षण कार्य चल रहा था और इसी दौरान मधुमक्खियों का हमला हो गया। मधुमक्खियों के हमले के बाद वित्त मंत्री की सुरक्षा में तैनात जवानों ने उन्हें घेर लिया और गाड़ी में बैठा लिया।

सुरक्षाकर्मियों ने मंत्री को बचाया, तत्काल उन्हें घेरकर जवानों ने गाड़ी में बैठाया

लोगों ने भागकर बचाई जान

मधुमक्खियों के हमले के बाद सभी लोगों ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान सिंचाई विभाग के सचिव, मुख्य अभियंता, पलामू डीसी शशि रंजन, डीडीसी शब्बीर अहमद, सदर एसडीएम सुलोचना मीणा समेत समिति के पदाधिकारी मौके पर मौजूद थे। जिन लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला किया, वे एक किलोमीटर तक भागते रहे। घटना के बाद मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की एक टीम पलामू सर्किट हाउस पहुंची और वहां मौजूद अधिकारियों और पत्रकारों का इलाज किया।

बड़ी चिंता विश्व स्तर पर बहुत तेजी से फैलती जा रही गभीर बीमारी

फंगस की चपेट में आकर तबाह हो रही ब्लूबेरी की पैदावार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : हम सामान्य रूप से जानते और देखते हैं कि जिस तरह मनुष्य सहित अन्य जानवरों में सूक्ष्म जीवों के कारण कई बीमारियां पैदा होती हैं, उसी प्रकार एक पौधे में दूसरे सूक्ष्म पौधे के कारण भी रोग पैदा होते हैं। बैक्टीरिया और वायरस प्राणियों के साथ अन्य पौधों में भी रोग पैदा करते हैं। इनके अलावा फंगस भी ऐसी प्रजाति का पौधा है, जो दूसरे पौधों में रोग पैदा कर उनकी सेहत को प्रभावित करता है। परिणाम यह होता है कि ऐसी बीमारियों के कारण फलों और अनाजों की पैदावार पर सीधे असर पड़ता है। ऐसी बीमारियों के मूल में क्लाइमेट चेंज प्रमुख कारण होता है। हाल में हुए रिसर्च में यह तथ्य सामने आया है कि गेहूं, अंगूर, स्ट्रॉबेरी के अलावा अब ब्लूबेरी भी पाउडरी फफूंद की चपेट में आ गई है। विश्व स्तर पर यह बीमारी फैलने के कारण ब्लूबेरी की पैदावार तबाह हो रही है। जान लें कि ब्लूबेरी को भारत में कई जगहों पर नीलबदरी के नाम से जाना जाता है। इसका रंग नीला होता है और स्वाद में खट्टा-मीठा होता है।

यूरोप और एशिया में बड़े पैमाने पर औषधीय उपयोग में लाए जाते हैं ब्लूबेरी के फल

वजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल घटाने और बढ़ती उम्र के लक्षण कम करने में है कारगर भूमिका

नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने की है स्पेशल स्टडी

पूर्वी अमेरिका में अपने मूल क्षेत्र से कई महाद्वीपों तक फैल गया है यह रोग, जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले कुछ वर्षों के दौरान अधिक बिगड़ गए हैं हालात

नीलबदरी की फसलों को पाउडरी फफूंद व्यापक स्तर पर पहुंचा रही नुकसान

सफेद पाउडर जैसा पदार्थ पौधे पर चढ़कर चूस लेता है सारे पोषक तत्व

12 सालों में तेजी से हुआ फैलाव

12 सालों में तेजी से हुआ फैलाव नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकताओं कोई स्पेशल स्टडी पता चला है कि पिछले 12 सालों के दौरान फंगस एरिसिफे वैक्सीनी पूर्वी अमेरिका में अपने मूल क्षेत्र से कई महाद्वीपों तक फैल गया है और अब दुनियाभर में तेजी से इसका फैलाव देखा जा रहा है। ब्लूबेरी के पौधे गंभीर रूप से पाउडरी फफूंद रोग की चपेट में हैं। यह फफूंद धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैलता जा रहा है। इस पर नियंत्रण भी मुश्किल होता जा रहा है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो फसल की पैदावार को कम करती है। इस कवक की विभिन्न प्रजातियां विभिन्न पौधों को प्रभावित करती हैं।

अलैंगिक प्रजनन से होता है विकास

शोधकर्ताओं का मानना है कि इस फंगस को नियंत्रित करना मुश्किल है। यदि दुनियाभर में पौधे भेजे जा रहे हैं, तो हो सकता है इसके साथ यह कवक भी फैल रहा है। अन्य देशों में ब्लूबेरी में पाया जाने वाला ई. वैक्सीनी फंगस केवल अलैंगिक रूप से प्रजनन करता है। प्रजनन में फंगस के दोनों यौन संस्करणों की आवश्यकता नहीं होती है, जबकि अमेरिका में फंगस यौन और अलैंगिक रूप से प्रजनन करता है। निष्कर्ष रूप में इस स्टडी से यह जानकारी मिली है कि पाउडरी फफूंद से पौधे विकृत हो जाते हैं।

29 जनवरी को कोलकाता रेप-मर्डर केस की सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

KOLKATA : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 29 जनवरी तक के लिए टाल दी गई है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले को सुनेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लेकर खुद संज्ञान लिया था। सुप्रीम कोर्ट ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता की याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे सीबीआई की जांच से सहमत नहीं है। उन्होंने केस की फिर से जांच कराने की मांग की थी। 2 दिन पहले पहले सेशंस कोर्ट ने संजय रॉय को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया। कोर्ट ने कहा कि यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है, इसलिए फांसी की सजा नहीं दे सकते। सियालदह कोर्ट के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार हाईकोर्ट पहुंची।

हाईकोर्ट में वकीलों की चुनावी मतगणना के दौरान हंगामा

दो पक्ष आपस में भिड़े, फाड़े बैलट पेपर, धक्का-मुक्की

THE PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार की रात को एडवोकेट एसोसिएशन झारखंड, हाई कोर्ट के चुनाव की मतगणना के दौरान जमकर हंगामा हुआ। एक पक्ष का आरोप था कि मतगणना के लिए उपलब्ध कराए गए बैलट की संख्या कुल मतदान से भी अधिक निकली। इसको लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। हंगामा इतना बढ़ा कि बैलट पेपर तक फाड़ दिए गए। इसके अलावा हाईकोर्ट परिसर में पत्थरबाजी होने की भी सूचना है। एक पक्ष मांग कर रहा है कि चुनाव को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। दावा किया जा रहा है कि चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा झारखंड एडवोकेट एसोसिएशन का चुनाव रद्द करने की घोषणा कर दी गई है। कुछ अधिवक्ताओं का आरोप है कि मतदान के बाद सील के समय कुल वोटों की संख्या 1409 बताई गई, लेकिन गिनती के दौरान कुल

वोट 1516 मिले। दावा किया जा रहा है कि मतगणना की प्रक्रिया शुरू होते ही कुल मतों की संख्या में बढ़ोतरी को लेकर एक पक्ष की ओर अनियमितता के आरोप लगाऐ गए। दूसरे पक्ष की ओर से इस दावे का खंडन किया गया। इसको लेकर पहले बहस शुरू हुई। धीरे-धीरे बात बढ़ते हुए धक्का मुक्की और फिर छीना- झपटी तक पहुंच गई। इस दौरान मतगणना के लिए रखे गए बैलेट भी क्षतिग्रस्त हो गए। मतगणना के मद्देनजर सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए थे, लेकिन सुरक्षा कर्मी हालत को नियंत्रित करने में असफल रहे।

आईसीएआर ने झारखंड के आदिवासी किसानों को दी नई तकनीकी सौगात

आटी पुआल मशरूम, कसावा एवं स्वीट पोटैटो तथा सीआर धान 310 की खेती के लिया किया प्रेरित

PHOTON NEWS JSR: दीनबंधु ट्रस्ट एवं आटी पुआल मशरुम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पहल पर आईसीएआर-सीटीसीआरआई भारत सरकार के डायरेक्टर डॉ. जी. बैजू व भुवनेश्वर स्थित आईसीएआर-सीटीसीआरआई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एम नडुंचेझियान गुरुवार को पटमदा प्रखंड के आदिवासी जनजाति समाज के किसानों से मिले और सुदूर अति पिछड़ा गांव गाड़ीग्राम में महिला किसान उद्यमी के साथ बैठक भी की। बैठक के दौरान डॉ. जी. बैजू व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नडुंचेझियान ने पूरे झारखंड के किसानों के लिए नई तकनीक से खेती करने पर बल दिया और कहा कि आटी पुआल मशरूम, कसावा एवं स्वीट पोटैटो तथा सीआर धान 310 की खेती आवश्य करें। इस तरह की नई कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा एक ही साथ दो-दो फसलों को उपजाया जा सकता है। उन्होंने इस नई तकनीक से खेती करने वाले किसानों को सरकार की ओर से विशेष सुविधा प्रदान करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्नत कृषि कार्य करने वाले महिला किसानों को पुरस्कृत करने तथा शीघ्र ही 30 महिला किसानों को पांच दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रोसेसिंग कार्य में दक्ष बनाने की भी घोषणा की।

खेती की नई तकनीक के बारे में जानकारी लेते पटमदा के किसान ● फोटोन न्यूज

इस मौके पर दीन बंधु ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तम चक्रवर्ती व महासचिव नागेंद्र कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य के सभी जिलों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसानों को इस नई वैज्ञानिक कृषि पद्धति से जोड़कर उन्हें आर्थिक स्थिति से मजबूत किया जाएगा, ताकि उनका जीवन स्तर ऊपर उठाया जा सके। वहीं आटी पुआल मशरुम प्रा. लि. कंपनी के एमडी डॉ. अमरेश महतो ने कहा कि वे बंगाल के अलावा झारखंड के किसानों के साथ भी कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे और हमेशा नई तकनीक से समय समय पर किसानों को अवगत कराते रहेंगे। उन्होंने किसान हित में कार्य कर रहे दीनबंधु ट्रस्ट के सार्थक पहल की सराहना की और एससी, एसटी एवं ओबीसी के महिला किसानों को इसका भरपूर लाभ उठाने के लिए आह्वान किया।

इस मौके पर पटमदा के जिला पार्षद प्रदीप बेसरा, गाड़ीग्राम के ग्राम प्रधान बुचेन लाया, अमर सिंह सरदार, अनिल लाया, अरुण मांडी, शिव शंकर महतो, हाड़ी राम टुडू, सनातन सिंह सरदार, भूपेंद्र नाथ सिंह, महेंद्र नाथ लाया, सरस्वती लाया, अष्टमी सिंह, मनोहर सिंह, नरेश सिंह समेत काफी संख्या में आदिवासी किसान उपस्थित थे। इससे पहले कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को ट्रस्ट ने माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

प्रशिक्षण में शामिल महिलाएं ● फोटोन न्यूज

बेल मेटल से घरेलू सामान का प्रशिक्षण ले रहीं महिलाएं

HAZARIBAG : हजारीबाग जिले के सदर प्रखंड के कोर्रा क्षेत्र में गुरुवार को विशेष घटक योजना अंतर्गत बेल मेटल डोकरा शिल्पकारों के लिए 25 दिवसीय प्रशिक्षण की शुरूआत की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से अनुसूचित जाति की 20 महिलाओं को 25 दिन तक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर ट्रेनिंग एजेंसी छोटानागपुर क्राफ्ट डेवलपमेंट सोसायटी के कोआर्डिनेटर अब्दुल अंसारी ने सभी महिला ट्रेनी से प्रशिक्षण में रुचि लेने की अपील की जिला समन्वयक श्रीश त्रिपाठी ने बताया कि बेल मेटल डोकरा के सामान की मार्केट में बहुत डिमांड है। प्रशिक्षण में डोकरा से बनी जाली, मछली, कछुआ, बिरसा मुंडा की मूर्ति इत्यादि बनाना सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत जो महिलाएं बेल मेटल डोकरा में उद्योग की शुरूआत करना चाहेंगी, वे उद्योग विभाग के सरकारी लोन-पी.एम.ई.जी.पी, पी.एम.विश्वकर्मा मे अप्लाई कर सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान ही प्रशिक्षुओं का आर्टिजन कार्ड फार्म भरवाकर डी.सी. हैंडीक्राफ्ट विभाग भेज दिया जाएगा।

पांकी अमानत बराज का वित्त मंत्री ने अधिकारियों और इंजीनियरों की टीम के साथ किया निरीक्षण

बराज परिसर में 30 जनवरी से 1 फरवरी तक लगाया जाएगा विशेष शिविर

AGENCY PALAMU : सबकुछ ठीकठाक रहा तो डेढ दशक से लंबित पांकी अमानत बराज के अधूरे कार्य पर 15 फरवरी के बाद निर्माण शुरू हो जायेगा। जमीन संबंधित मामलों के निपटारे के लिए इसी महीने 30, 31 जनवरी और एक फरवरी को बराज परिसर में विशेष कैंप लगाया जायेगा। जिन ग्रामीणों की जमीन बराज निर्माण क्षेत्र में अधिग्रहित की गयी है, वे इस कैंप में शामिल होकर मुआवजा भुगतान से संबंधित अपना दावा कर सकते हैं। उक्त बातें झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कही। गुरूवार को मंत्री पांकी बराज का निरीक्षण कर रहे थे। मंत्री के साथ जल संसाधन विभाग के सीनियर अधिकारी, इंजीनियर और पलामू जिला प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भी थी।

बराज निर्माण स्थल पर पहुंचे वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर व अन्य ● फोटोन न्यूज

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बराज क्षेत्र का निरीक्षण किया। बराज की वर्तमान स्थिति का जायजा लेने के साथ साथ अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान को लेकर ग्रामीणों से बात की। मंत्री ने कहा कि मुआवजा भुगतान को लेकर इसी महीने 30, 31 और एक फरवरी को बराज परिसर में भूमि से संबंधित मामलों को लेकर विशेष कैंप का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी, अपर समाहर्ता और अंचलाधिकारी पूरी टीम के साथ कैंप करेंगे और मुआवजा भुगतान को लेकर जरूरी कार्रवाई करेंगे। जरूरत पड़ने पर सदर एसडीओ को भी मौके पर भेजा जायेगा। 15 फरवरी तक मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर लेनी है। मंत्री ने कहा कि पांकी बराज के शुरू होने से 23 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। पांकी के साथ साथ पाटन और छतरपुर के किसानों को विशेष रूप से फायदा होगा। 15 फरवरी तक मुआवजा भुगतान कर दिया जायेगा और स्थिति ठीक ठाक रही तो निर्माण कार्य भी शुरू कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि बराज का अधूरा निर्माण लंबे समय से 15 वर्ष लंबित है और झारखंड राज्य बनने के बाद से किसी ने इसके अधूरे निर्माण को पूरा करने की दिशा में अबतक पहल नहीं की है।

मंईयां योजना से गड़बड़ाया झारखंड सरकार का बजट : केंद्रीय राज्य मंत्री

PHOTON NEWS DHANBAD : चुनाव को देखते हुए झारखंड में मंईयां सम्मान योजना लागू किया गया और अब सरकार का बजट गड़बड़ा गया है।

महिलाओं को सम्मान राशि भुगतान से पहले विभिन्न कारण बताए जा रहे हैं। इस योजना का असर पंचायती राज व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। ये बातें भारत सरकार के ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहीं। वे भाजपा के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनबाद पहुंचे। परिसदन में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि योजना जनता के हित के लिए बनाई जाती है, जबकि अब मंईयां सम्मान का लाभ देने को लेकर राज्य सरकार बंदिशें लगा रही है।

धनबाद परिसदन में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान (बाएं) का स्वागत करते डीडीसी सादात अनवर व जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी।

तीन करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य

पासवान ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश भर में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए लखपति दीदी योजना चलाई जा रही है। इसी के तहत सभी प्रदेशों में काम चल रहा है। इससे 15 करोड़ लोगों को लाभ होगा। असम, बंगाल, ओडिशा व झारखंड राज्यों में ग्रामीण विकास एक चुनौती है। इन राज्यों के गांव का चहुमुखी विकास के लिए काम हो रहा है। इस विकास का उदाहरण उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य हैं। यहां के लोगों का जीवन स्तर सुधारने को लेकर बेहतर कार्य हुआ।

केयू के बीएड व एमएड शिक्षक करेंगे चरणबद्ध आंदोलन

JAMSHEDPUR : कोल्हान बीएड टीचर्स एसोसिएशन की बैठक गुरुवार को हुई, जिसमें केयू के अलग अलग कॉलेजों के बीएड, एमएड व वोकेशनल शिक्षक शामिल हुए। एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि पिछले 6 महीने से उनकी सेवा का नवीनीकरण तो नहीं हुआ, चार महीने से वेतन भी नहीं मिला है। इसे लेकर विभिन्न महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने कई बार रजिस्ट्रार, वाइस चांसलर के समक्ष अपनी बातें रखी, लेकिन हर बार उनसे आश्वासन तो मिलता रहा, परंतु कोई ठोस कार्रवाई अभी तक देखने को नहीं मिली। यह दुर्भाग्य है कि सभी प्राध्यापक अपने सभी रूटीन वर्क कर रहे हैं। इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 28 जनवरी को बीएड, एमएड और वोकेशनल विभाग के सभी प्राध्यापक अपनी मांग पत्र लेकर विश्वविद्यालय को घेरने का काम करेंगे और यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो त्वरित धरना प्रदर्शन भी किया जाएगा। एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि वर्तमान में सभी प्राध्यापक गहरी निराशा में जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

अवैध शराब बेचने पर तीन होटलों में की गई छापेमारी

RAMGARH : रामगढ़ डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर रजरप्पा थाना क्षेत्र के कुलही गांव में उत्पाद विभाग के जरिये छापेमारी की गई। यहां तीन होटलों में अवैध शराब की बिक्री हो रही थी। उत्पाद विभाग की ओर से की गई कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त किया गया है।

कुलही गांव में स्थित विभिन्न होटलों एवं ढाबा में गहन एवं व्यापक छापेमारी किया गया। जहां कुल 3 अभियोग दर्ज करते हुए 35 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 6.50 लीटर अवैध बीयर बरामद किया गया। जीतू महतो के होटल से 10 लीटर अवैध चुलाई शराब एवं 6.50 लीटर अवैध बीयर बरामद करते हुए अभियुक्त के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया। गंगाराम महतो के होटल से 20 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद करते हुए फरार अभियोग दर्ज किया गया। उमेश महतो के होटल में छापेमारी कर पांच लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।

बरामद शराब

शांति व सौहार्द के लिए सांसद-विधायक की अगुवाई में हुआ आयोजन

विधायक एकादश ने रेलवे को हराकर जीती पीपीपी ट्रॉफी

PHOTON NEWS CKP : चक्रधरपुर की शांति व उन्नति के लिए हुई पीपीपी ट्रॉफी 2025 का खिताब विधायक एकादश की टीम ने जीत लिया। फाइनल में रेलवे चक्रधरपुर की टीम को 10 विकेट से करारी पराजय का सामना करना पड़ा। टॉस जीत कर विधायक एकादश ने क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया।

बल्लेबाजी करते हुए रेलवे एकादश की टीम ने मात्र 6 ओवर में विशालकाय 90 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया। पहाड़ सा लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। लेकिन सबों को हैरत में डालते हुए इंजमामुल हक की आतिशी पारी के कारण बिना कोई विकेट खोये ही विधायक एकादश की टीम ने पांच ओवरों में ही 91 रन बना कर मैच जीत लिया। इंजमाम ने 21 गेंदें खेल कर 7 छक्का व 3 चौकों की मदद से 60 रन बना डाला। पूरे प्रतियोगिता में हाफ सेंचुरी एकमात्र इंजमाम ने ही लगाया। विधायक एकादश के कप्तान विधायक सुखराम उरांव थे। इससे पहले सेमीफाइनल में सीआरपीएफ 60 बटालियन की टीम को रेलवे एकादश ने एवं किशोर गणेश संघ को विधायक एकादश ने पराजीत कर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया था।

विजेता खिलाड़ियों के साथ सांसद-विधायक व अन्य ● फोटोन न्यूज

अगले वर्ष भव्य होगा प्रतियोगिता का प्रारूप

चक्रधरपुर की जनता के आग्रह पर विधायक सुखराम उरांव ने घोषणा करते हुए कहा कि 2026 में पीपीपी ट्रॉफी 23 से 26 जनवरी तक खेला जायेगा। दो दिन वर्तमान तर्ज पर और एक दिन रेगुलर खिलाड़ियों का तथा अंतिम दिन फाइनल खेल का आयोजन किया जायेगा। इसके स्वरूप को और भव्य रूप दी जायेगी।

खेल हर तबका को आपस में जोड़ता है : जोबा मांझी

मुख्य अतिथि सांसद जोबा मांझी ने अपने संबोधन में कही कि अमन और उन्नति के लिए खेला जाने वाला यह प्रतियोगिता हर तबका को आपस में जोड़ कर रखता है। हमारी टीम भी इसमें शामिल हुई थी, दुर्भाग्यवश एक गेंद ने हमारी टीम को हार दिला दिया। लेकिन मैं वचन देती हूं कि 2026 के इस प्रतियोगिता में हमारी टीम भी फाइनल तक पहुंचेगी। मांझी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच की शुरूआत भी की। विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि सभी 16 टीमों के सदस्यों, अतिथियों, संचालन समिति के सदस्यों और हमारे वॉलेंटियर्स के साथ जल्द ही हम वनभोज पर जायेंगे और प्रतियोगिता को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। क्योंकि यह ऐसी प्रतियोगिता है, जो पूरे शहर को आपस में बांध कर रखता है। सीआरपीएफ-60 बटालियन के सहायक कमांडेंट पवन कुमार ने कहा कि भारत अनेकता में एकता का देश है।

इन्हें मिला पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज : रेलवे एकादश के धीरज कुमार
सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज : रेलवे एकादश के एसवी राव
मैन ऑफ द फाइनल : विधायक एकादश के इंजमामुल हक
बेस्ट फील्डर : विधायक एकादश के मंजर आलम
मैन ऑफ द टूर्नामेंट : विधायक एकादश के इंजमामुल हक

हर मैच के मैन ऑफ मैच का मिला पुरस्कार

रेलवे एकादश से सीआर दास, धीरज कुमार, अंजुमन इस्लामिया से सरफराज आलम, मॉर्निंग वॉकर से जीतेंद्र मीणा, सीआरपीएफ से सीमांचल सेठी, भुकन सिंह रावत, वार्ड पार्षद से सोमनाथ रजक, किशोर गणेश संघ से राहुल, सिंटु अग्रवाल, मीडिया एकादश से मजहर शम्सी, विधायक एकादश से अमित, भावेश शर्मा, इंजमामुल हक, अम्पायर, स्कोरर व कमेंटेटर ये थे, चेतन, दीपक, सुमित, संजय लाल, विवेक चौरसिया, उपेंद्र चौरसिया, तेजनाथ लकड़ा, ऋतिक व ललित सिंह।

नेताजी की प्रतिमा पर पुलिस अधीक्षक सहित जिलेवासियों ने किया माल्यार्पण

AGENCY LOHARDAGA : नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जयंती पर पावरगंज चौक पर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर गुरुवार को पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां सहित अन्य अधिकारियों ने माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर कर उन्हें नमन किया।

प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करने वाले अधिकारियों में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, नजारत उपसमाहर्ता अभिनीत सूरज, कोषागार पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। मौके पर जिले वासियों ने प्रतिमा स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और झंडे को सलामी दी। इस अवसर पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे। मौके पर जिले वासियों ने प्रतिमा स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और झंडे को सलामी दी। इस दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन के बारे में विस्तार से बताया गया।

नेताजी को श्रद्धांजलि देते एसपी व अन्य

डीसी-एसपी ने अर्पित किए नेताजी को श्रद्धासुमन

LATEHAR : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने नेताजी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस महान स्वतंत्रता सेनानी थे। हमें उनके जीवन एवं संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता रामा रविदास, अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार अजय कुमार रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन समेत जिले के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

महुआडांड के स्वास्थ्य मेला में 556 ने कराई जांच

LATEHAR : जिले के महुआडांड प्रखंड में गुरुवार को एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला लगाया गया, जिसमें 556 लोगों ने जांच कराई। जांच के अनुसार ग्रामीणों को दवा भी दी गई। मेला में सामान्य चिकित्सा, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, आभा कार्ड, आयुष्मान कार्ड, परिवार नियोजन परामर्श, मोतियाबिंद की जांच, आंख, कान एवं गले से संबंधित बीमारियों की जांच, दंत चिकित्सा जांच, त्वचा की जांच, एनसीडी जांच, खून जांच, मलेरिया, फाइलेरिया जांच, शुगर जांच, पोषण के लिए परामर्श, एड्स नियंत्रण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टी.बी. नियंत्रण, धूम्रपान और तंबाकू सेवन के बुरे प्रभाव की जानकारी, कैंसर नियंत्रण जागरूकता समेत अन्य संबंधित बीमारियों के इलाज संबंधी सेवाएं प्रदान की गई। ज्ञात हो कि 24 जनवरी को बरवाडीह, चंदवा, हेरहंज व सरयू प्रखंड में एक दिवसीय प्रखंड स्वास्थ्य मेला आयोजित होगा।

एसएस बरडीह ने ब्रदर्स जयरामडीह को हराया

GHATSILA : नेताजी जयंती पर धरमबहाल पंचायत के पोड़ोगोड़ा गांव में नेताजी स्पोर्टिंग क्लब द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट किया गया। इसमें एसएस बरडीह टीम ने ब्रदर्स जयरामडीह को पराजित किया। दोनों टीमों को मंत्री रामदास सोरेन ने क्रमशः 10,000 और 7,000 रुपये देकर पुरस्कृत किया। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को 4-4 हजार रुपये दिए गए। इससे पूर्व मंत्री ने नेताजी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में जगदीश भगत, काजल डान, श्रवण अग्रवाल, सोनाराम सोरेन, सुखलाल हांसदा आदि भी थे।

मत्स्य कृषकों के विकास के लिए प्रशिक्षण शुरू

HAZARIBAG : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), मुंबई के सतत प्रयासों के तहत हजारीबाग जिले के दौडवा कुंडवा गांव में 70 मत्स्य कृषकों के लिए तीन दिवसीय एकीकृत मल्टी ट्रैफिक जलीय कृषि मॉडल पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बरही के अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रशिक्षण मैनुअल का भी अनावरण किया। यह उल्लेखनीय है कि सीआईएफई, मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रेम कुमार पूर्व में भी हजारीबाग में किसानों के साथ विभिन्न उन्नत मत्स्य पालन तकनीकों पर कार्यशालाएं आयोजित कर चुके हैं। पिछली यात्राओं में उन्होंने किसानों को आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों, जल प्रबंधन और सहायक जल कृषि प्रणालियों पर मार्गदर्शन दिया था, जिसका सकारात्मक प्रभाव आज किसानों की बढ़ती उत्पादन क्षमता में देखा जा सकता है। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि एक ही जलाशय में मत्स्य पालन के अलावा एकीकृत कार्यक्रम चलाकर कृषक अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सीआईएफई, मुंबई हजारीबाग के मत्स्य कृषकों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए सदैव तत्पर है। हमारा लक्ष्य किसानों को केवल मछली पालन तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि उन्हें मोती पालन और पानी फल (सिंघाड़ा) उत्पादन जैसे विकल्पों से जोड़कर उनकी आय के नए द्वार खोलना है। प्रशिक्षण सत्र में मत्स्य कृषकों को तालाब में एकीकृत रूप से मछली, मोती और पानी फल (सिंघाड़ा) की खेती करने के व्यावहारिक तौर-तरीके सिखाए गए। यह मॉडल किसानों को जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और बहुउद्देश्यीय कृषि के माध्यम से अधिकतम आर्थिक लाभ प्राप्त करने में सहायता करेगा। हजारीबाग जिले में सीआईएफई, मुंबई की सतत उपस्थिति ने किसानों को नई तकनीकों से जोड़ा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिला प्रशासन एवं मत्स्य विभाग के सहयोग से सीआईएफई टीम किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता लगातार प्रदान कर रही है। इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षु कृषक उपस्थित रहे।

BRIEF NEWS

राज्यपाल संतोष गंगवार ने सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

RANCHI : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर गुरुवार को राज भवन में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की देशभक्ति और राष्ट्र के लिए उनका त्याग हर भारतीय को प्रेरित करता रहेगा। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर शेयर पोस्ट में लिख, "आज राजभवन में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नेताजी का अदम्य साहस, राष्ट्रप्रेम और स्वतंत्रता के प्रति उनका समर्पण हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

डीसी मंजूनाथ ने गरीबों में वितरित किए कंबल

RANCHI : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बुधवार देर रात रांची के प्रमुख चौक-चौराहों की सड़कों पर ठंड में गुजर बसर कर रहे जरूरतमद लोगों को कंबल का वितरण किया। कंबल का वितरण अल्बर्ट एक्का चौक, काली मंदिर चौक, डेली मार्केट पार्किंग, दुर्गा मंदिर रातू रोड की सड़कों पर किया गया। जिला प्रशासन के जरिये सभी प्रमुख चौक-चौराहों एवं रांची जिला के सभी प्रखंडों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। प्रखंडों में भी कंबल का वितरण पूर्व से ही किया जा रहा है। उपायुक्त के साथ सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रविशंकर मिश्रा, डीएसपी कोतवाली प्रकाश सोय एवं डीएसपी सदर संजीव कुमार बेसरा भी थे।

बाबूलाल ने हेमंत सरकार को कानून व्यवस्था पर घेरा

RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि रांची के नामकुम प्रखंड स्थित हाहाप पंचायत के मुखिया नन्हे कच्छप पर हमला प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। मरांडी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के ऊपर बढ़ते जानलेवा हमले प्रदेश की कानून व्यवस्था का हाल बयां कर रहे हैं। कुछ माह पहले ही धुर्वा में पूर्व वार्ड पार्षद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बावजूद सरकार और पुलिस विभाग ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया।

उप-प्रमुख ने 600 गरीबों में बांटे कंबल

RANCHI : हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपने जन्मदिन के अवसर पर कांके प्रखंड के उप- प्रमुख अंजय बैठा ने छह सौ गरीबों में कंबलों का वितरण किया। अपने जन्मदिन का केक किसी फाइव स्टार होटल में जाकर नहीं, बल्कि इन्हीं के साथ केक काटा और इन्हें खिलाया। मौके पर अंजय बैठा का पूरा परिवार उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। अंजय के हाथों सम्मान पाकर मौके पर पहुंचे गरीब और अन्य लोग अत्यंत प्रसन्न थे।

कोई मोबाइल में व्यस्त, तो कोई खेला रहा बच्चे को, हॉस्पिटल की सिक्योरिटी पर सवाल

रिम्स की सुरक्षा भगवान भरोसे, वार्ड में परिजनों की लग रही ज्यादा भीड़

अस्पताल की घटनाओं से भी नहीं ले रहे सबक, प्रबंधन ने भी आंखों पर बांध रखी है पट्टी

VIVEK SHARMA @ RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है। आखिर हो भी क्यों न सुरक्षा में तैनात होमगार्ड के जवान मोबाइल में व्यस्त रह रहे हैं। वहीं कई जवान बच्चों को खेला रहे है। जिससे साफ है कि हॉस्पिटल में मरीज से लेकर परिजन कोई सुरक्षित नहीं है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही रिम्स में मरीज के परिजन के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। उस समय भी ड्यूटी पर सैकड़ों जवान तैनात थे। लेकिन, किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या प्रबंधन के आंखों पर पट्टी बंधी है जो ये चीजें दिखाई नहीं दे रही है। ारकार के आदेश पर हॉस्पिटल में होमगार्ड के जवानों को सुरक्षा में तैनात किया गया है। फिलहाल हॉस्पिटल में सुबह से रात तक तीन शिफ्ट में 400 जवानों की ड्यूटी लगाई जा रही है। लेकिन, कभी भी ये जवान ड्यूटी पर सतर्क नहीं रहते। कई बार ये अपने ड्यूटी स्थल पर भी नहीं होते। ऐसे में मरीजों के परिजनों की हमेशा वार्ड में भीड़ लगी रहती है। वहीं ओपीडी को भी ये व्यवस्थित नहीं कर पाते। इससे इलाज करने वाले डॉक्टरों व नर्स को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हॉस्पिटल में कुछ दिन पहले तक मरीजों के परिजनों को पास से एंट्री दी जा रही है। लेकिन, अब इंट्री गेट पर चेकिंग की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में मरीज के पास काफी संख्या में परिजन पहुंज जा रहे है। इससे वार्डों में भीड़ काफी बढ़ गई है। इतना ही नहीं इससे इलाजरत मरीजों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बता दें कि एक मरीज के साथ एक परिजन को वार्ड में रहने की अनुमति है। लेकिन पास सिस्टम के खत्म हो जाने से एक मरीज के पास कई परिजन पहुंच जा रहे है। इस मामले में रिम्स के पीआरओ डॉ. राजीव रंजन ने पूछने पर बताया कि हां, कुछ लोगों की शिकायतें मिली हैं। वे फोन पर बिजी रहते है। समय-समय पर इनकी ब्रीफिंग की जाती है। प्रबंधन हॉस्पिटल की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। अगर कोई दोषी पाया जाएगा तो उनपर कार्रवाई होगी।

रिम्स के अंदर घूमते लोग। ● फोटोन न्यूज

1500 मरीज इनडोर में हैं एडमिट

हॉस्पिटल में हर दिन इलाज के लिए 2500 मरीज आते है। इसमें 2000 के करीब मरीज ओपीडी के होते है। वहीं 500 मरीज इलाज के लिए इमरजेंसी में आते है। इनडोर की बात करें तो हमेशा 1500 मरीज अलग-अलग वार्डों में एडमिट रहते है। अब इतनी संख्या में मरीजों की सुरक्षा ऐसे लापरवाह जवानों के हाथों में सौंप दी गई है, जिन्हें केवल खानापूर्ति के लिए ड्यूटी करनी है।

सीएम हेमंत सोरेन से मिला केंद्रीय सरना समिति का प्रतिनिधिमंडल

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय सरना समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सरना आदिवासी समाज की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपकर उसके निदान की दिशा में उचित पहल करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हित में सरकार सभी वर्ग तथा समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाज के हर वर्ग के लोगों को सशक्त और आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है, क्योंकि बिना समाज को मजबूत किए राज्य को मजबूत नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरना आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृति को संरक्षित करने के साथ उनके अधिकार को देने के लिए हमारी सरकार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में केंद्रीय सरना समिति, भारत के अध्यक्ष नारायण उरांव, अमर उरांव, राजू मंडल, शिवा कच्छप, प्रदीप तिर्की, सोनू मुंडा, झरी मुंडा, राजेश तिर्की, हेमंत गाड़ी, चिंतामणि सांगा प्रमुख रूप से शामिल थे।

आईएएस अधिकारी के बेटे के तीन जन्म प्रमाण पत्र पर विवाद, भाजपा ने सरकार से पूछे सवाल

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम में एक आईएएस अधिकारी के बेटे के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा। इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने प्रदेश सरकार से सवाल करते हुए निशाना साधा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इस पूरे मामले पर सरकार से चार महत्वपूर्ण सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट किया है कि आईएएस अधिकारी राजीव रंजन के बेटे के एक जन्म प्रमाण पत्र को वैध माना गया है, जबकि अन्य को निरस्त कर दिया गया है। इस पर पहला सवाल यह है कि रांची नगर निगम ने तीन में से किस प्रमाण पत्र को वैध ठहराया और किन्हें रद्द किया? साथ ही, यह निर्णय किस आधार पर लिया गया कि कौन सा प्रमाण पत्र असली है और कौन सा फर्जी? दूसरा सवाल यह उठता है कि जन्म प्रमाण पत्र

के लिए आवेदन करते समय एक शपथ पत्र देना अनिवार्य होता है। यदि फर्जी शपथ पत्र दिया गया था, तो क्या नगर निगम ने संबंधित आईएएस अधिकारी के खिलाफ फजीर्वाड़े का मामला दर्ज किया है? तीसरा सवाल है कि नगर निगम के उस अधिकारी पर क्या कार्रवाई की गई जिसने तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र जारी किए और उन्हें सत्यापित किया? उन्होंने कहा कि चौथा और अंतिम सवाल यह है कि जिस ऊंचे पद पर संबंधित आईएएस अधिकारी वर्तमान में कार्यरत हैं, उनके खिलाफ विभागीय स्तर पर कौन सी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है? क्या ऐसे अधिकारी के भरोसे झारखंड का पूरा वित्त विभाग चलाया जाएगा? अजय साह ने आगे कहा कि झारखंड में ह्लकानून के राजह्व का खुलेआम मजाक उड़ाया जा रहा है। आम जनता और बड़े अधिकारियों के लिए अलग-अलग कानून लागू किए जा रहे हैं। यदि ऐसा फजीर्वाड़ा किसी सामान्य व्यक्ति ने किया होता, तो नगर निगम उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करता लेकिन चूंकि यह मामला एक बड़े अधिकारी से जुड़ा है, इसलिए निगम का रवैया नरम दिखाई दे रहा है। उन्होंने इस पूरे मामले को गंभीरता से जांचने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साह ने एसएससी और सीजीएल परीक्षा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पूरी प्रक्रिया एक बड़ा धोखा और फजीर्वाड़ा है। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि यदि किसी भाजपा नेता की इसमें संलिप्तता है, तो ठोस सबूत पेश किए जाएं, न कि मनगढ़ंत आरोप लगाए जाएं।

जेल के दो सुरक्षाकर्मियों को वाहन ने कुचला, एक की मौत, एक घायल

RANCHI : रांची के खेलगांव ओपी क्षेत्र के बाबा चौक के पास एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने रांची जेल के दो सुरक्षाकर्मियों को कुचल दिया। घटना में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई, जबकि दूसरा जेलकर्मी गंभीर रूप से घायल है। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार दोनों सुरक्षाकर्मी बाइक से बाबा चौक होते हुए रांची जेल जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इससे सुरक्षाकर्मी समीर कुमार राय (49) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे सुरक्षाकर्मी चन्द्र देव गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। खेलगांव थाना प्रभारी चन्द्रशेखर ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दोनों सुरक्षाकर्मियों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने समीर कुमार राय को मृत घोषित कर दिया। घायल चंद्रदेव का इलाज चल रहा है।

जिलों से आने वाले बीएलओ के आवागमन और रहने की होगी व्यवस्था

मतदाता दिवस समारोह की तैयारियों का सीईओ के. रवि कुमार ने लिया जायजा

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को चीफ इलेक्शन ऑफिसर यानी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने 25 जनवरी को आर्यभट्ट सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर होने राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। कार्यक्रम में राज्यपाल को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 एवं विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाना है। उन्होंने पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अन्य जिलों के उपायुक्त, पदाधिकारी एवं बीएलओ भी सम्मिलित होंगे। निर्वाचन में बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया जाना है। उनके

आने, जाने एवं ठहरने की व्यवस्था को पूर्ण कर लिया जाए। कार्यक्रम में कॉलेज और एनएसएस के बच्चे, नए मतदाता, बुजुर्ग मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता भी सम्मिलित होंगे। उन सबके लिए पेयजल, शौचालय एवं भोजन आदि की व्यवस्था का पदाधिकारी विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि कार्यक्रम में लोगों को निर्वाचन के दौरान हुए कार्यों एवं बीएलओ के प्रयासों से अवगत कराने के उद्देश्य से वीडियो, बैनर आदि का डिस्प्ले किया जाए। साथ ही सम्मानित होने वाले पदाधिकारियों, कर्मियों एवं बीएलओ के स्वागत की भी व्यवस्था की जाए। मौके पर रांची जिले के उपायुक्त मंजू नाथ भजंत्री, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता, रांची जिले के उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित रांची यूनिवर्सिटी के पदाधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मदरसा हुसैनिया कडरू में जलसा-ए- दस्तारबंदी 12 को

PHOTON NEWS RANCHI : मदरसा हुसैनिया कडरू रमें 32वां जलसा-ए-दस्तारबंदी का आयोजन 12 फरवरी शाम 6 से मदरसा के कैंपस ईदगाह मैदान और हज हाउस में किया जाएगा। यह जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौलाना मोहम्मद, प्रिंसिपल मदरसा हुसैनिया ने दी। उन्होंने कहा कि 70 साल के इतिहास में मदरसा हुसैनिया में पहली बार इतनी बड़ी तादाद में 830 बच्चों को एक साथ दस्तारबंदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मदरसा हुसैनिया 1958 में मरहूम मौलाना अजहर रहमतुल्लाह आलेह की शुरूआत एक बच्चों से शुरू की और आठ किस्तों में धीरे-धीरे जमीन खरीद की गई। इस मदरसे में झारखंड, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के बच्चे बड़े संख्या में पढ़ते हैं। जलसा-ए-दस्तार बंदी में मुख्यातिथि मौलाना सैयद अरशद मदनी अध्यक्ष जमीयत उलेमा हिंद, मौलाना महमूद मदनी अध्यक्ष जमीयत उलेमा हिंद, मुफ्ती सलमान मंसूर पूरी देवबंद, मुफ्ती नसीम अहमद बाराबंकी, कारी एहसान मोहसिन यूपी, मौलाना अब्दुस समद नोमानी राउरकेला, मुफ्ती जावेद इकबाल होंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर झारखंड सरकार के मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी, हफीजुल हसन अंसारी होंगे।

दिल्ली एसजी पाइपर्स ने ओडिशा वारियर्स को 3-2 से दी मात

गुरुवार को मोरहाबादी के जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में वीमेंस हॉकी इंडिया लीग का मैच खेला गया। इसमें ओडिशा वारियर्स और दिल्ली एसजी पाइपर्स की टीमें आमने-सामने थी। मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ। इसमें दिल्ली एसजी पाइपर्स ने ओडिशा वारियर्स को 3-2 से मात दे दी। इससे पहले मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी रहीं। खिलाड़ी अपना दम लगाते रहे। पहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में दिल्ली एसजी पाइपर्स की नवनीत कौर ने 28वें मिनट में पहला गोल दागकर 1-0 से बढ़त दिला दी। इस दौरान ओडिशा वारियर्स की यिब्बी जानसेन ने 35वें मिनट में गोल दागकर बराबरी कर ली। अंतिम समय तक दोनों टीमें एक-एक से ज्यादा गोल नहीं कर सकी। मैच के दौरान ओडिशा वारियर्स की फ्रीकी मोइज को ग्रीन कार्ड दिया गया। ओडिशा की नेहा गोयल को येलो कार्ड दिया गया। जबकि दिल्ली की लीली ओसले को भी येलो कार्ड मिला।

मौलाना मुस्तफा कासमी बने मदरसा शिक्षक महासंघ कमेटी के अध्यक्ष

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मदरसा शिक्षक महासंघ झारखंड की बैठक मौलाना मुस्तफा कासमी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से मदरसा शिक्षक महासंघ कमेटी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष मौलाना मुस्तफा कासमी, महासचिव मोहम्मद मकसूद आलम चतरा, उपाध्यक्ष मास्टर मुख्तार गिरिडीह, उप सचिव हाफिज शाहिद पलामू, कोषाध्यक्ष मास्टर नसीम पलामू और मीडिया प्रभारी हाफिज शहीद पलामू को बनाया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मदरसा संस्कृत में 2024-25 के फार्म न भरने का बैकऑट कर दिया है। इसकी सूचना शिक्षा सचिव और मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को दी गई है। इस पर सख्ती से अमल किया जाए। निर्णय लिया गया के

झारखंड सरकार से 47 मदरसा और 37 संस्कृत विद्यालयों को मदरसा नियमावली 1980 के मुताबिक अनुदान तनख्वाह मद में दिया जाए। इसके लिए किसी दूसरे संगठन से किसी भी तरह का सहारा नहीं लेंगे और अपनी मांग को मनवाने के लिए दूसरे संगठन के बैनर का भी इस्तेमाल नहीं करेंगे। मौके पर हाफिज शमीम, हाफिज साजिदुल्लाह, मौलाना सेराज, मास्टर इश्तियाक व अन्य लोग मौजूद थे।

जरूरी पहल : पुलिस मुख्यालय की ओर से सरकार को भेजा गया प्रस्ताव

राजधानी की प्रमुख जगहों पर लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पुलिस राजधानी रांची की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए यहां के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी लगाने के लिए बेंगलुरु पुलिस की तर्ज पर एक्ट लाने जा रही है। सीसीटीवी के दायरे में पूरे शहर को लाने के लिए एक्ट में कई तरह के प्रावधान हैं जिसके तहत प्रतिष्ठान मालिकों को खुद से सीसीटीवी कैमरा लगाना पड़ेगा। इस संबंध में झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा एक प्रस्ताव सरकार के पास भेजा गया है। राजधानी में इलेक्ट्रॉनिक निगरानी बढ़ाने के लिए शहर के हर हिस्से में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रक्रिया को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने बड़ा कदम उठाया है। झारखंड पुलिस ने इसके लिए बेंगलुरु पुलिस के

कर्नाटक सार्वजनिक सुरक्षा प्रवर्तन अधिनियम का गहराई से अध्ययन किया है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया की इस पहल का मुख्य उद्देश्य अपराधों को रोकने और अपराध में शामिल अपराधियों का पता लगाने के लिए है। एक्ट में यह प्रावधान रहेगा की अधिक भीड़ भाड़ वाले मॉल, प्रतिष्ठान, अपार्टमेंट और जिस इलाके में 100 से ज्यादा लोग रहते हों वहां सभी निजी तौर पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। सरकार द्वारा अगर एक्ट को पास कर दिया जाता है तो अधिकांश बड़े प्रतिष्ठान के आसपास प्रतिष्ठानों के मालिकों को सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य हो जाएगा। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि सरकार एक नोटिफिकेशन के माध्यम से यह तय करेगी कि किन-किन प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने हैं। स्थान चिन्हित करने के बाद निजी तौर पर वहां के प्रतिष्ठान मालिकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे। एक्ट में यह भी नियम रहेगा कि सीसीटीवी फुटेज को हर हाल में 30 दिनों तक सेव रखा जाय। कर्नाटक सार्वजनिक सुरक्षा प्रवर्तन अधिनियम के जरिए यह नियम बनाया गया है कि 500 से या अधिक लोगों की मासिक आवाजाही वाले प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे, सीसीटीवी कैमरे के रख रखाव की जिम्मेदारी प्रतिष्ठान मालिकों की होगी। कमरे को पूर्ण एचडी रेजोल्यूशन, नाइट विजन क्षमता और 30 दिन की स्टोरेज क्षमता सहित होना चाहिए।

बदमाशों ने मुखिया को गोली मारकर किया घायल

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र में बदमाशों ने गुरुवार को एक पंचायत मुखिया को गोली मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल मुखिया को रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह बाइक सवार दो बदमाशों ने नामकुम के हाहाप पंचायत के मुखिया नन्हे कच्छप को अरविंद टेक्सटाइल के पास गोली मारकर फरार हो गए। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। पूरे मामले की जांच पड़ताल चल रही है। थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि मुखिया का अपने गांव में ही जमीन बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। बंटवारे के विवाद को लेकर ही मुखिया पर फायरिंग की गई है।

सुभाष चंद्र बोस से हमें बहुत कुछ सीखने की जरूरत : रवींद्र राय

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती (पराक्रम दिवस) के मौके पर भाजपा रांची महानगर ने कचहरी चौक स्थित सुभाष पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कार्यक्रम की अगुआई की। भाजपा झारखंड के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय राष्ट्रीयता की भावना को बहुत महत्व दिया। उनका मानना था कि भारतीयों को अपने देश की स्वतंत्रता के लिए एकजुट होना चाहिए और विदेशियों से मुक्ति पाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। सुभाष चंद्र बोस के विचार

आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं और उनकी प्रतिबद्धता, साहस और नेतृत्व के उदाहरण से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को याद करते हुए कहा कि नेताजी का मानना था कि केवल अहिंसात्मक आंदोलनों से भारत को स्वतंत्रता नहीं मिल सकती। उन्होंने सशस्त्र संघर्ष की आवश्यकता को महसूस किया और भारतीय राष्ट्रीय सेना का गठन किया ताकि अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष किया जा सके। इस अवसर पर बसंत दास, कमाल खान, जितेंद्र वर्मा, अनिता वर्मा, विकास रवि, अजीत भगत, विनोद महतो, तरुण जयसवाल, लक्ष्मी चंद दीक्षित, पायल सोनी, अरुण चंद गुप्ता सहित भाजपा रांची महानगर के कार्यकर्ता मौजूद थे।

समाचार सार

नहीं रहे उद्यमी अशोक भालोटिया

JAMSHEDPUR : भालोटिया इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा. लि. के निदेशक व उद्यमी अशोक भालोटिया का गुरुवार की सुबह करीब 4 बजे कोलकाता में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंग्स कैंसर से पीड़ित थे। करीब 68 वर्षीय भालोटिया का अंतिम संस्कार शुक्रवार को होगा। सुबह 10.30 बजे उनकी अंतिम यात्रा 10, जुबिली रोड, बिष्टुपुर से पार्वती घाट के लिए निकलेगी। ज्ञात हो कि स्व. चंदूलाल भालोटिया के पुत्र अशोक भालोटिया 2017 से 2021 तक सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष थे। इसके अलावा वे मारवाड़ी सम्मेलन, टाटानगर गोशाला, राजस्थान सेवा सदन सहित कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े थे।

पति से झगड़े के बाद पत्नी ने खा लिया जहर, मौत

JAMSHEDPUR : सरायकेला जिले के नीमडीह थाना क्षेत्र के बड़ेरा गांव की एक महिला षष्ठी बाला सिंह ने जहर खा लिया था। महिला को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने महिला का शव कब्जे में लेकर इसका पोस्टमार्टम कराया है। महिला का पति मजदूरी करता है। महिला को डेढ़ साल का एक बच्चा था। महिला की आयु 21 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। बताते हैं कि षष्ठी बाला सिंह की उसके पति से अनबन रहती थी। पति और पत्नी के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता है। 20 जनवरी को षष्ठी बाला सिंह की उसके पति से लड़ाई हुई। इसी के बाद षष्ठी बाला सिंह ने जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। जहर खाने के बाद षष्ठी बाला सिंह की हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजन उसे जमशेदपुर लाए और एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया। षष्ठी बाला सिंह का एमजीएम के बर्न वार्ड में इलाज चल रहा था। यहीं इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सौरभ तिवारी ने बढ़ाया स्कूली बच्चों का हौसला

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित विकास विद्यालय ने गुरुवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में वार्षिक खेलकूद का आयोजन किया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में क्रिकेटर सौरभ तिवारी छात्रों का हौसला बढ़ाया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक-बहरागोड़ा कुणाल षाड़ंगी उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में बच्चों को खेलकूद में कॅरियर बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में भाजयुमो के प्रदेश मंत्री अमित अग्रवाल व विद्यालय के चेयरमैन डॉ. अशोक सिंह भी थे।

यूनिवर्सल पीस पैलेस का उद्घाटन 25 को

JAMSHEDPUR : मेरीन ड्राइव, सोनारी स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के यूनिवर्सल पीस पैलेस का उद्घाटन 25 जनवरी को सुबह 10 बजे होगा। इसे लेकर तीन दिवसीय कार्यक्रम हो रहा है। गुरुवार को प्रेस वार्ता में कोल्हान प्रभारी अंजू बहन ने बताया कि समारोह में राजयोगिनी शीलू दीदी (वाइस चेयरपर्सन, एजुकेशन विंग-आरईआरएफ), राजयोगी मृत्युंजय भाई (चेयरपर्सन, एजुकेशन विंग- आरईआरएफ) मधुबन, राजयोगिनी रानी दीदी (सबजोन इंचार्ज, बिहार-झारखंड) मुज्जफरपुर से पधार रही हैं। इसके साथ-साथ हरीश मोयाल (मशहूर गायक, मुंबई), चांद मिश्रा (फिल्म निमार्ता व दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित), शशिकांत सिंह (प्रतिष्ठित उद्योगपति, मुंबई) भी पधार रहे हैं। समारोह 25 से 27 जनवरी तक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण पीस ऑफ माइंड टीवी चैनल पर होगा।

नए अस्पताल को रोज चाहिए 3 लाख लीटर पानी, 1.20 लीटर का ही इंतजाम

इसी वजह से शिफ्टिंग में हो रही देरी, ऊहापोह में हैं मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के डॉक्टर

PHOTON NEWS JSR : डिमना स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल का निर्माण 376 करोड़ की लागत से हो रहा है। नया अस्पताल अब तक जनता के लिए नहीं खुल पाया है, जबकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसका उद्घाटन विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कर दिया था। आम जनता को अस्पताल का फायदा कब से मिलना शुरू होगा, इसे लेकर अधिकारियों के पास कोई ठोस जवाब नहीं है। इस मामले से जुड़े सभी अधिकारी सिर्फ एक-दूसरे पर दोषारोपण में लगे हुए हैं। इसके चलते जनवरी में इस अस्पताल की शिफ्टिंग मुश्किल नजर आती है। माना जा रहा है कि पुराने अस्पताल की इस नए अस्पताल में शिफ्टिंग के काम में तकरीबन महीना भर लगेगा।

डिमना में अस्पताल के लिए हो रही बोरिंग ● फोटोन न्यूज

कहां से आएगा एक लाख 80 हजार लीटर पानी

नया अस्पताल पानी के पेंच में फंस गया है। इस नए अस्पताल में एमजीएम के पुराने अस्पताल को शिफ्ट करने के मामले में तरह-तरह की अडचन आ रही है। अस्पताल को प्रतिदिन तीन लाख लीटर पानी चाहिए, जबकि, अभी महज एक लाख 20 हजार लीटर पानी का इंतजाम किया जा रहा है। इससे एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डाक्टर संतुष्ट नहीं हैं। डॉक्टरों का कहना है कि पहले तो कार्यकारी संस्था एलएंडटी ने यहां पानी का इंतजाम नहीं किया था। अब बवाल मचने के बाद ठेकेदार महज एक लाख 20 हजार लीटर पानी के लिए ही बोरिंग कर रहा है। बाकी पानी कहां से आएगा, इसे लेकर किसी के पास जवाब नहीं है। इस अस्पताल में हार्ट, कैंसर और न्यूरो समेत 12 विभागों को शिफ्ट करने की योजना है।

अभी भी चल रहा है अस्पताल का निर्माण कार्य

डिमना स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल का निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। अस्पताल में अभी भी काम चल रहा है। इसका मेन गेट बनाया जा रहा है। अंदर भी काफी काम बाकी है। अस्पताल का निर्माण करा रही एलएंडटी कंपनी अस्पताल में काम पूरा करने से पहले ही इसे एमजीएम मेडिकल कॉलेज को हैंडओवर करना चाहती है। मगर, एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रबंधन इसके लिए तैयार नहीं है। नए अस्पताल को हैंडओवर लेने के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने एक कमेटी गठित कर दी है। यही कमेटी सारा कामकाज देख रही है। कमेटी जब हरी झंडी देगी, तभी अस्पताल को हैंडओवर लिया जाएगा।

बोरिंग हो गई, कनेक्शन का काम बाकी

इस नए अस्पताल में कार्यकारी कंपनी एलएंडटी ने छह बोरिंग कर दी है। एलएंडटी के अधिकारियों का कहना है कि बोरिंग हो गई है। मोटर बैठा दी गई है। अब इसमें पानी का कनेक्शन पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की जिम्मेदारी है। अस्पताल में तीन लाख लीटर क्षमता का संप बनाया गया है। एमजीएम अस्पताल के एक डाक्टर ने बताया कि अस्पताल में बहुत पानी लगता है। एक ऑपरेशन करने में कम से कम 500 लीटर पानी खर्च हो जाता है। इस वजह से अस्पताल में कम से कम तीन लाख लीटर प्रतिदिन जलापूर्ति की क्षमता होनी चाहिए।

बिना हैंडओवर लिए ही कर दिया था उद्घाटन

इस अस्पताल को लेकर शुरू से ही लापरवाही बरती जा रही है। इसे आनन-फानन बनाया गया। तेजी से निर्माण कर दिया गया और विधानसभा चुनाव से पहले इसका उद्घाटन करा लिया गया। ताकि, मतदाताओ को उपलब्धि के तौर पर इस अस्पताल को दिखाया जा सका। जबकि, विडंबना है कि पांच अक्टूबर 2024 को हुए उद्घाटन के बाद अब तक यहां ओपीडी शुरू नहीं हो पाई है । इससे जनता में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि अगर अस्पताल का निर्माण अधूरा था, तो इसका उद्घाटन करने की क्या जल्द थी।

नेताजी पल्ली में दिनदहाड़े लाखों के आभूषण की चोरी

चोरी के बाद खुला पलंग का बॉक्स ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के गोपालपुर पंचायत अंतर्गत नेताजी पल्ली क्षेत्र में दिनदहाड़े करीब 6 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी हो गए। गुरुवार की दोपहर लगभग 1 बजे घर में घुसकर कर इस घटना को अंजाम दिया गया। गृहस्वामी बंशीधर मार्डी की पत्नी टुलु मानी माडी ने बताया कि दोपहर लगभग 12 बजे अपने बेटे अमृत मार्डी को लेकर बाजार गई थी। दरवाजे पर गृहस्वामी सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त कर्मी पैरालाइसिस से पीड़ित बंशीधर मार्डी बैठे थे। बाजार से घर आकर देखा कि पलंग के दराज में रखा हुआ सोने का गहना नहीं है। घर के सारे सामान बिखरे थे। इस घटना की जानकारी थाना प्रभारी मधुसूदन दे को दी, वे दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

घटना से पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल है। लोगों ने बताया कि इससे पहले इस मोहल्ले में कभी चोरी नहीं हुई थी।

एसडीओ ने जब्त किए बालू लदे चार ट्रैक्टर

CHAKRADHARPUR : पोड़ाहाट एसडीओ श्रुति राजलक्ष्मी ने बुधवार की रात बालू लदे चार ट्रैक्टर जब्त किए। चक्रधरपुर-सोनुआ मुख्य मार्ग पर जांच के दौरान चारों वाहन पकड़े गए थे। ये वाहन चक्रधरपुर अनुमंडल के सुदूरवर्ती क्षेत्र गुदड़ी से बालू लोड कर आ रहे थे। जांच के दौरान इनके पास कोई चालान नहीं मिला। ज्ञात हो कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुदड़ी, गोइलकेरा और मनोहरपुर में अवैध रूप से बालू का कारोबार चल रहा है।

जिला और पारस्परिक स्थानांतरण नियमावली में संशोधन की मांग

झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री से मिल कर उठाई आवाज, दिया ज्ञापन

PHOTON NEWS JSR : झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से उनके घोड़ाबांधा स्थित आवास पर मुलाकात कर उन्हें सात सूत्री ज्ञापन सौंपा। इसमें संघ ने सरकार की जिला स्थानांतरण और पारस्परिक स्थानांतरण नियमावली में संशोधन कर इसे लागू करने की मांग की।

इसके अलावा मांग की गई है कि सरकारी शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 साल की जाए। इसके अलावा एमएसीपी की तर्ज पर शिक्षकों का भी वित्तीय उन्नयन करने की मांग की गई है। कहा गया कि सरकार सरकारी शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से अलग रखे, ताकि राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आ सके। अभी

शिक्षा मंत्री से मिलते शिक्षक

शिक्षकों को शिक्षा के अलावा अन्य कई सरकारी काम में लगा दिया जाता है। इससे स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। शिक्षा मंत्री से मिलने वालों में संघ के अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद सिंह, सचिव कविता सिंह, संरक्षक रीता कुमारी और अन्य सदस्य थे। नरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया है कि वह इन मांगों पर विचार करेंगे। शिक्षकों की समस्या हल की जाएगी।

खाली पदों पर हो नियुक्ति व प्रोन्नति

राज्य में प्रधानाध्यापक और प्लस टू विद्यालयों के पद खाली हैं। इन पर नियुक्ति शुरू करने और शिक्षकों की पदोन्नति करने की भी मांग की गई है। राज्य में कई सरकारी विद्यालयों में अध्यापको के पद खाली पड़े हुए हैं। इस वजह से इन स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता पर असर आया है। इसलिए, इन स्कूलों के खाली पदों को भरने की भी बात कही गई है। साथ ही संघ के प्रतिनिधियों ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को बताया है कि विद्यालयों में सुरक्षा गार्ड नहीं होने से अक्सर चोरी की घटनाएं होती हैं। इसलिए सभी स्कूलों में एक सुरक्षा गार्ड की तैनाती की भी मांग की गई है।

चहुंओर गूंजता रहा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का नारा

जमशेदपुर सहित पूरे कोल्हान में धूमधाम से मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती, कहीं निकली पदयात्रा तो कहीं हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बन्ना गुप्ता ने कदमा में किया माल्यार्पण

कदमा में नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते बन्ना गुप्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने गुरुवार को कदमा बस स्टैंड के पास नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। नेताजी विचार मंच, कदमा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बन्ना ने कहा कि नेताजी हमारे आदर्श हैं, उनके राष्ट्र प्रेम और समर्पण की भावना अपने आप में अनूठा है।

अदम्य साहस वाले नेताजी देश के सच्चे सपूत थे। ऐसे महापुरुष की गाथा और इतिहास सुनकर प्रत्येक भारतीय का सीना चौड़ा हो जाता है और हम गौरवान्वित महसूस करते हैं। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा... का नारा देने वाले नेताजी ने इस नारे के माध्यम से देश को यह संदेश दिया कि हमें देशहित के लिए अपना सबकुछ त्यागने के लिए कृतसंकल्पित होना चाहिए। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष भोलानाथ गोस्वामी, सचिव मनोज झा, बबुआ झा, ईश्वर सिंह, प्रभात ठाकुर, कैलाश रजक, संजय तिवारी आदि भी उपस्थित थे।

नेताजी जयंती में शामिल अतिथि व आयोजक ● फोटोन न्यूज

धूमधाम से मनाई गई 128वीं जयंती

GHATSILA : नेताजी जयंती समारोह समिति की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ गुरुवार को मनाई गई। जेसी स्कूल के आशा ऑडिटोरियम में खेलकूद और चित्रांकन प्रतियोगिताओं के 120 विजेता व प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सह कांग्रेस में मनरेगा विभाग के जिला अध्यक्ष तापस चटर्जी ने की। इससे पूर्व सुभाष चौक पर नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। मंच संचालन किरण कुमार व शेख फारूक ने किया। इस मौके पर मुखिया पार्वती मुर्मू, पीयू सिन्हा, रंजीत ठाकुर, दीपक सिंह, मो. साजिद, अर्जुन सिंह, शिल्पी सरकार, सुमोना गुप्ता, अंजना दास, उत्तम सिन्हा, मृणाल कांति विश्वास, शिवाजी चटर्जी, संदीप चंद्रा आदि भी मौजूद थे।

नेताजी रहते तो भारत नहीं बंटता : सरयू राय

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कहा कि अगर नेताजी भारत को आजाद कराने में सफल हो गये होते तो आज देश बंटा नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि 1937 में नेताजी ने अपना जो प्लानिंग कमीशन बनाया था, उसके हिसाब से देश चलता तो ज्यादा विकास करता, ज्यादा आगे बढ़ता। नेताजी की स्मृति दुनिया के प्रायः हर देश के निवासियों में है। आप अंदाजा लगाएं कि जिस वक्त भारत में संचार के इतने साधन नहीं थे, न सबके पास रेडियो और न ही टेलीफोन था, उस दौर में भी भारत का बच्चा-बच्चा नेताजी के बारे में जानता था। इससे पता चलता है कि नेताजी अपने दौर में कितने लोकप्रिय थे। साकची के आमबगान मैदान में नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने और उनके महान स्वतंत्रता अभियान की चित्र-पट्ट विवरणिका का उद्घाटन करने के बाद सरयू राय ने कहा कि गांव-गांव के लोगों को मालूम था कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज की स्थापना की है और देश को आजाद कराने के लिए वह निकल पड़े हैं। चित्र-पट्ट विवरणिका विधायक निधि से बनाई गई है।

साकची में नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते सरयू राय व शेखर डे

बंगबंधु ने निकाली भव्य झांकी आमबगान में हुआ गीत-नृत्य

साकची के आमबगान मैदान में नारे लगातीं महिलाएं ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर गुरुवार को सामाजिक संगठन बंगबंधु ने भव्य झांकी निकाली, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। शहर के विभिन्न बंगभाषी संगठनों ने साकची के आई हॉस्पिटल से विशाल झांकी निकाली, जिसमें साकची, बिष्टुपुर, परसुडीह, सुंदरनगर, कदमा, सोनारी, बारीडीह, टेल्को, बिरसानगर सहित आसपास के क्षेत्रों की महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल हुए। देशभक्ति गीतों के साथ यह झांकी साकची नेताजी सुभाष (आमबगान) मैदान पहुंची, जहां नेताजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। झांकी के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए, जिसमें कलाकारों ने संगीत और नृत्य प्रस्तुत किए।

नेताजी ने देश की आजादी में निभाई अग्रणी भूमिका : कांग्रेस

कांग्रेस भवन में नेताजी को याद करते कांग्रेस कार्यकर्ता

CHAIBASA : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती गुरुवार को कांग्रेस भवन में मनाई गई। कांग्रेसियों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। सभी ने एक स्वर में कहा कि नेताजी के ओजस्वी भाषण ने देश की आजादी में अग्रणी भूमिका निभाई थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए लोगों को एक होकर स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, प्रदेश महासचिव त्रिशानु राय, भारत यात्री लक्ष्मण हांसदा, जिला सचिव जानवी कुदादा, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष जहांगीर आलम, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, मंजू बिरुवा, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राधा मोहन बनर्जी आदि मौजूद थे।

'देश के युवाओं ने उनके करिश्माई नेतृत्व में एकजुट होकर किया था संघर्ष'

घाटशिला स्टेशन स्थित नेताजी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोग

GHATSILA : भाजयुमो मंडल अध्यक्ष मंटू प्रजापति के नेतृत्व में नेताजी जयंती पर गुरुवार को घाटशिला स्टेशन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर पूर्व प्रत्याशी लखन मार्डी ने कहा कि देश के युवा उनके करिश्माई नेतृत्व में एकजुट थे, जिससे आजादी के लिए भारत के संघर्ष को नई ताकत मिली। भाजपा नेत्री गीता मुर्मू ने कहा कि नेताजी ने युवाओं में ऊर्जा भरी थी। आजादी के आंदोलन के दौरान उन्होंने युवाओं को विदेशी हुकूमत के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा दी थी। नेताजी भारत के शौर्य व पराक्रम के प्रतीक रहे हैं। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, विजय पांडेय आदि भी थे।

शहरवासियों ने कटक में मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

मंच पर बाएं से सर्वश्री प्रहलाद खंडेलवाल, धर्म चंद्र पोद्दार, सात्यकी अशोक सावरकर, श्याम सुंदर पोद्दार, गोविंद जैथलिया एवं अनिल धीर।

JAMSHEDPUR : शहरवासियों ने गुरुवार को कटक,ओडिशा में नेताजी जयंती मनाई। मानगो निवासी वीर सावरकर फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष धर्मचंद्र पोद्दार ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीर सावरकर के पौत्र सात्यकी अशोक सावरकर थे। कटक क्लब में वीर सावरकर फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इंजीनियर श्याम सुंदर पोद्दार की पुस्तक 'सुभाष, सावरकर ने देश को आजाद किया - गांधी ने नहीं' का विमोचन किया गया। पोद्दार ने कहा कि सुभाष बाबू को वीर सावरकर से ही प्रेरणा मिली थी। उनसे प्रेरित होकर सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज बनाई थी।

BRIEF NEWS

अवैध देसी कट्टा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

BHAGALPUR : जिले के नाथनगर थाना अंतर्गत अवैध देसी कट्टा के साथ 01 व्यक्ति गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी डीएसपी 2 राकेश कुमार ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि आज डायल-112 ग्रीड नंबर-11 नाथनगर द्वारा थानाध्यक्ष नाथनगर को सूचना मिली कि अजमेरीपुर में एक व्यक्ति जमीनी विवाद को लेकर हथियार लहरा रहा है। सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष नाथनगर के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापेमारी किया गया। गठित टीम द्वारा छापेमारी के दौरान जुल्मी मंडल के घर के गोदरेज से एक अवैध देसी कट्टा बरामद किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति जुल्मी मंडल, पेसर-खोखा मंडल, साकिन-अजमेरीपुर, थाना-नाथनगर, जिला-भागलपुर का रहने वाला है। छापेमारी दल में राजीव रंजन सिंह, थानाध्यक्ष नाथनगर थाना और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

चार अपराधी हथियारों के साथ गिरफ्तार

CHAMPARAN : जिले में कड़कड़ाती ठंड के दौराम चोर व शटरकटवा गिरोह सक्रिय हैं। हालांकि पुलिस ने सक्रियता से गुरुवार के अहले सुबह दरपा थाना प्रभारी उमाशंकर मांझी के नेतृत्व में जवानो मे चार लोगों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से एक देसी कट्टा, तीन जिन्दा कारतूस,एक शटर काटने का मशीन बरामद किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना मिली कि तिनकोनी गांव के श्याम सुंदर कुमार के घर चार पांच व्यक्ति लूट पाट करने का संगठित योजना बना रहे है,जिसके बाद पुलिस ने त्वतरित कारवाई करते हुए सभी अपराधियो को दबोच लिया। पकड़े गये अपराधियो में घोड़ासहन शटर तोड़वा गिरोह के सक्रिय सदस्य विकास,अमर जीत,अंकित व श्याम सुंदर शामिल है।पुलिस इनसे पूछताछ के बाद आवश्यक कारवाई में जुटी है।

बदमाशों ने महिला से लूटा ढाई लाख रुपये से भरा पर्स

ARARIYA : अररिया में बाइक सवार बदमाशों ने गुरुवार को एक महिला से ढाई लाख रुपये से भरा पर्स लूट लिया। घटना दीनदयाल चौक के समीप की है। सूचना पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी जांच में जुट गए हैं। साथ ही सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। पचास वर्षीय पीड़ित महिला रेखा देवी है जो सिमराहा थाना क्षेत्र के लहसनगंज वार्ड संख्या एक निवासी स्व. राजानंद पासवान की पत्नी हैं। मामले को लेकर पीड़िता ने थाना में आवेदन दिया है। उसने आवेदन में बताया है कि मैंने एसबीआई की मुख्य शाखा से ढाई लाख रुपए की निकासी कर पर्स में रखा और घर जाने के लिए ऑटो के इंतजार कर रही थी। इस दौरान अचानक व्हाइट कलर के अपाची बाइक से दो अज्ञात युवक पीछे से आये और रुपए से भरा पर्स छीनकर भाग निकला। पीड़िता ने छीने गए पर्स में रुपए सहित बैंक पासबुक,पेन व आधार कार्ड के अलावा मोबाइल की भी छीनतई कर लिए जाने की जानकारी दी है।

बोरी में बांधकर रखे थे नोट और गहने, रजनीकांत प्रवीण किए गए निलंबित

बेतिया डीईओ के सात ठिकानों पर विजिलेंस ने की छापेमारी, मिले तीन करोड़ रुपये कैश

AGENCY BETHIA : गुरुवार को बिहार के बेतिया में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) रजनीकांत प्रवीण के पास से 3 करोड़ रुपए कैश और गहने बरामद किए गए हैं। विजिलेंस की टीम ने 40 सदस्यों के साथ रजनीकांत के 7 ठिकानों पर एक साथ रेड मारी। विजिलेंस की टीम बेतिया में 10 घंटे की छापेमारी के बाद डीईओ के घर से बाहर निकल गई है। हालांकि, अधिकारियों ने इस मामले में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी है। रजनीकांत के घर में रखे बेड में नोटों से भरी बोरियां छिपाकर रखी गई थीं। इतना ज्यादा कैश मिलने के बाद अधिकारियों को नोट गिनने वाली मशीन लाना पड़ी। खुलासे के बाद डीईओ को निलंबित कर दिया गया है। डीईओ रजनीकांत प्रवीण नालंदा के रहने वाले हैं। पत्नी सुषमा शर्मा बगहा, समस्तीपुर और दरभंगा में तीन स्कूल संचालित करती हैं। इन स्कूलों में भी विजिलेंस की टीम जांच कर रही है। साली पूनम शर्मा समस्तीपुर में ही श्रीकृष्णा हाई स्कूल में टीचर हैं। सास निर्मला शर्मा रिटायर्ड टीचर हैं। रजनीकांत पिछले 3 साल से बेतिया में पोस्टेड हैं। उनका ससुराल समस्तीपुर में है। पिछले 20 सालों की सर्विस के दौरान वे बगहा, मधुबनी और दरभंगा में भी पोस्टेड रहे हैं। इसलिए विजिलेंस टीम ने इन सभी जगहों पर एक साथ छापेमारी की। इसमें सबसे ज्यादा 3 करोड़ रुपए कैश बेतिया वाले घर से जब्त किए गए हैं। कार्रवाई अभी जारी है। ऑड के साथ ही विजिलेंस की टीम बेतिया में ऑड ऑफिस के क्लर्क अंजनी कुमार के घर पर भी पहुंची, लेकिन यहां ताला मिला। सभी लोग फरार हैं। निगरानी विभाग के मुताबिक, रजनीकांत प्रवीण ने साल 2005 से लेकर अब तक लगभग 1.87 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्ति अर्जित की है। यह संपत्ति उनकी 20 साल की सर्विस से मेल नहीं खाती है। यह संपत्ति अवैध तरीके से अर्जित की गई है। रजनीकांत साल 2005 से नौकरी में है। उन पर 19-20 साल की नौकरी में अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

डीईओ के घर से बरामद कैश व रजनीकांत की तस्वीर।

नोएडा में फ्लैट, बेतिया में 70 करोड़ कमाई, एमएलसी व्रजवासी का दावा

PATNA : पश्चिम चंपारण के भ्रष्ट जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण के ठिकानों पर स्पेशल विजिलेंस की छापेमारी बेतिया, समस्तीपुर, मधुबनी और दरभंगा में चल रही है। इस बीच शिक्षक नेता से विधान परिषद सदस्य बने बंशीधर व्रजवासी ने रजनीकांत के बारे में बड़ा दावा किया है। खबर लिखे जाने तक मिली जानकारी के अनुसार डीईओ से ठिकाने से सबा दो करोड़ नगद मिले। लेकिन एमएलसी ने दावा किया है कि रजनीकांत प्रवीण में बेतिया में रहते हुए कम से कम 70 करोड़ की संपत्ति गलत तरीके से बनाई है। उन्होंने यह भी कहा है कि जब शिक्षक नेता के रूप में उनके खिलाफ आवाज उठाई तो रजनीकांत ने उन्हें हत्या करवा देने की धमकी भी दी थी।

सरकार की ड्यूटी छोड़ पत्नी चलाती है स्कूल

DARBHANGA : पश्चिम चंपारण के जिला शिक्षा पदाधिकारी के बेतिया, समस्तीपुर और दरभंगा स्थित ठिकानों पर रेड में इतने कैश मिले हैं कि उनकी गिनती के लिए विजिलेंस टीम को मंशीन मंगवाना पड़ा। दरभंगा सदर प्रखंड के गौसाघाट स्थित बिरला ओपेन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में निगरानी की छापेमारी की गयी। इस स्कूल का संचालन पश्चिम चंपारण के डीईओ रजनीकांत प्रवीण की पत्नी सुषमा कुमारी कर रही हैं। वे फिलहाल समस्तीपुर के तिरहुत एकेडमी में शिक्षिका हैं और एजुकेशन लीव पर रहते हुए दरभंगा में निजी स्कूल का संचालन कर रही हैं। डीईओ रजनीकांत को सस्पेंड कर दिया गया है। स्कूल सूत्रों से पता चला है कि निगरानी की पांच सदस्यीय टीम ने दरभंगा स्थित स्कूल पर रेड किया।इस बीच शिक्षा विभाग ने पश्चिम चंपारण के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) रजनीकांत प्रवीण को निलंबित कर दिया है। एसवीयू के छापे में डीईओ के ठिकानों से मिले नकद 2.25 करोड़ के मामले में उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में उनका मुख्यालय क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक कार्यालय, पूर्णिया होगा। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी चलेगी। बताया जाता है कि निगरानी की टीम ने यहां से कुछ नगदी समेत लाखों के अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। हालांकि निगरानी की टीम इस संबंध में अभी कुछ भी जानकारी नहीं दे रही है। स्कूल परिसर में किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। इस मामले में निगरानी की टीम स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि बिरला ओपेन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल की फ्रेंचाइजी डीईओ रजनी कान्त प्रवीण ने अपनी पत्नी सुषमा कुमारी के नाम से ली है। सुषमा कुमारी बतौर निदेशक इस स्कूल का संचालन कर रही हैं।

आने वाले 20 सालों के लिए उपेंद्र कुशवाहा को मिले मौका : रामेश्वर

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कभी पास, कभी साथ और कभी दूर रहने वाले राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा के लिए जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से उनकी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएमएल) में आए पूर्व विधान पार्षद रामेश्वर महतो ने शासन के अगले 20 साल मांग लिए हैं। लोकसभा चुनाव में सीतामढ़ी सीट से जेडीयू का टिकट मांग रहे रामेश्वर महतो ने पिछले साल जदयू से इस्तीफा दे दिया था और पार्टी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर पर खूब बरसे थे। गुरुवार को पटना में रालोमो के कपूर्री ठाकुर जयंती समारोह में महतो कुशवाहा की पार्टी में शामिल हो गए। रामेश्वर महतो ने आरएमएल में शामिल होने के बाद कहा कि उपेंद्र कुशवाहा देश में पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने न्यायपालिका के कॉलेजियम सिस्टम में सुधार को लेकर संसद में आवाज उठाई है। महतो ने कहा कि उनके जदयू छोड़ने के जो भी कारण हों लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके पिता तुल्य हैं और हमेशा उनके अभिभावक रहेंगे। महतो ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि उपेंद्र कुशवाहा को आने वाले 20 साल के लिए शासन का मौका मिलना चाहिए।

पटना में होटल रेटिंग बना साइबर अपराध का जरिया

पटना : साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाया है। अब ये ठग होटल रेटिंग के बहाने लोगों को पैसे कमाने का लालच देकर उनके खातों से लाखों रुपये उड़ा रहे हैं। हाल ही में दो मामलों में 9 लाख रुपये से अधिक की ठगी हुई है। इस नए तरीके में ठग पहले पीड़ित को अंजान नंबर से मैसेज या कॉल करते हैं और उन्हें एक लिंक भेजते हैं। लिंक पर क्लिक करने पर व्यक्ति को यह बताया जाता है कि अगर वह होटलों की रेटिंग देगा, तो उसे हर रेटिंग पर पैसे मिलेंगे। फुलवारी थाना क्षेत्र के रहने वाले मोहम्मद नफीस आलम को एक अंजान नंबर से लगातार मैसेज आ रहे थे। इन मैसेज में दावा किया गया कि पटना के होटलों की रेटिंग देने पर पैसा कमाया जा सकता है।

ससुराल आए ओडिशा के कारोबारी का अपहरण, फिरौती लेते किडनैपर धराया

AGENCY NAWADA : बिहार के नवादा गुरुवार को ओडिशा के एक कारोबारी का अपहरण हो गया। नगर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कारोबारी को बरामद कर लिया। साथ ही एक किडनैपर को भी गिरफ्तार किया गया है। कारोबारी का नाम संदीप पांडे है। वह अपने ससुराल नवादा आया हुआ था, जहां 5.50 लाख रुपये की फिरौती के लिए उसे शहर से अगवा कर लिया गया। अपहरणकर्ता ने कारोबारी से दो लाख रुपये खाते में ट्रांसफर करवा लिए। फिर साढ़े 3 लाख रुपये लेने के लिए जब पहुंचा तो पुलिस ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तार किडनैपर की पहचान मुकेश कुमार सिंह के रूप में हुी है। वह नवादा के कन्हाई नगर मोहल्ले का रहने वाला है। उसके पिता अरुण कुमार सिंह काशीचक ब्लॉक में पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत हैं। नगर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई कर उसे पकड़ा। ओडिशे के सुंदरनगर जिले के रहने वाले कारोबारी संदीप पांडेय का अपहरण शहर के चौधरी नगर मोहल्ले से 21 जनवरी की दोपहर करीब 12 बजे हुआ। नगर थाना की पुलिस को घटना की सूचना 22 जनवरी की दोपहर करीब 1:45 बजे दी गई। संदीप की पत्नी रेशमी साहू ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ पिछले एक माह पूर्व अपने पिता के निधन पर मायके नेमदारगंज आई थी। उसके पति का राउरकेला में आईसक्रीम का कारोबार है। वह पिछले एक हफ्ते से नवादा के चौधरी नगर मोहल्ले में स्थित अपने एक रिश्तेदार के घर पति के साथ रह रही थी।

कब्र में दफन शव का सिर हो रहा गायब, लोगों में दहशत

AGENCY BHAGALPUR : जिले में सन्हौला थाना क्षेत्र के असरफनगर नदियामा गांव के कब्रगाह स्थित कब्र से शव के चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। कब्रगाह में दफनाए गए शव का कहीं पूरा शरीर से गायब है तो कहीं सिर्फ सर गायब है। चोरी हुए नर कंकाल में ज्यादातर की मौत वज्रपात की वजह से होना बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उस इलाके में बीते पांच वर्षों से दफनाए शव की कब्र से चोरी हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटना के बाद स्थानीय थाने में लिखित शिकायत की जाती रही है। परन्तु आज तक इस अमानवीय कुकृत्य के पीछे छुपे अपराधियों और हड्डी के तस्करों को नहीं पकड़ा जा सका है। ग्रामीणों ने बताया कि सन्हौला प्रखंड के पंचायत फाजिलपुर सकरामा का असरफनगर नदियामा का यह वर्षों पुराना कब्रिस्तान है। तीन से चार गांव के अल्पसंख्यक समुदाय के लोग यहां शवों को दफनाने आते हैं। दो दिन पूर्व जिस महिला के कब्र की खुदाई के बाद उसका सर को काटकर अज्ञात लोगों ने ले भागा वह मो बदरूजम्मा की अम्मी का कब्र है।

डिरेल वैगन की टक्कर से रेललाइन पर गिरी दीवार ट्रेनों का परिचालन बाधित

PATNA : बिहार के मुंगेर जिले में गुरुवार को रेल कारखाना के भीतर मालगाड़ी का वैगन डीरेल होकर दीवार से टकरा गया। घटना के वक्त वहां से अन्य कोई ट्रेन न गुजरने से एक बड़ा रेल हादसा होने से बच गया। अपलाइन पर दो घंटे तक परिचालन ठप रहा। जमालपुर कारखाने के अंदर जब एक मालगाड़ी की शंटिंग की जा रहा थी, तभी उसका एक वैगन बेपटरी होकर जमालपुर रेल स्टेशन के लोको की चारदीवार से टकरा गया और एक तेज आवाज के साथ दीवार का एक बड़ा भाग जमालपुर-धरहरा रेलखंड के अपलाइन पर गिर गया। गनीमत थी कि उस वक्त कोई ट्रेन अपलाइन ट्रैक से नहीं गुजर रही थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलने पर रेल प्रशासन ने अपलाइन के रेल ट्रैक से दीवार का मलबा हटवाया। घटना के करीब दो घंटे तक अप मार्ग पर ट्रेनों का आवगमन बंद रहा।

पीएमसीएच के जालसाज डॉ. अजय को पटना पुलिस ने किया गिरफ्तार

AGENCY PATNA : आखिरकार फरार डॉक्टर अजय कुमार को 16 दिनों की तलाश के बाद टीओपी प्रभारी शुभम कुमार ने गुरुवार को पीएमसीएच से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि डॉक्टर अजय पीएमसीएच में काउंसलिंग के लिए फॉर्म जमा करने आएंगे। चूंकि गुरुवार को काउंसलिंग का आखिरी दिन था, पुलिस ने हथुआ वार्ड के चारों ओर सादे लिवास में जाल बिछाया और जैसे ही डॉक्टर अजय सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। टीओपी प्रभारी ने रची योजना? : डॉक्टर अजय की गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने वैशाली और मुजफ्फरपुर में भी छापेमारी की थी। बीते दिनों डॉक्टर अजय ने पटना सिविल कोर्ट में बेल के लिए याचिका भी दायर की थी, लेकिन पुलिस की सतर्कता के कारण वह बच नहीं पाए। पुलिस का कहना है कि अजय के साथ-साथ एमबीबीएस और पीजी के पांच अन्य डॉक्टर भी रडार पर हैं। जल्द ही इनकी गिरफ्तारी की जाएगी। दरअसल, बीते दिनों पीएमसीएच के चाणक्य हॉस्टल के दूसरे तल्ले पर एक कमरे में आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जांच में कमरे से 10-12 लाख रुपये के जले हुए नोट, नीट-पीजी के कई एडमिट कार्ड, एमबीबीएस की जली हुई ओएमआर शीट और शराब की आधी खाली बोतल मिली थी। डॉक्टर अजय कुमार सिंह, जो समस्तीपुर जिले के रहने वाले हैं, पर आरोप है कि वह मोटी रकम लेकर एमबीबीएस और नीट यूजी परीक्षाओं में स्कॉलर बैठाते थे। सूत्रों के अनुसार, वह मेडिकल छात्रों को इंटरनल एग्जाम में पास कराने के लिए भी पैसों के बदले फर्जी उम्मीदवारों को बैठाते थे। इस मामले में सीबीआई भी सक्रिय हो गई है। बीते सोमवार को सीबीआई ने पीएमसीएच पहुंचकर 4 घंटे तक जांच की। सीबीआई ने पीरबहोर और टीओपी थाना को निर्देश दिया है कि मामले से जुड़ी हर जानकारी साझा करें। जांच में यह भी सामने आया कि डॉक्टर अजय ने चाणक्य हॉस्टल के तीन कमरों पर कब्जा किया हुआ था।

खेत में 7 जिंदा बम मिलने से मचा हड़कंप, बाल्टी में डालकर थाने ले गई पुलिस

HAZIPUR : बिहार के वैशाली जिले में 7 बम मिलने से हड़कंप मच गया है। यह मामला महनार प्रखंड के करनौती पंचायत का है। गांव में शिव मंदिर के पास स्थित एक खेत में 7 जिंदा बम पाए गए। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी बम को कब्जे में लिया। इसके बाद पानी से भरी बाल्टी में रखकर सभी बम को थाने लाया गया। पटना से बम डिस्पोज करने वाली टीम को बुलाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार यह खेत गिरजानंद प्रसाद सिंह का है। थानाध्यक्ष विश्वरंजन सिंह ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि ये बम कहां से आए। इसके पीछे कोई साजिश है या नहीं, इसका पता जांच के बाद ही चल पाएगा।

प्रगति यात्रा : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 52 योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

सीएम ने सहरसा जिले को दी 210 करोड़ से अधिक की सौगात

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में सहरसा जिले के सत्तरकटैया प्रखंड स्थित 10+2 उच्च विद्यालय, मेनहा के परिसर से 210 करोड़ रुपये से अधिक की कुल 52 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उ?द्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 94 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का उ?द्घाटन तथा 116 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 16 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने सत्तर कटैया प्रखंड के मेनहा ग्राम में 520 आसनवाले अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय 10+2 उच्च विद्यालय भवन का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया और परिसर में बनाए गए शिक्षकों के आवास एवं छात्रावास सहित अन्य भागों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छा बना है। शिक्षक इसी परिसर में रहकर छात्रों को अच्छे से पढ़ाएंगे। बच्चों के रहने का भी बेहतर इंतजाम किया गया है। यहां शैक्षणिक कार्यकलाप को बेहतर ढंग से संचालित करें ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। परिसर की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। इस विद्यालय परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, स्वास्थ्य विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग और शिक्षा विभाग आदि के स्टॉलों का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। साथ ही जीविका दीदियों के स्टॉल पर लगाए गए विभिन्न उत्पादों को देखा और उनसे बातचीत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जीविकोपार्जन के लिए 46,883 स्वयं सहायता समूह को 144 करोड़ 27 लाख रुपये, 2358 स्वयं सहायता समूह को 11 करोड़ 70 लाख रुपये और 2993 स्वयं सहायता समूह को 25 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री तालाब मत्स्य वानिकी योजना के अंतर्गत 8 लाख 46 हजार रुपये तथा 15 लाख 62 हजार रुपये की राशि लाभुकों को प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बाल हृदय योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की और आयुष्मान भारत कार्ड के लाभुकों को भी चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने समग्र गव्य विकास योजना के अंतर्गत 38 लाभुकों को 36 लाख 44 हजार रुपये तथा मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के अंतर्गत 120 लाभुकों को 2 करोड़ रुपये की राशि का सांकेतिक चेक प्रदान किया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना के अंतर्गत लाभुकों को 16 लाख 60 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने बच्चे को अन्नप्राशन कराया। मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के लाभुकों को मुख्यमंत्री ने चाबी प्रदान की।इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने तिलावे नदी की गाद की समस्या के लिए स्थलीय निरीक्षण किया।

प्रगति यात्रा के दौरान अधिकारियों से बात करते सीएम नीतीश कुमार।

युवती से दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने दी आजीवन कारावास की सजा

ARARIYA : अररिया पॉस्को कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अजय कुमार की अदालत ने गूंगी और बहरी लड़की के दुष्कर्मी को आजीवन सश्रम कारावास और पचास हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई है। साथ ही जुमार्ने की रकम अदा नहीं करने पर दोषी को एक महीने की अतिरिक्त सजा भुगतने का भी आदेश अपने निर्णय में दिया है। न्यायालय ने विक्टिम कंपनसेशन एक्ट के अंतर्गत पीड़िता के पक्ष में प्रतिपूर्ति हेतु सात लाख रुपए देने का भी निर्देश विधिक सेवा प्राधिकार अररिया को दिया, जिसमें दो लाख रुपये की प्रतिपूर्ति न्यायालय के आदेश पर पीड़िता को 10 फरवरी 2021 को दिया जा चुका है । न्यायालय ने विशेष पॉस्को मामले में फैसला सुनाते हुए दोषी को सजा सुनाई।सजा पाने वाला ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले 33 वर्षीय मोहम्मद मुन्ना पिता- स्व. अब्दुल कैय्युम है।

200 राउंड गोलियां चलाने वाले घूम रहे खुलेआम : तेजस्वी यादव

AGENCY PATNA : बिहार के पटना जिले के मोकामा में बुधवार को हुए गैंगवार पर सियासी पारा गमार्या हुआ है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा है। उन्होंने कहा कि 200 राउंड गोलियां चलाने वाले अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। अगर यही किसी और के राज में हुआ होता तो इस पर नेशनल डिबेट हो रही होती। बता दें कि मोकामा के नौरंगा-जलालपुर गांव में बुधवार शाम बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह के समर्थकों और गैंगस्टर सोनू-मोनू के बीच कई राउंड गोलीबारी हुई थी। इसमें अनंत सिंह बाल-बाल बच गए थे। तेजस्वी यादव ने गुरुवार को मोकामा गैंगवार पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर दो पक्षों के बीच गोलियां चली हैं, तो चलाने वाला कौन है। पटना के पास अगर 200 राउंड गोलियां चलती हैं, तो कोई महफूज नहीं है। उन्होंने नीतीश सरकार पर आरोप लगाया कि अपराधियों को संरक्षण देकर जेल से छुड़वाया जा रहा है। तेजस्वी ने अनंत सिंह का नाम लिए बिना कहा कि जेल से छूटने के बाद उन्होंने यह धंधा (अपराध) शुरू कर दिया। बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि 8 महीने से हम बिहार में अपराध के बुलेटिन जारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

महाकुंभ में स्वच्छता के उच्च तकनीकी समाधान

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ क्षेत्र में महा आयोजन की व्यापकता और विशालता दिख रही है। वहां उपस्थित विशाल मानव समूह की केवल कल्पना कीजिए, जहां प्रत्येक व्यक्ति आस्था और भक्ति के सागर में हिलोरें ले रहा है। लेकिन, विश्व की इस विस्मयकारी महाघटना में पर्दे के पीछे अथक परिश्रम करने वाले मूक नायक के तौर पर उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियां काम कर रही हैं। एक भव्य संगीत सिम्फनी के अनाम परिचालकों की तरह ये नवाचार सुनिश्चित करते हैं कि सफाई और स्वच्छता, संगीत की हर सुर लहरी की तरह पूरी तरह लयबद्ध हो। महाकुंभ में उच्च तकनीक वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर प्राकृतिक शुद्धिकरण तालाबों तक, प्रत्येक उपाय पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरा और प्रौद्योगिकी का यह सामंजस्यपूर्ण मिश्रण न केवल महाकुंभ के आध्यात्मिक सार को संरक्षित करता है, बल्कि दुनिया भर में भविष्य के बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले समारोहों के लिए मानक भी स्थापित करता है। एक हलचल भरे शहर की कल्पना करें, जो रातोंरात अस्तित्व में आ गया हो, जहां करोड़ों लोग एक भव्य आयोजन के लिए जुटे हों। 45 दिनों के इस विशाल धार्मिक आयोजन, जिसमें अनुमानित तौर पर 40 करोड़ आगंतुक पहुंचे हों, वहां हर दिन उत्पन्न कचरे का प्रबंधन हैरत में डालने वाला है। हालांकि इससे अधिकारी विचलित नहीं हुए और उन्होंने इस कठिन कार्य के लिए भारत के दो प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) की मदद ली है। महाकुंभ में उत्पन्न अपशिष्ट दिमाग को चकरा देने वाला है। वहां हर दिन लगभग 16 मिलियन लीटर मल विष्ठा, 240 मिलियन लीटर ग्रे-वाटर (शौचालय को छोड़ कर अपशिष्ट जल) और करोड़ों तीर्थयात्रियों द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पन्न ठोस अपशिष्ट शामिल हैं। इसके निपटान प्रबंधन के लिए परिष्कृत समाधानों की आवश्यकता पड़ी और तभी उन्नत प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल काम आया। इनमें से एक हाइब्रिड ग्रेनुलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (एचजीएसबीआर) है, जिसे इसरो और बार्क के सहयोग से विकसित किया गया है। ये उच्च तकनीक की वॉशिंग मशीन जैसा है, जो कपड़े साफ करने की बजाय सीवेज का निपटान करता है। इस तकनीक का उपयोग तीन प्रीफैब्रिकेटेड मल विष्ठा ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) में किया जा रहा है, जो मानव अपशिष्ट को कुशलतापूर्वक संसाधित कर सुनिश्चित करता है कि वातावरण स्वच्छ और सुरक्षित रहे। वहां एक अन्य तकनीक जीओ ट्यूब टेक्नोलॉजी अपनाई जा रही है, जो कचरे के नियंत्रण और उपचार में सहायक है। यह सुनिश्चित करती है कि पर्यावरण में केवल स्वच्छ पानी ही छोड़ा जाए। यह एक विशाल चाय बैग की तरह है, जो बड़ी मात्रा में तरल अपशिष्ट सोखकर उसे साफ करता है। महाकुंभ में स्वच्छता के लिए इस्तेमाल की जा रही एक अन्य तकनीक बायोरिमेडिएशन है। यह बड़े तालाबों के लाभकारी सूक्ष्मजीवों जैसा है जो प्रदूषकों को विखंडित कर पानी को शुद्ध करता है। इस प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूल विधि को लगभग 75 बड़े तालाबों में एकत्र किए गए ग्रेवाटर में इस्तेमाल की जाएगी ता?कि जल को प्रभावी और सुरक्षित रूप से उपचारित किया जाए। उत्तर प्रदेश सरकार ने 7000 करोड़ रुपये के कुल महाकुंभ बजट में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता दर्शाई है। वहां अपशिष्ट और जल प्रबंधन के लिए 1600 करोड़ रुपये और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बुनियादी ढांचे के लिए 316 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह वित्तीय और ढांचागत प्रतिबद्धता आयोजन के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है। स्वच्छता उपायों में इन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताओं को कम करना है। वे नदी के जल प्रदूषण को रोकते हैं, अपशिष्ट और सीवेज से संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को कम करते हैं और बड़े पैमाने पर लोगों के एकत्रित होने के पारिस्थितिकी नुकसान में कमी लाते हैं। अपशिष्ट प्रबंधन परिचालन रणनीति में मैनुअल हैंडलिंग को कम से कम करना, उन्नत तकनीकों का उपयोग कर स्रोत-स्तरीय अपशिष्ट पृथक्करण पर जोर देना और व्यापक निपटान तंत्र को लागू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त वहां अन्य आरंभिक उपायों में 1 लाख 45 हजार पोर्टेबल शौचालयों की स्थापना, निरंतर सफाई के लिए बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती,पर्याप्त चिकित्सा सुविधा की व्यवस्?था और एक व्यापक अपशिष्ट संग्रह और प्रबंधन बुनियादी ढांचे शामिल हैं। ये उन्नत प्रौद्योगिकियां बड़े पैमाने पर धार्मिक समारोहों के प्रबंधन में व्यापक बदलाव दशार्ते हैं। वे पर्यावरणीय स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन, अल्प स्वास्थ्य जोखिम, न्यूनतम पारिस्थितिक व्यवधान और कुशल संसाधन उपयोग के उपाय प्रदान करते हैं। यह महाकुंभ 2025 में बड़े पैमाने पर धार्मिक समागमों से जुड़ी जटिल प्रचालनतंत्र और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रबंधन में भारत की तकनीकी कौशल का दस्तावेज है। यह एक दीप्तिमान उदाहरण है कि प्रौद्योगिकी और परंपरा सबके लिए कैसे एक स्वच्छ, स्वस्थ भविष्य निर्मित कर सकते हैं।

'स्टेट' से संघर्ष की राहुल गांधी की घोषणा आहतकारी

ANALYSIS

✍ हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय परंपरा, इतिहास और संस्कृति में राष्ट्र का अस्तित्व बहुत प्राचीन है। इतिहास के वैदिक युग से लेकर आधुनिक काल तक राष्ट्र भाव को बढ़ाने की ही बातें राष्ट्रीय विमर्श में रही हैं। किसी शब्द का प्रयोग भिन्न-भिन्न संदर्भों में भी हो सकता है। लेकिन 'स्टेट' जैसे शब्द का अर्थ स्वत: स्पष्ट होता है। भारतीय संविधान की मूल धारा में स्टेट (राज्य) का अर्थ राजव्यवस्था है। संविधान भी राजव्यवस्था का अंग है, लेकिन सर्वोपरि है। संवैधानिक संस्थाएं राजव्यवस्था का उद्देश्य पूरा करने की माध्यम हैं। न्यायपालिका एक संवैधानिक संस्था है। विधायिका और कार्यपालिका भी संवैधानिक संस्थाएं हैं। भारत के महालेखा परीक्षक (कैग) भी संवैधानिक संस्था हैं। निर्वाचन आयोग भी प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्था है। ऐसी सारी संवैधानिक संस्थाओं का गठन संविधान के अनुरूप हुआ है। भारतीय राजव्यवस्था के सिद्धांतों, मान्यताओं, नियमों और विधियों से राष्ट्रजीवन की गतिशीलता है। भारतीय राज्य की सभी संस्थाएं स्टेट का हिस्सा हैं। राष्ट्र राज्य का अर्थ संप्रभु सत्ता है। भारत संप्रभु राष्ट्र राज्य है। भारत की धरती और आकाश तक इस संप्रभुता की गहन उपस्थिति है। यह संप्रभुता भारत के संपूर्ण जन गण मन के माध्यम से संविधान में प्रकट हुई है।

राहुल गांधी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। संप्रति लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी हैं। उनसे अतिरिक्त शालीनता की अपेक्षा रहती है, लेकिन हाल ही में उन्होंने एक खतरनाक वक्तव्य दिया है। उन्होंने कहा है कि मैं भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ही नहीं लड़ रहा हूं, बल्कि मेरा संघर्ष भारतीय देश राज्य से भी है। अंग्रेजी में देश के लिए 'स्टेट' शब्द का इस्तेमाल हुआ है। भारतीय परंपरा, इतिहास और संस्कृति में राष्ट्र का अस्तित्व बहुत प्राचीन है। इतिहास के वैदिक युग से लेकर आधुनिक काल तक राष्ट्र भाव को बढ़ाने की ही बातें राष्ट्रीय विमर्श में रही हैं। किसी शब्द का प्रयोग भिन्न-भिन्न संदर्भों में भी हो सकता है। लेकिन 'स्टेट' जैसे शब्द का अर्थ स्वतः स्पष्ट होता है। भारतीय संविधान की मूल धारा में स्टेट (राज्य) का अर्थ राजव्यवस्था है। संविधान भी राजव्यवस्था का अंग है, लेकिन सर्वोपरि है। संवैधानिक संस्थाएं राजव्यवस्था का उद्देश्य पूरा करने की माध्यम हैं। न्यायपालिका एक संवैधानिक संस्था है। विधायिका और कार्यपालिका भी संवैधानिक संस्थाएं हैं। भारत के महालेखा परीक्षक (कैग) भी संवैधानिक संस्था हैं। निर्वाचन आयोग भी प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्था है। ऐसी सारी संवैधानिक संस्थाओं का गठन संविधान के अनुरूप हुआ है। भारतीय राजव्यवस्था के सिद्धांतों, मान्यताओं, नियमों और विधियों से राष्ट्रजीवन की गतिशीलता है। भारतीय राज्य की सभी संस्थाएं स्टेट का हिस्सा हैं। राष्ट्र राज्य का अर्थ संप्रभु सत्ता है। भारत संप्रभु राष्ट्र राज्य है। भारत की धरती और आकाश तक इस संप्रभुता की गहन उपस्थिति है। यह संप्रभुता भारत के संपूर्ण जन गण मन के माध्यम से संविधान में प्रकट हुई है। स्टेट का सामान्य अर्थ राजव्यवस्था या राज्य हो सकता है। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका स्टेट के अभिन्न अंग हैं। कोर्ट, कचहरी, विधायिका, कार्यपालिका सहित सभी घटक राजव्यवस्था के अविभाज्य अंग हैं। साधारण सिपाही और विभिन्न संस्थाओं में काम करने वाला लिपिक भी राजव्यवस्था का अंग हैं। राजव्यवस्था में किसी भी अंग से संघर्ष की घोषणा सामान्य अपराध नहीं है। मूलभूत प्रश्न है कि राहुल गांधी की लड़ाई आखिरकार किस स्टेट के विरुद्ध है। बेशक

स्टेट राजव्यवस्था के सभी अंग अलग-अलग काम करते हैं। लेकिन, वस्तुतः वे स्टेट नाम की संस्था के अभिन्न अंग हैं। भारत के प्राचीन काल में भी खूबसूरत राजव्यवस्था थी। वैदिक साहित्य में राजा के निर्वाचन की विधि मिलती है। राजा के निर्वाचन के समय उत्सव होते थे। ऐसे ही उत्सव में कहते हैं कि, हे राजा! हम आपको राष्ट्र की भूमि की रक्षा करने, कृषि और पशुपालन की व्यवस्था करने, नागरिकों के लिए शिक्षा का प्रबंध करने के लिए चुनते हैं। आगे कहते हैं, आप अजेय रहें, आपकी कीर्ति और यश फैले। हम आपका अभिषेक करते हैं। राजा की भी शपथ होती थी। राजा कहता था कि, मैं राष्ट्र की रक्षा करूंगा। कृषि और पशुपालन को विकसित करूंगा। इस देश को वैभवशाली बनाऊंगा। यदि मैं ऐसा न कर पाऊं तो मेरे सारे पुण्य नष्ट हो जाएं। भारत के सभी नागरिक राजव्यवस्था का संरक्षण पाते हैं। स्टेट का कर्तव्य राजव्यवस्था का संचालन व अनुशासन सुनिश्चित करना है। प्रश्न है कि राजव्यवस्था को नष्ट करने और उससे लड़ने का कोई भी प्रयास राजद्रोह के दायरे में आता है। माओवादी हिंसा करते हैं। निर्दोष मारे जाते हैं। स्टेट माओवादियों से यथानियम निपटता है। माओवादियों और स्टेट के बीच का युद्ध वस्तुतः स्टेट पर ही हमला है और राजद्रोह है। आतंकवादी देश के कई भूभागों में निर्दोष नागरिकों को मारा करते हैं। वे स्टेट की परवाह नहीं करते। स्टेट उनसे लड़ता है। संघर्ष करता है। पूर्वोत्तर के तमाम उग्रवादी संगठन भी इसी श्रेणी में आते हैं। स्टेट सभी हिंसक संगठनों से लड़ने को बाध्य है। राहुल गांधी किस स्टेट से लड़ने की बात कर रहे हैं। श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिट्टे ने राजीव गांधी को मारा था। ऐसे सभी संगठन व्यक्तियों को निशाना नहीं बना रहे थे, वे स्टेट से ही युद्ध कर रहे थे। स्टेट को ध्वस्त करना चाहते थे। राष्ट्र को स्टेटलेस-राज्यविहीन बना रहे थे। महाभारत, रामायण में राजविहीन देश का दशा वर्णन है-व्यापारी व्यवसाय नहीं कर पाते। बच्चे पढ़ नहीं पाते। आचार्य यज्ञ नहीं कर पाते। आदि। सुंदर राजव्यवस्था जरूरी है। भारतीय स्टेट से लड़ना संभव नहीं है। स्टेट के पास राजव्यवस्था चलाने की शक्ति है। यह शक्ति संविधान ने दी है। राहुल गांधी जी स्टेट से क्या उम्मीद रखते हैं। क्या स्टेट आतंकवादियों, अलगाववादियों की वंदना करे। उन्होंने अपना मंतव्य स्पष्ट नहीं किया है। संविधान की प्रति जेब में रखना और उसके खात्मे का आरोप लगाना आसान है। भाजपा या संघ से लड़ना आसान है। यह सामान्य लोकतांत्रिक कार्यवाही है। हमारे संविधान ने विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकार माना। संविधान (अनुच्छेद 19) ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देते हुए लोकव्यवस्था को महत्वपूर्ण उन्मुक्ति दी है। राहुल गांधी लोक व्यवस्था की परवाह नहीं करते और न ही राजव्यवस्था की। कांग्रेस को राहुल गांधी के बयान की निंदा करनी चाहिए। उनके वक्तव्य गंभीर हैं। 1971-72 के साल जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संपूर्ण क्रांति आंदोलन हुआ था। आंदोलनकारियों का मुख्य नारा ध्यान देने योग्य है, हमला चाहे जैसा भी हो हाथ हमारा नहीं उठेगा। लेकिन, आंदोलनकारियों को मारा-पीटा गया। जेल में डाला गया। कांग्रेस की तरफ से बयान आया कि, यह पुलिस वालों को उत्तेजित करने का प्रयास है। इसलिए यह राजद्रोह है। 1975 में आपातकाल लगा। लाखों लोग जेल भेजे गए। इन पंक्तियों के लेखक को भी आपातकाल में 19 माह तक जेल में रखा गया। मौलिक अधिकार निलंबित हो गए। लोकतांत्रिक ढंग से किए गए कार्यों को आपराधिक कार्य मानना गलत है। स्टेट से संघर्ष की घोषणा अच्छी नहीं है। इस संघर्ष का रूप स्वरूप उन्होंने नहीं बताया। उन्हें चिढ़ भाजपा और भाजपा की सत्ता से है। वह स्वयं नेता प्रतिपक्ष हैं। वह भी स्टेट का हिस्सा हैं। स्टेट से लड़ने की घोषणा करना निंदनीय है। लोकतंत्र में इस या उस दल या दल समूह की सरकारें आती हैं और जाती रहती हैं। इस समय मोदी सरकार है तो मोदी के पहले कांग्रेस गठबंधन की सरकार थी। सरकार के कामकाज की आलोचना विपक्ष का अधिकार है। लेकिन, चुनाव मैदान में अपेक्षानुसार सीटें न पाने से आहत कांग्रेस को ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए। संविधान खतरे में नहीं है। स्टेट या राजव्यवस्था भी नहीं। संविधान को खतरे में बताना न उचित रहा है और न ही इस समय है। संविधान को बचाने निकले नेता प्रतिपक्ष संविधान से ही लड़ाई करने निकल पड़े हैं। नेता प्रतिपक्ष संभवतः इतनी छोटी सी बात भी नहीं जानते कि संविधान भी स्टेट का हिस्सा है। स्टेट के कार्य संचालन के लिए संविधान ही मार्गदर्शी है। उन्हें और उनके समर्थकों को संविधान की उद्देशिका पढ़नी चाहिए। उद्देशिका इस देश को आर्थिक, सामाजिक न्याय दिलाने की बात करती है। परस्पर भाईचारा बनाने के लक्ष्य के लिए भी उद्देशिका पठनीय है। संविधान की पूरी योजना भारत के भविष्य से जुड़ी हुई है। सभी संस्थाओं को आदर देना और उनके कृतित्व के प्रति सजग रहना आज की आवश्यकता है। स्टेट से लड़ने की घोषणा आहतकारी है।

आकाश में नए द्वार खोलती भारत की अंतरिक्ष डॉकिंग

हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष डॉकिंग का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसरो द्वारा पीएसएलवी-सी 60 मिशन ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पाडेक्स) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिसमें दो उपग्रहों के अंतरिक्ष में एक-दूसरे से मिलने और डॉक करने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। अंतरिक्ष डॉकिंग कक्षा में दो अंतरिक्ष यान को जोड़ने की प्रक्रिया है। इसमें तेज गति से चलने वाले अंतरिक्ष यान को एक ही कक्षीय प्रक्षेप पथ पर लाना, उन्हें मैन्युअल रूप से या स्वायत्त रूप से एक-दूसरे के करीब लाना और अंत में उन्हें यांत्रिक रूप से एक साथ लॉक करना शामिल है। यह क्षमता जटिल अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें अंतरिक्ष स्टेशनों को इकट्ठा करना, चालक दल का आदान-प्रदान और आपूर्ति पहुंचाना शामिल है। संयुक्त राज्य अमेरिका में (1966) पहली डॉकिंग नासा के जेमिनी 8 मिशन के दौरान हासिल की गई थी, जहां अंतरिक्ष यान एजेना लक्ष्य वाहन के साथ डॉक किया गया था। यूएसएसआर ने कोस्मोस 186 और कोस्मोस 188 के बीच पहली मानवरहित, स्वचालित डॉकिंग का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने 1967 में अंतरिक्ष दौड़ के दौरान उनकी इंजीनियरिंग क्षमता को रेखांकित किया। चीन के मानवरहित शेनझोउ 8 अंतरिक्ष यान ने 2011 में तियांगोंग 1 अंतरिक्ष प्रयोगशाला के साथ डॉक किया। एक साल बाद, देश ने शेनझोउ 9 मिशन के साथ अपनी पहली मानवयुक्त डॉकिंग हासिल की। भारतीय डॉकिंग सिस्टम (बीडीएस) के बारे में 2010 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय डॉकिंग सिस्टम मानक (आईडीएसएस) अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के साथ अंतरिक्ष यान डॉकिंग को नियंत्रित करता है। भारत एक उभयलिंगी डॉकिंग प्रणाली का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है कि चेजर और टारगेट दोनों उपग्रहों पर समान प्रणालियां मौजूद हैं। आईडीएसएस के समान लेकिन आईडीएसएस डिजाइन में 24 मोटर्स के बजाय दो मोटर्स का उपयोग करता है। उन्नत सेंसर और प्रौद्योगिकी जिसमें सटीक माप के लिए अभिनव सेंसर शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं- लेजर रेंज फाइंडर, रेंडेजवस सेंसर और प्रॉक्सिमिटी और डॉकिंग सेंसर। ये सेंसर सटीक दृष्टिकोण और डॉकिंग प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाते हैं। इसमें सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम से प्रेरित एक नया प्रोसेसर है। साथ ही अंतरिक्ष यान की सापेक्ष स्थिति और वेग निर्धारित करता है। यह भविष्य की स्वायत्त डॉकिंग प्रणालियों के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है। साथ ही उपग्रह-आधारित नेविगेशन डेटा पर निर्भर किए बिना डॉकिंग प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है। डॉकिंग तकनीक कक्षा में बड़े अंतरिक्ष यान के निर्माण की अनुमति देती है, जो मंगल अन्वेषण जैसे गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक है।

चंद्र मिशनों के लिए समर्थन : डॉकिंग इसरो के चंद्रयान-4 चंद्र नमूना वापसी मिशन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे अधिक उन्नत और जटिल अंतरिक्ष संचालन संभव हो पाता है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की योजना कक्षीय पुनःपूर्ति और चालक दल के मिशनों का समर्थन करने के लिए डॉकिंग तकनीक पर निर्भर करती है। स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इसरो के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दशार्ता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों में महत्त्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों का मार्ग प्रशस्त करता है। मिशन साबित करता है कि उच्च-स्तरीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को न्यूनतम व्यय के साथ विकसित और प्रदर्शित किया जा सकता है। यह अंतरिक्ष यान के लिए डॉकिंग प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करेगा और डॉक किए गए अंतरिक्ष यान के बीच बिजली हस्तांतरण को सक्षम करेगा। अंतरिक्ष यान के परिचालन जीवन को बढ़ाने के लिए डॉक की गई स्थितियों में नियंत्रण क्षमता को बढ़ाएगा। विमान लेजर रेंज फाइंडर और रेंडेजवस सेंसर जैसे उन्नत सेंसर से लैस है। रिएक्शन व्हील, मैग्नेटोमीटर और थ्रस्टर्स के साथ मजबूत रवैया और कक्षा नियंत्रण प्रणाली। मोटर चालित कैप्चर, रिट्रैक्शन और रिजिडाइजेशन क्षमताओं के साथ डॉकिंग मैकेनिज्म। स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इसरो के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दशार्ता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों में महत्त्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों का मार्ग प्रशस्त करता है। अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियों ने एक बड़ी छलांग लगाई है, जब पीएसएलवी-सी60 ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पाडेक्स) को प्रक्षेपित किया, जिससे स्वायत्त अंतरिक्ष यान डॉकिंग के लिए भारत की उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन हुआ। स्पैडेक्स मिशन में दो छोटे अंतरिक्ष यान, एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 शामिल हैं, जो स्वचालित रूप से कक्षा में स्थापित होंगे, जिससे कक्षा में उपग्रह की सर्विसिंग, ईंधन भरने और भविष्य में अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। सार्वजनिक-निजी सहयोग द्वारा समर्थित यह ऐतिहासिक मिशन, अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते नेतृत्व की पुष्टि करता है तथा वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अधिक अंतरग्रहीय और वाणिज्यिक उपक्रमों के लिए उसे तैयार करता है। इसके अलावा इस मिशन के लिए इस्तेमाल की गई अत्याधुनिक तकनीक अंतरिक्ष अन्वेषण में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। स्पैडेक्स परियोजना न केवल भारत के मौजूदा अंतरिक्ष अन्वेषण लक्ष्यों के लिए बल्कि समग्र रूप से अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्त्वपूर्ण कदम बन गई है। इस मिशन से मिले सबक वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में गूंजेंगे और भविष्य के सहयोग को प्रेरित करेंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

मैं बालासाहेब ठाकरे जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जन कल्याण और महाराष्ट्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें व्यापक रूप से सम्मान और याद किया जाता है। जब बात अपनी मूल मान्यताओं की आती थी तो वह समझौता नहीं करते थे और हमेशा भारतीय संस्कृति के गौरव को बढ़ाने में योगदान देते थे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

महाराष्ट्र के जलगांव में हुए भीषण ट्रेन हादसे में कई लोगों के मौत और कईयों के घायल होने की खबर बेहद दुखद और व्यथित करने वाली है। शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं। सरकार और प्रशासन सुनिश्चित करे कि घायलों का बेहतर से बेहतर इलाज हो। कांग्रेस कार्यकताओं से अनुरोध करता हूं कि राहत और बचाव कार्यों में प्रशासन की मदद करें। आग लगने की अफवाह कैसे फैली और इतना भीषण हादसा कैसे हुआ इसकी त्वरित जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख़्त से सख़्त सजा मिलनी चाहिए।

(लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अवैध बांग्लादेशियों पर जल्द लेना होगा फैसला

नए वर्ष के प्रारंभ में कोलकाता से आई खबरों के अनुसार मालदा, उत्तर 24 परगना और नादिया जिले से घुसपैठ की कोशिश कर रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को पकड़कर वापस भेजा गया। तब बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया था कि घुसपैठ करने वालों से पूछताछ में पता चला कि ज्यादातर हाउसकीपिंग और मजदूरी के लिए मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद जाने की फिराक में थे। बांग्लादेश से केवल बंगाल के रास्ते ही घुसपैठ नहीं होती। घुसपैठ के रास्ते त्रिपुरा, असम और मेघालय भी हैं। पता नहीं अभिनेता सैफ अली खान को चाकू मारकर घायल करने वाला मोहम्मद शरीफुल इस्लाम किस रास्ते भारत में घुसा, लेकिन मुंबई पुलिस ने इसकी पुष्टि कर दी है कि वह बांग्लादेशी ही है। वह करीब छह-सात माह पहले चोरी-छिपे भारत आया था। सैफ अली खान के घर में घुसकर उन पर हमला करने के कुछ दिन पहले तक वह थाणे और वर्ली में हाउसकीपिंग का काम करता था। इसका मतलब है कि बीएसएफ प्रवक्ता बिल्कुल सही कह रहे थे कि घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी मजदूरी और हाउसकीपिंग का काम करने के लिए भारत आ रहे हैं। इन घुसपैठियों में शरीफुल इस्लाम जैसे अपराधी प्रवृत्ति के लोग भी हो सकते हैं और वे भी, जो आतंकी संगठनों से जुड़े हैं। चिंताजनक केवल यह नहीं है कि बांग्लादेश से घुसपैठ करने वाले फर्जी नाम और पहचान पत्र हासिल कर देश के विभिन्न हिस्सों में और यहां तक कि बंगाल और असम से दूर दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद तक में अपना ठिकाना बना लेते हैं, बल्कि यह भी है कि उनकी पहचान और पकड़ मुश्किल से हो पाती है। इससे भी मुश्किल होता है उन्हें वापस भेजना। एक समस्या यह भी है कि ज्यादातर राजनीतिक दल और उनकी राज्य सरकारें अवैध तरीके से बांग्लादेश से आए लोगों को निकालने की कभी चिंता नहीं करतीं। उलटे वे हर ऐसी कोशिश का विरोध करती हैं। पता नहीं क्यों अधिकतर राजनीतिक दल यह माने बैठे हैं कि यदि अवैध बांग्लादेशियों को निकालने की पहल की गई तो भारत के मुस्लिम नाराज हो जाएंगे और इससे उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान होगा। अभी जब दिल्ली में बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान का अभियान चला तो कई दलों ने किंतु-परंतु के साथ यही कहने की कोशिश की कि यह केवल चुनावी स्टंट है। यह तय मानिए कि यदि सैफ अली खान पर हमले के बाद महाराष्ट्र सरकार की ओर से बांग्लादेशियों को निकालने की पहल की जाती है, तो उसका किसी न किसी बहाने विरोध होगा। यह इसके बाद भी होगा कि मुंबई में अवैध बांग्लादेशियों की अच्छी-खासी संख्या होने का अंदेशा है। सैफ अली खान का हमलावर मुंबई में वर्ली के जिस इलाके में रहता था, वहां के लोगों की शिकायत है कि उनके यहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशी रह रहे हैं और वे उनकी सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। यहां के लोगों ने कुछ दिनों पहले अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एक रैली भी निकाली थी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से अवैध बांग्लादेशियों को निकालने के अभियान की सफलता के बारे में कुछ कहना कठिन है, क्योंकि दिल्ली से लेकर मुंबई तक ऐसे अभियान कई बार चलाए गए, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहा। ऐसा नतीजा इसलिए रहा, क्योंकि अवैध बांग्लादेशियों को निकालना न तो राष्ट्रीय प्रतिबद्धता बन पाया और न ही राष्ट्रहित का विषय। 1998 में जब केंद्र में वाजपेयी सरकार थी और महाराष्ट्र में शिवसेना-भाजपा की तो महाराष्ट्र पुलिस ने अवैध बांग्लादेशियों को निकालने का अभियान छेड़ा था। इस अभियान पर बंगाल की वाम मोर्चा सरकार ने यह कहते हुए आसमान सिर पर उठा लिया था कि बांग्लादेशियों के नाम पर बंगाल के लोगों को मुंबई से बाहर किया जा रहा है। उस समय यानी आज से 27 बरस पहले विभिन्न स्रोतों के आधार पर यह बताया जा रहा था कि देश में करीब एक करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। आज उनकी संख्या कितनी होगी, किसी को पता नहीं, क्योंकि बांग्लादेश से घुसपैठ तो कभी थमी नहीं।

आर्थिक आंकड़े

कोविड-19 महामारी के बाद से केंद्र आर्थिक सेहतमंदी को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय का इस्तेमाल कर रहा है। मंत्र यह है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण से सीमेंट एवं स्टील जैसे उत्पादों की मांग बढ़ेगी, निर्माण क्षेत्र में नौकरियां सृजित होंगी और साथ में अर्थव्यवस्था पर एक मजबूत गुणक प्रभाव पड़ेगा, जिससे अंततः निजी निवेशकों के लिए ग्रीनफील्ड व ब्राउनफील्ड परियोजनाओं की योजना बनाने के वास्ते अनुकूल हालात पैदा होंगे। बजट 2024-25 में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सरकार अन्य प्राथमिकताओं और राजकोषीय समेकन की अनिवार्यताओं के साथ अगले पांच वर्षों के दौरान बुनियादी ढांचे के लिए मजबूत राजकोषीय समर्थन बनाए रखने का प्रयास करेगी। उन्होंने इस साल 11.11 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का एलान किया, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 फीसद है। आंशिक रूप से चुनाव प्रभावित पहली तिमाही में खर्च पर अंकुश के चलते यह लक्ष्य हासिल होने की संभावना नहीं है। उद्योग जगत ने जहां केंद्र से 2025-26 के दौरान भी पूंजीगत व्यय को जारी रखने का आग्रह किया है, वहीं वह अपने खुद के कामकाज को बढ़ाने संबंधी सरकार के निरंतर प्रोत्साहनों एवं अनुनय के अनुरूप प्रतिक्रिया करने में विफल रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल की पहली तीन तिमाहियों में से दो में निजी निवेश की योजनाओं, विशेषकर घरेलू उद्योग द्वारा, में उल्लेखनीय रूप से क्रमिक गिरावट दर्ज की गई है। पहली तिमाही में निजी पूंजीगत व्यय की योजनाएं कई सालों के निचले स्तर पर आ गईं और जुलाई-सितंबर की तिमाही में भले ही निवेश के इरादों में सुधार दर्ज किया गया, लेकिन तीसरी तिमाही में वह तेजी खत्म हो गई। जहां प्रोजेक्ट टुडे के आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू निवेश का मूल्य दूसरी तिमाही से 1.4 फीसद कम हो गया है, वहीं सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के मुताबिक नई परियोजनाओं का मूल्य एक साल पहले के स्तर से 22 फीसद से ज्यादा गिर गया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Lives, not machines: Human cost of overwork

While Infosys founder Narayana Murthy keeps advising the young generation—the bunch of software engineers and other techno-managers—to work for 70 hours a week, Larsen and Toubro chairperson SN Subrahmanyan has begun to plead for a 90-hour workweek, including Sundays, to promote competitiveness and efficiency.

Never mind that, as far as the findings of the International Labour Organisation are concerned, India ranks 13th among the world's most overworked countries! Furthermore, 62 per cent of the Indian employees experience severe burnout—three times the global average. And this is one of the top occupational risk factors contributing significantly to disease and early death.Have these corporate bosses forgotten so early the tragic tales of the death of Anna Sebastian Perayil—a 26-year-old Ernst and Young employee in Pune — because of work-related stress? No, it is not an aberration. As the 'Healthy Work Survey' conducted by the US-based Centre for Social Epidemiology reveals, there are more than 1,20,000 deaths caused by work stress every year in the world.There are three reasons why we must resist this sort of insensitivity, or the act of reducing a human being into a mere 'resource' for enhancing the mythical 'productivity'.First, as the kind of work most of us are compelled to do for survival or economic mobility, far from being inherently fulfilling and creative, causes alienation, estrangement and existential anguish.Converse with a software engineer sitting in front of the laptop in a tiny cubicle, fulfilling the ever-expanding 'targets' and, thereby, spending sleepless nights; engage with an employee in a crowded bank, counting cash from 9 am to 5 pm without a breathing space; or, for that matter, talk to a delivery boy running like a horse to supply — quickly and instantly — what the affluent classes from their gated societies order.It is quite unlikely that they will say that they are happy with what they do. They do it because they have to survive, pay the house rent, give their medical insurance premium or send their kids to schools.In fact, asking them to work more, or to teach them the lessons of 'hard work' is the worst form of psychic violence the insensitive corporate elites can inflict on them. The fact is that most of us are psychologically wounded and feel extreme form of alienation and boredom in our workplaces.However, for these business tycoons, it seems, we are nothing but mere 'resources', to be extracted continually till we break down.Second, when these corporate elites lecture on long working hours for India's economic prosperity, they safely forget to mention that without distributive justice, the nation's prosperity will mean essentially the prosperity of the select billionaires, or a tiny section of the upwardly mobile professional class, like techno-managers, doctors in private hospitals, and real estate entrepreneurs.Thanks to an Oxfam report, we know that the top 10 per cent of Indian population holds 77 per cent of national wealth. Is it, therefore, surprising that India has 185 billionaires — the third largest in the world after the US and China? Keep your eyes open and see the manifestations of this gross inequality.

For instance, while Narayana Murthy's net worth is not less than $520 crore, the estimated total package for a fresher at Infosys is Rs 3-to-5 lakh per annum. While the Ambanis can spend Rs 5,000 crore for their son's lavish wedding, it is exceedingly difficult for a construction worker to earn more than Rs 700 per day, or a delivery boy Rs 13,000 per month.Is it because they are lazy? Or, is it because the system that the corporate elites seek to hide is inherently violent and exploitative?In this context, I must say that it is equally important for people like us — I mean middle class, university-educated professionals who are complaining against this kind of long working hours — to look at ourselves critically, accept our hypocrisy and admit that we, too, do not necessarily behave nicely, eg with the entire brigade of domestic helps. Quite often, we pressure them to work even on holidays or in festive seasons.

Budget shouldn't disappoint as economy is on an even keel

The govt still has to keep financing capital investment and infrastructure. It should give up the thought that it can step back so that the private sector can take over.

THE Union Budget looks ahead for several key pointers: signals for key sectors of industry and agriculture; public investment in foremost infrastructure sectors like electricity, roads and railways; how the fiscal scene (the government's own finances) is likely to fare during the year; and, of course, the average citizen's keenness to find out if the income tax burden will go up or down.

With inflation under control and growth going steady at 6 per cent plus, there is no serious concern over the economy and the tax collection. There are, however, some imponderables. Will we be able to keep buying Russian oil at a decent price with US sanctions being tightened?But the overarching concern and the greatest imponderable is the way in which the country and the world will cope as the planet gets hotter and extreme climate events like drought and floods keep coming. And what it will do to agriculture, from which many poor people eke out an existence.The expectation is that the fiscal deficit in the coming financial year will be pitched lower at 4.5 per cent from the likely deficit in the current fiscal of 4.8 per cent. This will bring the number in line with the medium-term fiscal goal. From this, it is clear that we are looking at a small realignment and not a serious overhaul.As against this, a sharper change will be sought and expected in capital expenditure, seeking to take it up by 12-13 per cent to Rs 11 lakh crore. This is because where the capital spending goes matters a lot to roads, highways and railways. Plus, there is an expectation that interest-free loans for capital expenditure will continue to be passed onto the states so as to raise regional infrastructure growth.Capital expenditure will be delivered because the revenue part will be expected to coast along evenly. This will be enabled by indirect taxes growing at 8.8 per cent, with the GST (goods and services tax) expected to grow by 10.5 per cent, reflecting a resilient domestic consumption.Direct tax revenue, in good part from taxes paid by companies out of their profits, will grow healthily at 11.8 per cent as the base of companies will grow, with the economy growing healthily and corporate profitability remaining stable.With the economy expected to remain on an even keel, let us examine what individual industries have mentioned in their wish lists as they have met government representatives so as to build a castle firmly anchored in the ground and not in the air.Technology moves forward with funding and incentives for research and development (R&D). The tech sector, which is rolling in money, still seeks government support as hugely important new sectors are emerging, like artificial intelligence, block chain and quantum computing. These can transform daily life as well as businesses and enable future growth.Right behind is the healthcare sector, without whose robustness the people will not be

healthy or be able to provide the skills that will be the sinews of technology. And the way to begin is at the bottom, with rural healthcare facilities. These will have to be revolutionised by telemedicine, which will deliver better care at controlled costs.If we jump to the top of the sector, the aspects we see before us are pharmaceuticals and medical equipment. India is already the global leader in affordable medicines, which have to go up the ladder as new chemicals or molecules are invented all over the world. These must be made in India and these will have to be offered at the village level itself, through prescriptions generated by telemedicine. And there will have to be cameras and scanners to capture the images which will have to be generated. This will need the government to help out.To transform countryside education, it must go hand in hand with healthcare. Students of high schools and colleges should be able to access the digital knowledge world and download e-books so that the age of the photocopier is left far behind. The government must to develop the IT backbone and take it to villages so that youngsters can use their smartphones, which will have to work as mini libraries. And, of course, the smartphones will perform with signals from towers or satellites.The need for power and signals for smartphones brings us back to infrastructure. Along with power, the villages will need roads, which must lead to highways and railway lines so that youngsters can easily go to coaching schools to prepare for competitive examinations and those who do well can go and live in towns where better jobs are offered.In sum, the government still has to keep financing capital investment and infrastructure. It should give up the thought that it can step back so that the private sector can take over. Here, the Budget will have a critical role to play.In the old days, the Budget presentation, through which the country came to know about it, was overblown. The country stopped to pause to hear or see the Finance Minister through radio or TV and the media spent endless hours trying to highlight a few aspects of the Budget. This gave the minister a chance to do a good bit of grandstanding.Today, the Budget papers are released online, allowing the media, analysts and corporates to pore over the numbers quickly to come to their conclusions.

But some of the mystique still remains, particularly for the layman, who wants to know whether he will have to pay more or fewer taxes and turns to the tax accountant to find out if his tax bill will go up or not. The layman forgets that since the time when Manmohan Singh, as Finance Minister, transformed the economy, incomes tax rates for individuals have gone down. But the layman does not notice it as he sees his tax bill going up and forgets that his income has gone up much more.What he also does not notice is that the present dispensation has introduced the revolutionary GST regime, which has lowered taxes that consumers have to pay through sales tax and excise duty; he thinks he is paying a lot more as GST, when, in fact, he is consuming a lot more.

Letdown for Abhaya

CBI must dig deeper into rape-murder case

LESS than six months after a doctor's horrifying rape-murder at a state-run hospital in Kolkata sparked a nationwide outrage, a district and sessions court has sentenced convict Sanjoy Roy to life imprisonment until death. Justifying his decision to reject the CBI's demand for the death penalty, the judge has observed that the crime did not fall in the "rarest of the rare" category. The verdict has been given the thumbs-down not only by the victim's parents but also by the ruling Trinamool Congress and its main political rival in West Bengal, the BJP. It's obvious that the last word on this case has not yet been said or written.Perhaps no other crime has evoked so much anger and revulsion across the country since the Nirbhaya gangrape-murder of December 2012. A doctor duty-bound to save the life of every patient entrusted to her care was sexually assaulted and killed; it was undoubtedly an act of bone-chilling brutality.

Circumstantial evidence seems to have proved Roy's guilt beyond any doubt. Thus, it's baffling that the Abhaya case was not regarded as the "rarest of the rare". The controversial judgment has left several questions unanswered: Was this really a 'lone wolf' incident? If not, who were the convict's accomplices and what was their role in the crime? Has the CBI thoroughly probed all aspects of the case? And what about the lapses on the part of the hospital authorities?

Even as the CBI must get to the bottom of the matter, the unsavoury political slanging match should be avoided. Chief Minister Mamata Banerjee has claimed that had the case been handled by the Kolkata Police, the death penalty would have been a certainty. The BJP, in its turn, has demanded an investigation into the alleged role of then Kolkata Commissioner and the CM in the destruction of vital evidence. This is an unfortunate turn of events. One thing is clear: Abhaya deserves nothing less than complete justice. This must be ensured for the sake of every daughter of the nation.

Empower CAPFs with designated roles for a safer India

The CAPFs must have their own integral cadres, like the Coast Guard. The army, too, should yield control of the Assam Rifles.

The spurt in terrorist incidents in Rajouri-Doda-Kathua last year was blamed on gaps in the security grid caused due to pulling out of the army division for the more pressing task of beefing up deployment to combat the Chinese build-up on the northern border. Even after this much-belated rebalancing, described as RB-1.0, we have just around 30 per cent force level deployed against China, our main adversary on the northern borders. Out of the balance, 30-40 per cent is deployed to combat the proxy war in J&K.

Notwithstanding the recent agreement on the restoration of patrolling in Depsang and Demchok, it is imperative to maintain vigil and enhance the deployment levels. The army is reportedly working on RB-2.0. The critical determinant for such rebalancing is whether the designated forces — the Central Armed Police Forces (CAPFs) and police — would rise to the challenge and free the army for addressing the primary challenge.The CAPFs, with around 10,45,750 personnel, comprise seven formidable forces for maintaining law and order, internal security (IS) and counter-insurgency (CI) and protecting the borders. They can be broadly grouped as per their functions.The Central Industrial Security Force (CISF) is meant for industrial and airport security. The Ministry of Railways also has a 75,000-strong Railway Protection Force (RPF). The question is whether the overburdened Ministry of Home Affairs (MHA) should give control of the CISF to the designated ministries of aviation and industry, like the RPF.The Central Reserve Police Force (CRPF) is mandated to beef up the state police forces for maintaining law and order and internal security. It was created as a reserve to the state police forces. Besides the regular constabulary, most states have around 10 armed police battalions, funded by the Central government, with a shared understanding on their deployment. These are also referred to as the Rapid Action Force (RAF).Then, there are the Border Security Force (BSF), the Indo-Tibet Border Police (ITBP), the Sashastra Seema Bal (SSB) and the Assam Rifles (AR). Their mandate is border management (BM).The Kargil Review Committee in 1991 had enunciated the principle of 'one border, one force' for border management and it recommended that the CRPF be dedicated for internal security. Consequently, rationalisation was attempted: the BSF for Pakistan and Bangladesh, the ITBP for China, the SSB for Nepal and Bhutan and the AR for Myanmar.

Each border has its own challenges. There is the problem of narcotics delivery by drones in Punjab, cattle and human trafficking on the Bangladesh border and terrorist intrusions in J&K.The Pakistan border is properly fenced in the International Border (IB) sector and has a modified fencing along the Line of Control (LoC). The Bangladesh border is approximately 80 per cent fenced, but it has treacherous riverine and jungle stretches. Except for the 60-odd km out of 1,643 km, the border with Nepal, Bhutan, Tibet — the Line of Actual Control (LAC) — and Myanmar is unfenced.Border management has two categories: border guarding or patrolling on settled borders and border defence on active frontiers (LoC and LAC), where the BSF and ITBP work in supportive role with the army.

The Assam Rifles is dual-tasked for the Myanmar border and the counter-insurgency role in the NE. It is paramilitary in nature as the officer cadre is from the army on a deputation basis.The challenges of managing internal security and counter-insurgency are such that battalions of the CRPF, BSF, ITBP, SSB and AR are deployed in Manipur, reflecting the fire-brigade response of mustering whatever and whoever is available.

The force mix in J&K is similar, though the Rashtriya Rifles (RR), CRPF and J&K Police have become the main components. However, the recent induction of Assam Rifles units in J&K is indicative of the fire-fighting approach. The reputation of the AR — the

original mainstay of North-East — has been tarnished in Manipur. It is not only unfortunate but also shortsighted. If there are black sheep in a force, fix them by all accounts, but why trash the 189-year-old legacy?The National Security Guard (NSG) or Black Cat Commandos are on the other end of the spectrum. They do specialised counter-terrorism work, including hostage rescue.The combined strength of the CAPFs and the armed police battalions matches that of the army in numbers. They also enjoy similar benefits in pay and perks and wear a similar uniform. They have recently even created similar sounding HQs, like the Command HQ, further adding to confusion.The first and foremost requirement is empowerment of the CAPFs for their designated roles. It is predicated on the implementation of the police reforms recommended by the Prakash Singh Committee. They have been duly reiterated by the Supreme Court.While the states have not implemented the suggested reforms, the Union government can set the pace for empowering the CAPFs and police in states ruled by NDA governments.Next, the CAPFs have roles that require specialisation and force ethos. The use of the CAPFs as a cadre management avenue for senior ranks in the IPS needs to be reviewed. Para-dropping in CAPFs at apex ranks and shifting of DGs degrade cadre cohesion. The CAPFs must have their own integral cadres, like the Coast Guard. The army, too, should yield control of the Assam Rifles.

Regarding the border defence role, the BSF on the LoC and the ITBP on the LAC should operate under the undiluted operational control of the army.

Additionally, the large-scale deployment of the CAPFs for elections has impacted their availability for other mandated tasks. The electoral process should be made less dependent on the CAPFs, with the police and Home Guards shouldering the challenge.

The influx of infiltrators as an electoral issue has resulted in the counter-accusation that border management is ineffective and porous.

Sensex, Nifty start on a weak note; HUL falls 3% in early trade

New Delhi. The stock market opened lower on Thursday as consumer goods, banking and energy sector stocks dragged the benchmark indices down despite IT stocks continuing to provide support and gaining in early trade.The S&P BSE Sensex declined 81.66 points to 76,323.33, while the NSE Nifty50 was down by 17.55 points to 23,137.80 as of 9:32 AM.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that largecap financials, IT and pharma can continue to support the market on declines."There are two trends in the market that deserve attention. One, institutional activity is showing a consistent trend - sustained selling by FIIs and sustained buying by DIIs. Two, there is a trend towards quality - largecaps are resilient while the broader market is weakening. These two trends are likely to continue in the near-term. Since the dollar index and US bond yields remain high, FIIs are unlikely to turn buyers any time soon. This will cap a rally in the market even though the market is in an oversold zone," he added.

Ten years of underinvestment': Germany's crisis-hit economy casts shadow over election

LUDENSCHEID. Auto industry jobs have long been the lifeblood of the German town of Luedenscheid but now, a trade union official says, the sector's woes have sparked fears it will turn into an "open-air industrial museum."Insolvencies and layoffs have cast doubt on the town's future prosperity, echoing wider anxieties in Europe's biggest economy as it heads toward February 23 elections.Politicians are scrambling for answers on how to turn around the export-led economy, long the envy of the world, which has shrunk for the past two years and faces strong headwinds from China and the United States.

In Luedenscheid, a town of 70,000 in Germany's Ruhr industrial heartland, the mood is glum after autoparts-maker Gerhardi filed for bankruptcy in November, threatening its 1,500 employees with redundancy.Another supplier, Kostal, which makes electronic components, has already relocated hundreds of jobs to eastern Europe, and the future is uncertain for those who remain."I'm too young to retire but too old to find another job," said Petra Baensch, 60, who has worked for 20 years as a quality control technician at the firm. "It's a terrifying situation."The IG Metall union's local representative Fabien Ferber said that the region's industry "has been promising prosperity to workers for generations" but that this is "collapsing like a house of cards."He said last year about 1,000 jobs were lost among the region's car suppliers, which make everything from electronic widgets to plastic body parts.Ferber said many workers fear the town could be "transformed into the world's largest open-air industrial museum."Old model not working'

Some have voiced similar concerns about the wider German economy, rattling off long lists of both cyclical and structural problems.

Sebi moots mini SIPs at Rs 250 a month

MUMBAI. Seeking to increase financial inclusion among the under-served sections and inculcate the habit of systematic saving, capital markets regulator Sebi has proposed that fund houses launch sachet-sized systematic investment plans (SIPs) starting Rs 250.These small-ticket SIPs would be offered at lower costs but the discounted rates would apply only for three plans per investor.

According to Sebi's consultation paper, released on Wednesday, the scheme is to help small investors who are new to the mutual fund industry. Therefore, existing investors and those who opt for

large SIPs would be excluded.The proposal caps annual investment at Rs 50,000 per investor, per mutual fund, without PAN. However, Aadhaar verification is mandatory.Investors are expected to make a commitment for five years (60 instalments), though there will be no restriction on closing the plan early.The paper also suggests ways to help the asset management companies (AMCs) to recover the additional costs they incur by subsidizing these sachet-sized SIPs. It says the AMCs can be compensated from the investor education and awareness fund maintained by the mutual fund industry. Sebi estimates that AMCs will be able to break even within two years.

Trump's tariff threat: India eyes lower tariffs, higher imports, says report

The government is considering options such as reducing tariffs, trade deals, and importing more goods from the US to negate the tariff threat if it becomes a reality.

New Delhi. Donald Trump's tariff threat has been the talk of the town ever since his campaign days. Now that Trump has been sworn in as the 47th US President, governments across the world are on the lookout for ways to deal with the tariff threat.The Indian government is considering options such as reducing tariffs, trade deals, and importing more goods from the US to negate the tariff threat if it becomes a reality, reported Bloomberg.The government is evaluating options to counter any trade actions a new US administration may take and officials have drawn out multiple scenarios to address a potential widening of India's $35.3 billion trade surplus with the US, as per sources cited in the report.

Among the possibilities are boosting purchases of US whiskey, steel, and oil, as well as lowering tariffs on products like bourbon and pecan nuts.India was the US's largest trading partner last financial year, data from India's commerce ministry shows.The government is planning to reduce duties on the goods that are imported to India which are of political importance to the Republican Party, said the report citing one of the sources.The government is looking to avoid any direct confrontation with the US while also positioning itself to capitalise on any opportunities arising from the US-China trade war.Bloomberg had earlier reported that the PM Modi-led government is planning to take back at least 18,000 illegal Indian immigrants from the US as a strategy to help pacify the Trump tariff threat.India has always been open to the legitimate return of undocumented Indians to their country, External Affairs Minister S Jaishankar said on Wednesday, noting that New Delhi is still in the process of verifying those from the US who can be deported to India and the number of such individuals cannot be determined yet.

"As a government, we are obviously very much supportive of legal mobility because we do believe in a global workplace. We want Indian talent and Indian skills to have the maximum opportunity at the global level. At the same time, we are also very firmly opposed to illegal mobility and illegal migration," Jaishankar told a group of Indian reporters in the US.

The minister was responding to a query on news reports that India is working with the Trump administration for the deportation of some 1,80,000 Indians in the US who are either undocumented, or have overstayed their visas.

Perplexity AI CEO calls Nandan Nilekani 'awesome' but his AI stance 'wrong'

New Delhi Perplexity AI CEO and co-founder Aravind Srinivas recently shared a post on social media platform X, saying he does not agree with Infosys co-founder and entrepreneur Nandan Nilekani regarding the approach Indian startups must take in artificial intelligence (AI) development.Srinivas called Nilekani "awesome" for his contributions, such as co-founding Infosys and playing a key role in the development of the United Payments Interface (UPI). However, he has called Nilekani's stance on AI development in India "wrong".In a post on X, Aravind Srinivas wrote: "To be clear: Nandan Nilekhani is awesome, and he's done far more for India than any of us can imagine through Infosys, UPI, etc. But he's wrong ihttps://x.com/AravSrinivas/status/1881978296675762632n pushing Indians It may be noted that last year, Nandan Nilekani advised Indians to avoid creating LLMs and focus more on building practical AI applications.

Srinivas even went on to say that he is

ready to invest $1 million personally for AI development in India.

"I am ready to invest a $1 million personally and 5 hours/week of my time into the most qualified group of people that can do this right now for making India great again in the context of AI," he said."Consider this as a commitment that cannot be backtracked. The team has to be cracked and obsessed like DeepSeek team and has to open source the models with MIT license," he added.to ignore model training skills and just focus on building on top of existing models. Essential to do both."Earlier, Srinivas had said, "Re India training its foundation models debate: I feel like India fell into the same trap I did while running Perplexity. Thinking models are going to cost a s*** ton of money to train. But India must show the world that it's capable of ISRO-like feet for AI.Moreover, he said, "So, I hope India changes its stance from wanting to reuse models from open-source and instead trying to build muscle to train their models that are not just good for Indian languages but are globally competitive on all benchmarks."

Stallion India share price: Stock lists at 33% premium over IPO price

New Delhi Stallion India Fluorochemicals Limited made a strong debut on the stock exchanges on Thursday, listing at a premium of over 30% over its IPO price of Rs 90.Stallion India shares opened at Rs 120 on both the National Stock Exchange (NSE) and the Bombay Stock Exchange (BSE), translating to a premium of 33%.

"Trading Members of the Exchange are hereby informed that effective from January 23, 2025, the equity shares of Stallion India Fluorochemicals Ltd (Scrip Code: 544342) are listed and admitted to dealings on the Exchange in the list of "T" Group Securities. For further details please refer to the notice no. 20250122- dated January 22, 2025," Stallion India Fluorochemicals Limited said in an exchange filing.The IPO got an overall subscription of 188.32 times. The bidding was led by the NII category, which subscribed the IPO 422.35 times. QIB category saw bids of 172.93 times while the retails section was booked 96.81 times for Stallion India IPO.Stallion India IPO opened for subscription on January 16 and closed for bidding on January 20 and aimed to raise Rs 199.45 crore.Allotment for the IPO was finalised on January 21, 2025.

SHOULD YOU HOLD OR SELL?

Stallion India Fluorochemicals Limited is engaged in the business of selling Refrigerant and Industrial Gases and related products.The company's primary business includes debulking, blending and processing refrigerant/industrial gases, and selling pre-filled cans and small cylinders/ containers."The company has strong market recognition, and it has a track record of strong financial performance. The company made a good stock market debut, listing for Rs. 120 per share, a significant 33% premium over its issue price of Rs. 90. Those who took part in the initial public offering (IPO) may book profit and hold with a stoploss of 105," said Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart Ltd.

India least vulnerable but Trump unpredictable person: Martin Wolf on tariff threat

New Delhi Martin Wolf, Chief Economic Commentator at the Financial Times said that India is the least vulnerable of all the countries when it comes to Donald Trump's tariff threat.Speaking to India Today News Director Rahul Kanwal on the sidelines of the World Economic Forum in Davos, Wolf shared that Trump is an unpredictable person."I think that of the countries that are vulnerable to Trump, major countries, India is the least vulnerable. So there I'm with you. But Trump is an unpredictable person. He could be the best buddy of yours one day, and you're out the following day," said Wolf.He further talked about how India remains to gain from the Trump administration as, by and large the new US President is expected to not have good terms with China."It's pretty clear that the general orientation will be

hostility to China, and that's an opportunity that the Indian government and India can still exploit," said Wolf.However, he also suggested caution in trying to leverage the 'China Plus One' opportunity and said, "Though perhaps the Indian government should think about how successful can we afford to be, because maybe Mr Trump at some stage will turn on us."Talking about the tariff threat and the attempt of Trump to weaken the BRICS, he said that the new US President does not like the growing power of the BRICS nations."He sees the BRICS as a vehicle for Russian and bubble Chinese power and influence. And the more they coordinate because they're big together, the more it weakens the American position. So he wants to fragment these, and I think he'll work quite hard to fragment them, to fracture them," said Wolf.The economic expert also suggested that Trump might offer India a deal in his attempt to weaken the BRICS."For India, there are things to think of in both sides. You want to be in every important place. So India might decide, and you might do something different. I can imagine Trump going to India. Say, let's do a great deal together. You leave the BRICS," said Wolf.

China moves to boost languishing markets by ordering funds to invest more in shares

Officials told reporters in Beijing on Thursday that beginning this year mutual funds should increase holdings of onshore stocks, called A-shares, by at least 10% a year over the next three years.

BANGKOK. The Chinese government is trying to encourage people to spend more by ensuring that share prices will rise, ordering pensions and mutual funds to invest more in domestic stocks to help jolt its languid markets out of the doldrums.Officials told reporters in Beijing on Thursday that beginning this year mutual funds should increase holdings of onshore stocks, called A-shares, by at least 10% a year over the next three years.Commercial insurance funds will have to put 30% of their annual new premium revenue into share markets beginning this year, they said.

"This means that at least several hundred billion yuan of long-term funds will be added to A-shares every year," said Wu Qing, chairman of the China Securities Regulatory Commission.The announcement followed a meeting of top financial officials including ministries in charge of pensions and the central bank."Implementing the plan's various measures will further enhance the equity allocation capacity of medium- and long-term funds, steadily expand the scale of investment, improve the supply and structure of funds in the capital market, and consolidate good conditions for the capital market's recovery," Wu said.The ruling Communist Party announced this move just ahead of China's biggest holiday of the year, the Lunar New Year, which begins on Wednesday, Jan. 29. It's a time when families tend to splash out on food and travel and little red packets of money for children and young adults, a time of wishes for good fortune.Markets in Hong Kong and Shanghai rose early Thursday after the announcement, with the Shanghai Composite index gaining 1.4%. The Hang Seng in Hong Kong, a market linked to limited trading by mainland Chinese investors, shed early gains, edging 0.1% lower.China's share markets are huge but they hit their peak value before the 2008 global financial crisis and have meandered well below that level since. A lack of gains in share prices, along with falling housing prices, has discouraged Chinese families from spending, slowing consumer demand and economic growth.So far, the government's efforts

to get people to spend more and save less have had mixed success. An initiative to promote purchases of energy efficient vehicles and appliances by paying subsidies to people who turn in their old versions of such items has boosted sales of such products. But share prices had traded stubbornly within a narrow range after a brief-lived rally late last year.Wu said pension funds will be required to revamp how they assess their performance and companies will be encouraged to conduct more share buybacks and pay higher dividends to give shareholders better returns."This is a very important institutional breakthrough for the entry of medium- and long-term funds into the market. It can be said that it has solved a problem that has been unsolved for many years," he added.Sell-offs by major shareholders and high market volatility have handicapped the Chinese markets, Lei Meng, a China equity strategist at UBS Securities, said in a commentary Thursday.So, "the willingness of long-term investors to participate in the stock market has dwindled," Lei said. "The proposal of market value management reform directly addresses this issue because it is directly related to investors' sense of gain."But such moves have often failed in the past, since they attempt to override prevailing market sentiment by fiat."As we've seen in the past, such efforts can be likened to attempting to kindle a fire with damp wood — often proving ineffective and short-lived," Stephen Innes of SPI Asset Management said in a commentary.

Ahead of Republic Day, SFJ sends 'threat' e-mails to Delhi schools: 'stay home, stay safe'

A senior police officer said the authenticity of the emails sent to Delhi school about Republic Day is being verified.

New Delhi. Four days ahead of Republic Day, several schools across Delhi received an email allegedly from the banned pro-Khalistan group, Sikhs for Justice (SFJ), urging them to suspend participation in Republic Day celebrations.

In a "direct and urgent directive" email allegedly sent by the group, it said, "SFJ is taking decisive action to prevent President Murmu from unfurling the Tiranga as a protest against the Indian Constitution, which erases identity and perpetuates systemic oppression."

Further mentioning "the high risk of violence and state retaliation", the email sender instructed Delhi's schools to suspend participation in the Republic Day celebration and refrain from sending "students or staff to any R-Day events."

"Ensure families are informed to keep their children at home on January 26. Participation in Republic Day events poses a grave threat to the safety of students and staff. It is your responsibility to prioritise their well-being on symbolic involvement in state-sponsored celebrations. Delhi has been warned. Stay Home, Stay Safe," the email read.A senior police officer said while the authenticity of the emails is being verified, the Delhi Police are investigating the matter to find the source. "We are on high alert for any potential disturbances surrounding Republic Day festivities," the officer added.

The Indian Express contacted the Delhi Police spokesperson for comment and is awaiting a response.Earlier this month, the Delhi Police apprehended a 16-year-old student of a private school who was reportedly connected to a group which had allegedly been sending bomb threats via email to several schools for many months.

Madhup Tewari, Special Commissioner of Police (Law and Order), said on January 14, "From February 12 last year, a series of mails were sent to various schools.

The juvenile had sent around 400 mails and was involved in the case wherein 250 schools received the mail on the same day in May. The motive is unclear as mails were also sent on days when there was no examination in the schools."

Navy gears up for 76th Republic Day parade, women Agniveers to debut with band

The Navy's marching contingent will comprise 144 young personnel including officers and sailors, representing a "Mini India" with personnel from 17 states and Union Territories.

New Delhi. Just four days before the 76th Republic Day, the Navy showcased its meticulous preparations for the mega parade, reflecting a blend of discipline, diversity, and dedication under the leadership of Lieutenant Commander Sahil Ahluwalia.The contingent is offering a glimpse into the Navy's pivotal role in safeguarding the nation's maritime interests.

A MINI INDIA IN UNIFORM

The Navy's marching contingent will comprise 144 young personnel including officers and sailors, representing a "Mini India" with personnel from 17 states and Union Territories.

With an average age of just 25 years, these personnel have undergone two months of rigorous training to perfect their performance for the grand parade. The contingent is poised to highlight the Navy's commitment to excellence and unity in diversity.

NAVAL POWER ON DISPLAY THROUGH TABLEAU

This year's Navy tableau is a vivid representation of India's maritime prowess and its pivotal role in the nation's progress and prosperity. It will feature INS Surat, INS Nilgiri and INS Vaghsheer, the latest addition to India's fleet, showcasing indigenous advancements in warship, frigates and submarine construction.

The tableau underscores the Navy's multidimensional capabilities, which are instrumental in shaping India's maritime future.

A FIRST FOR THE NAVY BAND

Adding a historic feather to this year's parade, the Navy band will include six women musicians, who are Agniveers, for the first time, breaking traditional barriers. The band, comprising 80 musicians, will perform synchronised compositions, symbolising harmony and professionalism.

The Navy's Republic Day presentation not only highlights its operational strength and technological advancements but also its commitment to inclusivity and innovation.

Revamped building to more manpower: Panel's advice ahead of change of guard at Lampur Detention Centre

New Delhi. A Revamped building, training jail staff, coordination with security personnel, use of technology, an increase in manpower, and a better drainage system: These are some of the recommendations made by a committee formed by the Home Department to oversee the change of guard at the Lampur Detention Centre in Delhi's Narela, it is learnt.The committee was formed after the Ministry of Home Affairs asked the Home Department to take charge of the detention centre and bring it under the prison administration.

The six-member committee was formed in the third week of December after which multiple visits were made to the detention centre to oversee the issues for a better understanding. The recommendations were submitted to the Home Department on Monday. In December, the MHA had suggested that the overall charge of the detention centre should be given to the Home Department under which the prisons in Delhi also fall. The reason behind the move was the similarity in the nature of work and a more streamlined approach.

Currently, the Lampur Detention Centre is run by the Social Welfare Department of the Delhi government, along with other agencies such as the Foreigners Regional Registration Office (FRRO) and the Central Reserve Paramilitary Force (CRPF), which is in charge of the security of the premises. Once the Home Department decides on the recommendations, the process to officially handover the charge of the detention centre to the prison administration will begin. Senior officials said it will be decided in the coming months if the handover will begin first, or the execution of the recommendations.

"We made some recommendations about the state of the building, allocation of funds, and training of officials since our men are trained as per Delhi Prison rules and for prisoners. The sewers are choked and the drainage system needs to be improved. Technology is another aspect that we are looking into," said an official who is part of the committee. The official added that the work would approximately take three-four months.

MF Hussain painting row: Delhi court reserves order on plea against art gallery

New Delhi. Patiala House Court on Tuesday reserved its order on an application seeking FIR against the Delhi Art Gallery and its directors for displaying two controversial paintings created by celebrated painter MF Husain on Hindu deities.

Delhi police informed the court on Tuesday that the said paintings portraying Hindu deities in a controversial manner by artist MF Husain have been seized. This was after the court had earlier directed the seizure of the paintings. In an application filed by the complainant for direction to the investigation officer (IO) to seize the paintings in question, the court had on Monday (January 20) directed him to seize the said paintings and file a report on Wednesday. On Tuesday, the court also considered the action taken report filed on behalf of the IO, the court noted that as per the report, the officer has already seized CCTV footage and the network video recorder (NVR) of the Delhi Art Gallery.

It was further stated that a list of paintings was provided by Delhi Art Gallery in which the art pieces in question are mentioned. It was maintained in the inquiry report that the exhibition was held in a private space and the said paintings were only to display the original work of authors/artists.

On December 18, the court allowed an application filed for production and preservation of CCTV footage from all the cameras installed at the exhibition gallery located at 22A, Windsor Place, Connaught Place, New Delhi.

The investigation officer was directed to preserve the CCTV footage of December 4, 2024 between noon and 01.00 pm and produce the same before the court on the same date. The complainant in the case is a lawyer, Amita Sachdeva, who had earlier, through a social media post, said that she clicked photos of offensive paintings at the Delhi Art Gallery and also filed a complaint.

Congress's Ajay Maken hits out at AAP govt for not tabling CAG reports

Addressing a press conference, Maken claimed to have access to the CAG reports that are yet to be tabled in the Delhi Assembly. "According to one CAG report, there has been a scam of Rs 382.52 crore in the health sector.

New Delhi. Congress treasurer Ajay Maken accused the Delhi government of suppressing a CAG report on the status of healthcare facilities in the city, which, he said, alleged there had been a scam of Rs 382.52 in the crucial sector.

Addressing a press conference, Maken claimed to have access to the CAG reports that are yet to be tabled in the Delhi Assembly. "According to one CAG report, there has been a scam of Rs 382.52 crore in the health sector. While (AAP chief) Arvind Kejriwal gives statements that his government completed work ahead of deadlines, and saved money, the Delhi government has built only three hospitals in 10 years, work on which was started during Congress rule. The total cost overrun was Rs 382.52 crore," Maken claimed. He claimed that CAG inspections were held in four hospitals —Lok Nayak Hospital, Chacha Nehru Children's Hospital, Rajiv Gandhi Super Speciality and Janakpuri Speciality Hospital.

Criticising the AAP government for not tabling the CAG reports for discussion in the Delhi Assembly, Maken said, "Kejriwal came to power against corruption and in the name of eradicating corruption but never allowed the 14 CAG reports detailing his and his government's corruption to be made public on the floor of the Vidhan Sabha." Maken also said the CAG report speaks about the delay of five years in the construction of the Indira Gandhi Hospital and an extra cost of Rs 314.9 crore spent in building it. The AAP, meanwhile, said the Congress was echoing the BJP's allegations. "The Congress appears to function as the BJP's auxiliary, merely echoing allegations crafted in BJP headquarters against AAP. Congress turns a blind eye to official CAG reports exposing rampant corruption in BJP-ruled states. The Congress and BJP should officially declare they are contesting elections against AAP in an alliance," the party said in a statement.

Really stabbed or acting: Maharashtra minister questions Saif Ali Khan attack

Mumbai. Maharashtra Minister Nitesh Rane questioned the attack on Bollywood actor Saif Ali Khan, asking whether the incident was genuine or if the 54-year-old actor was "just acting".

Saif Ali Khan was discharged from Mumbai's Lilavati Hospital on Tuesday, five days after the attack on him by an intruder.

Speaking during an event in Pune, Rane said, "When I saw Saif Ali Khan after he was discharged, I doubted whether he was really stabbed or just acting."

He further accused the opposition leaders of expressing concerns over an actor only when "a Khan is in trouble". He questioned why NCP (SP) leader Jitendra Awhad or Baramati MP Supriya Sule came out in support of the late Bollywood actor Sushant Singh Rajput. "Supriya Sule is worried about Saif Ali Khan, Shahrukh Khan's son and NCP leader Nawab Malik. Have you ever heard her being worried about any Hindu artist," he said.

Khan was hospitalised on January 16 after being stabbed by an intruder who had entered the actor's flat with the intention of stealing. The intruder was identified as Mohammad Shariful Islam Shehzad, a Bangladeshi national, who was arrested from Thane.

Rane said, "Earlier, Bangladeshis used to stay at the Mumbai port, but have now started entering houses as well. Maybe they had come to take him away." Notably, Shehzad entered Saif Ali Khan's house on January 16 reportedly with the intention of committing theft. However, the situation escalated when he was spotted by a house help in the room of the actor's younger son, Jeh. The staff raised an alarm, prompting Saif to confront the intruder. During the altercation, the actor was stabbed multiple times, including a serious wound near his spine. Saif was rushed to Lilavati Hospital, where doctors performed immediate surgery to take out a piece of knife lodged in his back, as well as to stop leakage of spinal fluid.

Ram Gopal Varma convicted in cheque bounce case, non-bailable warrant issued

Mumbai. A day before Bollywood film director Ram Gopal Varma announced the making of his latest venture "Syndicate" a court in Mumbai convicted and sentenced him to three months of simple imprisonment in a cheque bounce case.

The Andheri Magistrate court had scheduled the verdict in the cheque bounce case for Tuesday. It had been hearing the case for the past seven years. However, Varma remained absent from court. Thus, the Magistrate ordered the issuance of a standing non-bailable warrant (NBW) against Ram Gopal Varma for his arrest. Varma was convicted of an offence punishable under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, which penalises the dishonour of a cheque. This includes cheques that are dishonoured due to insufficient funds or that exceed the amount arranged to be paid.Varma has also been directed to pay compensation of Rs 3.72 lakh to the complainant within three months or suffer simple imprisonment for three more months.

WHAT IS THE CASE?

A case of cheque bounce was initiated by a company named Shree through one Maheshchandra Mishra in 2018. The case was against Varma's firm.

While Trump seals the wall, India grapples with illegal immigration. Here's why

Both India and the US have faced a massive challenge from illegal immigration. US President Donald Trump has taken radical measures to secure the southern border and prevent illegal immigration. This is why India has found it challenging to fence its border with Bangladesh, the source country of illegal immigrants.

New Delhi. Hours after taking over on January 20 as the 47th American President, Donald Trump imposed a national emergency on the US' southern border with Mexico. On his orders, the US has started deploying troops along the border with Mexico, which he said was meant "to repel the disastrous invasion" of the US. Trump has also vowed to conduct what would be the biggest deportation drive of illegal immigrants in American history. The American experience with illegal immigration has similarities with the challenge that India faces. However, India has been grappling with these challenges on a different scale. Its attempt to fence a part of the Indo-Bangla border was prevented by Bangladesh Border Guards (BGB) recently. Just one example would suffice to show the magnitude of the problem. A Bangladeshi illegal immigrant not only made it to India, he travelled 2,000km and broke into actor Saif Ali Khan's house, in a posh Mumbai locality. In India's case, the menace of illegal immigration primarily emanates from Bangladesh, with which it shares a 4,096-kilometre-long porous border. According to a 2016 government estimate, there are around 20 million illegal immigrants residing in India. The US has around 11.7 million illegal, undocumented residents, according to a July 2023 estimate. Trump, who made illegal immigration one of his key campaign issues, has taken this up as a priority.

The Pentagon on Wednesday said it started deploying 1,500 active duty troops on its southern border. Trump has also moved to end birthright citizenship for the children of illegal or temporary migrants who would be born in the US. The new administration has also intensified local-level raids and searches in cities with significant migrant populations, Reuters reported.The contrast in the US' action and India's situation was highlighted by strategic thinker and commentator Brahma Chellaney on X, where he pointed out, "There are more illegally settled Bangladeshis in India than illegal aliens in the US".

The scale and impact of "illegal migration of millions" into India was also flagged by Vice President Jagdeep Dhankhar on Tuesday. He identified "demographic disruption" as a serious threat to India that he said has now grown to "unmanageable dimensions".

After the August 5 ouster of Bangladesh PM Sheikh Hasina, which resulted in turmoil in the country, there has been a massive increase in attempts at illegal immigration into Assam, according to Chief Minister Himanta Biswa Sarma.

NEWS BOX

Yemen's Houthi rebels release crew of commercial vessel seized in Red Sea in November 2023

DUBAI. Yemen's Houthi rebels said Wednesday they released the crew of the Galaxy Leader, a vehicle carrier seized in November 2023 at the start of their attacks on shipping in the Red Sea corridor over the Israel-Hamas war.The move by the Iranian-backed Houthis marks their latest effort to de-escalate their attacks following a ceasefire in Gaza. It also comes as U.S. President Donald Trump likely weighs whether to reinstate a terrorism designation he made on the group that had been revoked by President Joe Biden.The rebels said they released the sailors after mediation by Oman, a sultanate on the eastern edge of the Arabian Peninsula that's long been an interlocutor with the Houthis. Oman did not immediately acknowledge the release, though an Omani Royal Air Force jet took a flight to Yemen earlier Wednesday and took off again about an hour after the Houthi announcement.The Houthis also said Hamas separately requested the release of the ship's crew of 25, who included mariners from the Philippines, Bulgaria, Romania, Ukraine and Mexico.“This step comes in support of the ceasefire agreement in Gaza,” the Houthis said in a statement on rebel-controlled SABA news agency.Vessel's link to Israeli billionaireThe Houthi rebels said they hijacked the Galaxy Leader over its connection to Israel. They then had a campaign targeting ships in international waters, which only stopped with the recent ceasefire in Israel's war on Hamas in the Gaza Strip.A representative for the Galaxy Leader's owners had no immediate comment on Wednesday.

The Bahamas-flagged vessel is affiliated with an Israeli billionaire Abraham “Rami” Ungar, who is known as one of the richest men in Israel.The Houthi attack on the Galaxy Leader saw the rebels launched a helicopter-borne raid. Propaganda footage of the raid has been played constantly by the Houthis, who even shot a music video aboard the ship at one point.On Monday, the Houthis signaled they now will limit their attacks in the Red Sea corridor to only Israeli-affiliated ships after a ceasefire began in the Gaza Strip, but warned wider assaults could resume if needed.However, it likely won’t be enough to encourage global firms to reenter the route that’s crucial for cargo and energy shipments moving between Asia and Europe.

Jaishankar US Visit: EAM Expresses Concern Over Attack On Indian Consulate In San Francisco, Calls It 'Very Serious Matter'

EAM Jaishankar In US. Expressing concern over the attack on the Indian consulate in San Francisco, External Affairs Minister S Jaishankar dubbed it a “very serious matter”. He said that India expects accountability for the incident and those responsible to be held accountable.While speaking at a press conference in Washington DC on Wednesday (local time), the EAM said, "The arson attack on our consulate in San Francisco is a very, very serious matter, and it is something for which we expect accountability. We would like to see that people who did it are held responsible".Futher, Jaishankar also stated that "he had a brief discussion on Bangladesh" with US Secretary of State Marco Rubio, but didn't share any further details at the presser. "We had a brief discussion on Bangladesh...I don't think it's appropriate. I get into more details," he said.Notably, the Consulate General of India in San Francisco was attacked on March 19, 2023, by a group of assailants who committed criminal trespass, damaged public property, and attacked officials of the Consulate.Before this attack, on the same day, some attackers attempted to set the Consulate building on fire by sprinkling inflammable substances early in the morning. A video surfaced on social media in which suspected pro-Khalistani protestors were seen gathering outside the Indian consulate in San Francisco, shouting slogans and heckling staff as they abandoned the diplomatic mission.

Charge South Korea's Yoon With Insurrection, Abuse Of Power: Investigators

Seoul, South Korea. South Korean investigators recommended Thursday that impeached President Yoon Suk Yeol be charged with insurrection and abuse of power, as they handed over the results of their probe into his ill-fated declaration of martial law to prosecutors.The official charges against Yoon were "leading an insurrection and abuse of power", the Corruption Investigation Office said after a 51-day probe into his December 3 attempt to suspend civilian rule.The CIO said it "decided to request the Seoul Central District Prosecutors' Office file charges against the sitting President, Yoon Suk Yeol, in connection with allegations including leading insurrection".Yoon had "conspired with the former Minister of National Defense and military commanders on December 3, 2024," it said.

The leader, currently suspended from duties, "declared martial law with the intent to exclude state authority or disrupt the constitutional order, thereby inciting riots".Under the South Korean legal system, the case file of the suspect -- identified as "Yoon Suk Yeol: president" -- will now be handed to prosecutors, who have 11 days to decide whether to charge him, which would lead to a criminal trial.The prosecutors' office has "complied with the CIO's request for a case transfer," the investigators said.Yoon was arrested in a dawn raid last week on insurrection charges, becoming the first sitting South Korean head of state to be detained in a criminal probe.

Mexican border states prepare migrant shelters as Trump begins deportation campaign

CIUDAD JUÁREZ. Mexico raised sprawling tents on the U.S. border Wednesday as it braced for President Donald Trump to fulfill his pledge to carry out mass deportations.In an empty lot tight against the border with El Paso, Texas, cranes lifted metal frames for tent shelters in Ciudad Juárez.Enrique Serrano, an official in Chihuahua state, where Ciudad Juárez is located, said the tents erected for Mexican deportees were just the initial phase of a potentially larger operation, and something authorities would scale up if the number of migrants gathering on the border continued to mount.He suggested migrants from other countries expelled from the U.S. would be relocated to Mexico City or southern regions of Mexico as they've done previously.Workers begin the installation of a temporary shelter for possible deportees from the United States, in Ciudad Juarez, Mexico, Wednesday.Nogales, Mexico — across from Nogales, Arizona — announced that it would build shelters on soccer fields and in a gymnasium. The border cities of Matamoros and Piedras Negras have launched similar efforts.At a border crossing in Tijuana, Mexico, on Tuesday night, one man shouted to journalists that he was being deported in a group that was arrested that morning in farm fields near Denver. Another man said he was in a group that had been brought from Oregon. Everyone carried their belongings in a small orange bag.Neither man's account could be independently confirmed.The number of people deported Tuesday was lower than the daily average of about 500 last year, Mexican President Claudia Sheinbaum noted at her daily press briefing. And many border shelters that have long offered refuge to migrants remained comparatively empty to the soaring levels of migrants seen just a year before.Still, heads of those migrant shelters like José María Garcia, director of the Tijuana shelter Movimiento Juventud 2000 were bracing for what could come.“Mass deportations in the United States and the arrival of thousands of migrants from the

south could overwhelm the city of Tijuana and other border cities, creating a crisis,” he said.Though quickly ramping up deportations — as Trump pledges — faces logistical and financial challenges.The Mexican government is building nine shelters in border cities to receive deportees. It has said that it would also use existing facilities in Tijuana, Ciudad Juarez and Matamoros, to take in migrants whose appointments to request asylum in the U.S. were canceled on Inauguration Day.Sheinbaum has said that Mexico will give humanitarian aid to migrants from other countries whose asylum appointments were cancelled, as well as those sent to wait in her nation under the revived policy known as Remain in Mexico. Mexico wants to eventually and voluntarily return them to their nations, she has said.Mexican Foreign Affairs Secretary Juan Ramón de la Fuente and the new U.S. Secretary of State Marco Rubio held their first telephone conversation in their new positions.“It was a very good conversation, very cordial, they talked about migration and security issues,” Sheinbaum said.After pledging to dramatically shift border and immigration policies, on Monday Trump scrapped the program known as CBP One that allowed asylum seekers to schedule appointments on their phones before arriving at the border, providing a degree of order. On Wednesday, the Pentagon announced it was sending up to 1,500 active-duty troops to the border.

Elon Musk clashes with OpenAI CEO Sam Altman over Trump-supported Stargate AI data centre project

WASHINGTON. Elon Musk and OpenAI CEO Sam Altman are publicly clashing over the Stargate artificial intelligence infrastructure project, a venture heavily promoted by President Donald Trump. The feud, rooted in a longstanding rivalry between the two tech billionaires, is now testing Musk’s influence within Trump’s administration.Trump announced the Stargate initiative on Tuesday, a joint venture involving OpenAI, Oracle, and SoftBank, with plans to invest up to $500 billion. The project aims to develop advanced AI technology through new data centers and renewable energy infrastructure, starting with an initial private investment of $100 billion. Trump described the venture as “a resounding declaration of confidence in America’s potential” under his leadership.However, Musk, a close adviser to Trump and the head of a government cost-cutting initiative, questioned the validity of the investment. “They don’t actually have the money,” Musk wrote on his social platform, X. “SoftBank has well under $10 billion secured. I have that on good authority.”Altman responded Wednesday, refuting Musk’s claims and inviting him to visit the first construction site in Texas. “This is great for the country. I realize what is great for the country isn’t always what’s optimal for your companies, but in your new role, I hope you’ll mostly put (America) first,” Altman wrote, using an American flag emoji.

The conflict stems from a years-long dispute that began during Musk and Altman’s time on OpenAI’s board. Musk, an early investor in OpenAI, sued the company last year, accusing it of abandoning its nonprofit mission to prioritize profits. He has since escalated his legal claims, seeking a court order to halt OpenAI’s transformation into a for-profit entity. A hearing is scheduled for February in a California federal court.Musk, who launched his own AI company, AI, last year, has accused OpenAI and its partner Microsoft of creating unfair competition. Microsoft has provided substantial computing resources for OpenAI’s AI systems, including ChatGPT. AI is reportedly building its own data center in Memphis, Tennessee, to compete with OpenAI’s infrastructure.Stargate has been in development for several months. Tech news outlet The Information first reported on the project in March 2024. Crusoe Energy Systems, along with energy tech firm Lancium, announced a large AI data center in Abilene, Texas, last July, powered by renewable energy sources.

The project, initially described as a multibillion-dollar investment, has now been revealed as the first phase of Stargate.Abilene Mayor Weldon Hurt said construction began about nine months ago, with the project expanding far beyond initial expectations. Oracle co-founder Larry Ellison confirmed that the Abilene facility is the first of 10 planned data centers, with the possibility of growing to 20. The region’s energy resources, including solar, wind, oil, and gas, make it an ideal location for the development.

Missing from Trump’s announcement was Microsoft, a longtime OpenAI partner that has invested billions into its AI infrastructure. Microsoft is reportedly involved in Stargate alongside Nvidia and Arm but emphasized that its OpenAI partnership is evolving to focus on research and model training.

U.S House passes immigrant detention bill that would be Trump's first law to sign

WASHINGTON. The Republican-led House on Wednesday gave its final approval to a bill that requires the detainment of unauthorised immigrants accused of theft and violent crimes, marking the first legislation that US President Donald Trump can sign as Congress, with some bipartisan support, swiftly moved in line with his plans to crackdown on illegal immigration.

Passage of the Laken Riley Act, named after a Georgia nursing student who was murdered last year by a Venezuelan man, shows just how sharply the political debate over immigration has shifted to the right following Trump's election victory.

Immigration policy has often been one of the most entrenched issues in Congress. Still, a crucial faction of 46 politically vulnerable Democrats joined with Republicans to lift the strict proposal to passage on a 263-156 vote tally."For decades, it has been almost impossible for our government to agree on solutions for the problems at our border and within our country," Senator Katie Britt, an Alabama Republican, said.

She called the legislation "perhaps the most significant immigration enforcement bill" to be passed by

Congress in nearly three decades.Still, the bill would require a massive ramp-up in US Immigration and Customs Enforcement's capabilities, but it does not include any new funding.Meanwhile, the new president has launched a slew of executive orders intended to seal off the border of Mexico to immigration and ultimately deport millions of immigrants without permanent legal status in the US.

On Wednesday, Trump also cancelled refugee resettlement while his administration signalled intentions to prosecute local law enforcement officials who do not enforce his new immigration policies.

Republican congressional leaders have made it clear they intend to follow suit, though their toughest challenge will be finding a way to approve the funding actually to implement Trump's hard-line plans."What he's doing is kick-starting what will ultimately be our legislative agenda," said House Speaker Mike Johnson.House Republicans initially passed the legislation last year with support from 37 Democrats in a move that was intended to deliver a political rebuke to then-President Joe Biden's handling of the southern border.

Trump threatens to withhold US government aid for LA if California doesn't change water policies

WASHINGTON. US President Donald Trump on Wednesday threatened to withhold federal disaster aid for wildfire-ravaged Los Angeles unless California leaders change the state's approach on its management of water.

In a Fox News interview, Trump repeated false claims that the state's fish conservation efforts in the northern part of the state are responsible for fire hydrants running dry in urban areas.

He says the blame for Los Angeles' struggles to tame some of the deadly fires lies with Democratic Gov. Gavin Newsom, a political foe who has called for partnership and mutual respect as the state fights the blazes.I don't think we should give California anything until they let the water run down," Trump said.The president leveled the threat as he prepares for the first presidential trip of his second term. On Friday, he will visit Southern California in addition to western North Carolina, which is recovering after Hurricane Helene pummeled the area more than three months ago.Trump in the interview also called for reform of the Federal Emergency Management Agency, claiming it is "getting in the way of everything.""I'd rather see the states take care of their own problems," he said. He did not elaborate on his proposed reforms, only saying that the agency is "going to be a whole big discussion very shortly."In other developments for the new administration, Trump met Wednesday with a small contingent of the most politically endangered House Republicans as the party struggles to agree on a strategy for implementing the tax cuts and other priorities that it promised voters.The meeting happened as Trump tried to advance other priorities during the first week of his second term. Roughly 160 aides at the National Security Council were sent home while it is determined whether they align with Trump's agenda. The Pentagon has begun deploying 1,500 active-duty troops to support border security efforts."The American people have been waiting for such a time as this," said Karoline Leavitt, the White House press secretary.Stephen Miller, a top Trump adviser, met with Senate Republicans to update them on plans for deportations and reinstating Title 42, a policy that was put in place during the coronavirus pandemic to stop border crossings.Although Republicans control the White House and both chambers of Congress, they have only thin majorities on Capitol Hill, and there are disagreements on how to move forward with so many issues on the table.Trump's meeting unfolded amid a series of private "listening sessions" with House Speaker Mike Johnson, whose ability to unite his conference will be sorely tested in the weeks and months ahead. Trump has held his own dinners with Republican lawmakers at Mar-a-Lago, and he's preparing to address them next week at their private retreat in Doral, Florida.

Over 50,000 under evacuation orders or warnings as wildfire imperils homes north of Los Angeles

CASTAIC, Calif. More than 50,000 people were under evacuation orders or warnings Wednesday as a huge and fast-moving wildfire swept through rugged mountains north of Los Angeles, but fire officials said a rapid ground and air assault was giving them the upper hand.The Hughes Fire broke out in the late morning and within six hours charred about 15 square miles (39 square kilometers) of trees and brush near Lake Castaic, a popular recreation area about 40 miles (64 kilometers) from the devastating Eaton and Palisades fires that are burning for a third week.Though the region was under a red flag warning, winds were not as fast as they had been when those fires broke out, allowing for firefighting aircraft to dump tens of thousands of gallons of fire retardant.“The situation that we’re in today is very different from the situation we were in 16 days ago,” Los Angeles County Fire Chief Anthony Marrone said Wednesday evening.There were no reported homes or other structures burned.“This fire had a robust response today, and as you can see behind us, the responders are doing great work to try to contain this fire," Joe Tyler, director of Cal Fire, said. “Certainly, we are not out of the woods yet.”More than 31,000 people have been ordered to evacuate, and another 23,000 are under evacuation warnings, LA County Sheriff Robert Luna said.Parts of Interstate 5 that had been closed started to reopen Wednesday evening.A 30-mile (48-kilometer) stretch of the major north-south artery had been closed for emergency vehicles, to move equipment and to prevent accidents due to smoke billowing across the freeway. Crews on the ground and in water-dropping aircraft tried to prevent the wind-driven fire from moving across the interstate and toward Castaic.Marrone said that because winds were not as strong as they were two weeks ago, aircraft crews were able to drop fire retardant on the south side of the fire, where the flames were moving, he said.Winds in the area were gusting at 42 mph (67 kph) in the afternoon but were expected to increase to 60 mph (96 kph) by later in the evening and Thursday,

the National Weather Service said on the social platform X.Kayla Amara drove to Castaic's Stonegate neighborhood to collect items from the home of a friend who had rushed to pick up her daughter at preschool. As Amara was packing the car, she learned the fire had exploded in size and decided to hose down the property.“Other people are hosing down their houses, too. I hope there's a house here to return to,” Amara said as police cars raced through the streets and flames engulfed trees on a hillside in the distance.Amara, a nurse who lives in nearby Valencia, said she's been on edge for weeks as major blazes devastated Southern California.“It’s been stressful with those other fires, but now that this one is close to home it's just super stressful,” she said.To the south, Los Angeles officials began to prepare for potential rain even as some residents were allowed to return to the charred Pacific Palisades and Altadena areas. Gusty weather was expected to last through Thursday and precipitation was possible starting Saturday, according to the National Weather Service.“Rains are in the forecast and the threat of mud and debris flow in our fire-impacted communities is real," Supervisor Kathryn Barger said during a Wednesday morning news conference.Fire crews were filling sandbags for communities while county workers installed barriers and cleared drainage pipes and basins.Red flag warnings for critical fire risk were extended through 10 a.m. Friday in LA and Ventura counties. Officials remained concerned that the Palisades and Eaton fires could break their containment lines as firefighters continue watching for hot spots.

NEWS BOX

Love new India's fearless, selfless approach in T20Is: Sanjay Manjrekar

New Delhi. Former India cricketer turned commentator Sanjay Manjrekar has praised the Indian T20I side for their fearless and selfless cricket after their dominating win over England on Wednesday, January 22. India thrashed England by seven wickets in the first T20I of the five-match series at Eden Gardens, Kolkata.The Men in Blue bundled out the visitors for 132 in 20 overs and went on to chase down the target in just 12.5 overs, putting on a belligerent display of batting. Following India's comprehensive win, Manjrekar was full of praise for the Indian side as he was left in awe of their fearless and selfless approach."Loving this from New India! No fear cricket. No fascination for individual 50s etc. Selfless cricketer always a dangerous cricketer in T20s. #INDvENGonJioStar," wrote Manjrekar on his X account.Varun Chakravarthy was adjudged Player of the Match as he spun a web around England's batting and derailed their innings in the middle overs. The wrist spinner continued his marvellous form ever since his comeback to the national side in October 2024 and got the big scalps of Jos

Buttler, Harry Brook and Liam Livingstone.

Later in the chase, openers Sanju Samson and Abhishek Sharma got the team off to a terrific start, adding 41 runs in 4.2 overs. While Samson was dismissed for 26 (20), Abhishek went on to score 79 (34) and helped India chase down the modest target in just 12.5 overs.

India's golden run in T20Is in recent times

Meanwhile, Captain Suryakumar Yadav has continued India's fearless approach to batting started by former captain Rohit Sharma during the T20I World Cup 2024. Under his leadership, the youngsters have been given full freedom to go after the opposition right from the first ball itself.

The move has worked wonders for the team as India have become the most feared side in the world since their T20 World Cup 2024 triumph. The Men in Blue have won 13 out of 16 matches so far since July 2024 and have won four series on the trot. The Suryakumar Yadav-led side will look to continue their unbeaten run in the shortest format by emerging victorious in the ongoing series as well.

ILT20: Zaman, Amir power Desert Vipers to 10-wicket victory over Sharjah Warriorz

☛The Desert Vipers attained a dominant 10-wicket win over the Sharjah Warriorz in ILT20's third season, with Mohammad Amir taking four wickets and Fakhar Zaman scoring an unbeaten 71. Zaman and Alex Hales's aggressive start led the Vipers to a comfortable chase, solidifying their top position in the rankings at Dubai International Stadium.

NEW DELHI. The Desert Vipers returned to winning ways at the third season of ILT20, outperforming the Sharjah Warriorz and winning by a commanding 10-wicket margin on Wednesday at the Dubai International Stadium.

Mohammad Amir's four-wicket haul and Fakhar Zaman's undefeated 71 helped the Desert Vipers sail to a decisive victory that solidified their top spot in the rankings.Alex Hales got the Desert Vipers off to a terrific start with a barrage of boundaries, and they wasted no time in their pursuit. Within the first two overs, the team sped to 20/0 after he hit Adam Milne for a maximum and then clobbered Tim Southee for three fours.

Also See: 2025 Champions Trophy

With some clean hitting, Zaman stepped in, taking aim at Bangladeshi pacer Junaid Siddique in his opening over. He sliced him away for a boundary after crossing the stump, and then he hit a stunning pull shot for four more.Zaman appeared to have a straightforward goal: to prevent the bowlers from settling in. He was in his rhythm. He pursued Ashton Agar and used a huge slog sweep to strike him for a huge six.The Desert Vipers scored 47 runs after five overs when the Pakistani batsman sprinted down the track for the following delivery and smashed it clean past the pitcher. The Sharjah Warriorz were 18/4 at the same point in the first innings.As the required run rate fell below three runs per over and the Desert Vipers' batters reveled in the middle, the disparity in batting became apparent. Hales was content to take a backseat while Zaman gave it his best.Using all his strength, he muscled the ball over long on and into the stands as he targeted Siddique once again in the seventh over. Shortly after, Zaman reached his second half-century of the season in 30 balls.

The Desert Vipers would eventually hunt down the target, but Zaman sped up the process by hitting Agar for six with a brilliant slog-sweep and then finishing the match with a six over long-on.

Ranji Trophy: Rohit Sharma fails on comeback after 9 years, falls cheaply vs J&K

New Delhi India captain Rohit Sharma failed on his Ranji Trophy comeback as he got dismissed cheaply against Jammu & Kashmir on Thursday, January 23 Sharad Pawar Cricket Academy BKC, Mumbai. Rohit was dismissed for 3 (19) by Umar Nazir Mir and failed to impress on his return to India's premier domestic first-class competition.

Rohit's Ranji comeback was eagerly anticipated by his fans and pundits after he confirmed his availability to play for Mumbai. However, the opening batter didn't look comfortable at all at the crease playing and missing a number of deliveries. The opening batter looked desperate to get some bat on the ball as he chased after a few wide deliveries as well.His struggling knock ended on 3 (19) as he got a leading edge while trying to pull Umar Nazir Mir and got caught inside the circle. As a result, Rohit didn't have a memorable return to Ranji Trophy leaving Mumbai reeling after captain Ajinkya Rahane opted to bat first.Earlier, Yashasvi Jaiswal also departed cheaply, getting dismissed for 4 (8) as he got caught behind against Auqib Nabi Dar. Both openers returned to the pavilion, leaving the defending champions on 12/2 after 5.5 overs as Ajinkya Rahane walked in to join Hardik Tamore at the crease.

Rohit's poor run in Tests in recent times

Rohit made himself available for Ranji Trophy following new directives by the BCCI (Board of Control for Cricket in India) which has made it mandatory for players to participate in domestic cricket while not on national duty. The India captain has been in poor form in the longest format of late as he scored 619 runs from 14 matches (26 innings) at an average of 24.76 with two hundreds and as many fifties.

He recently scored just one half century in India's nine-match-long Test season and even dropped himself from the playing XI for the fifth Test against Australia in Sydney. Hence, Rohit will be eager to find his form back ahead of the ICC Champions Trophy 2025 set to begin from February 19.

D Gukesh dethrones Ajrun Erigaisi to become highest-ranked Indian in FIDE Rankings

New Delhi. World champion D Gukesh has continued his rise in chess as he went past compatriot Arjun Erigaisi to become the highest-ranked Indian in the latest FIDE Rankings on Thursday, January 23. Gukesh went past Erigaisi to take the 4th spot in the latest rankings as Erigaisi slipped to No.5. The 18-year-old achieved the feat when he got his second win in the Tata Steel Masters in Wijk Aan Zee in the Netherlands as he beat Vincent Keymer of Germany.

Gukesh, who was conferred the Khel Ratna award recently, has amassed 2784 rating points, while Erigaisi slipped to 2779.5 rating points. Erigaisi was the highest-ranked Indian for a long time and achieved a career-best rating of 2801, making him only the second Indian after Viswanathan Anand to go past the 2800 threshold. This also made the 21-year-old the 15th highest-rated player in history.

However, Erigaisi's recent performances haven't been up to the mark.Erigaisi had gone to the World Rapid and Blitz Championship in New York, hoping to secure a Candidates berth, but had to come back home empty-handed in the end. The 21-year-old is also having a rough time in the ongoing Tata Steel Masters, having got just one point so far.

Norway's Magnus Carlsen continues to be the undisputed world No.1 with 2832.5 points, followed by United States' Grandmaster Hikaru Nakamura with 2802. Fabiano Caruana, with 2798 points, is in the third spot.

Gukesh continues to shine

Since beating Ding Liren to become the world champion, Gukesh has continued to shine. The 18-year-old had missed the World Rapid and Blitz Championship in New York as he had returned home to take part in festivities and functions after his win in Singapore against Liren.Gukesh's return to the board saw him edge past Anish Giri with a win after a rough start to proceedings. He then drew his second-round game against Slovenia's Vladimir Fedoseev. The 18-year-old was held to a draw in round 3, before bouncing back against Keymer.

SA20: Sunrisers Eastern Cape beat Pretoria Capitals for third consecutive bonus point win

NEW DELHI. Defending champions Sunrisers Eastern Cape registered a 52-run victory over the Pretoria Capitals to claim a third consecutive bonus point win on Wednesday evening.With 15 points, the Sunrisers are still in third position, and the Capitals are still in fifth place with nine points.After being reduced to 53/5 following an outstanding early burst by Capitals seamer Eathan Bosch (3/33) and new Australian signing Jason Behrendorff, the back-to-back winners had to demonstrate their character.Also See: ICC Champions Trophy 2025

With 26 wickets, Bosch has surpassed former captain Wayne Parnell as the Capitals' top wicket-taker, breaking his previous record of 24.In order to get to 149/7, the Sunrisers needed a captain's innings, and Aiden Markram delivered with a powerful 68 not out off 55 balls.Liam Dawson (25 off 11 balls) and Marco Jansen (24 off 24 balls) provided Markram with bottom order support to shift the tide in the home team's favor.With a superb new-ball spell, Jansen is quickly emerging as a leading candidate for

Yuvraj Singh's Witty Applause Lights Up Abhishek Sharma's Explosive Knock Against England

New Delhi The Eden Gardens in Kolkata witnessed a night of cricketing magic on January 22, as India secured a commanding seven-wicket win against England in the opening T20I of the five-match series. Amid the cheers and fireworks, the spotlight shone brightly on Abhishek Sharma, whose scintillating 79-run knock off just 34 balls etched a memorable chapter in the annals of Indian cricket.Adding a touch of humour and nostalgia to the post-match celebrations, Indian cricket legend Yuvraj Singh took to social media to praise the young opener. Yuvraj, known for mentoring Abhishek during his formative years, delivered a playful yet heartfelt compliment, saying, "Good start to the series boys! Great tone set by our bowlers and well played sir [Abhishek]! I'm impressed you hit 2 boundaries down the ground as well."The pressure was mounting on Abhishek Sharma as he stepped onto the field. With just 256 runs from 13 T20Is and inconsistent performances, critics were questioning his place in the squad. Calls for his replacement with rising stars like Yashasvi Jaiswal and Shubman Gill had grown louder. But on this crucial night, Abhishek silenced his detractors in emphatic fashion.

His innings began cautiously, letting Sanju Samson set the early pace. But when Samson fell in the fifth over, Abhishek unleashed a barrage of strokes that left the English bowlers scrambling for answers. Smashing eight sixes and five boundaries, Abhishek reached his fifty in just 20 balls, making it the second-fastest T20I half-century by an Indian against England, behind only Yuvraj Singh's iconic 12-ball fifty in 2007.

The Yuvraj-Abhishek Connection

The parallels between Abhishek's performance and Yuvraj Singh's legendary feats weren't lost on fans or the cricketing fraternity. Yuvraj's mentorship has been pivotal in shaping Abhishek's career, and the young batter's calculated aggression bore the hallmarks of his mentor's guidance.

Yuvraj's witty remark about Abhishek hitting boundaries "down the ground" instead of relying solely on aerial shots showcased the camaraderie between the two while subtly acknowledging Abhishek's technical growth as a batter.

India's Chase: A Dominant Display

Chasing a modest target of 133, India faced early jitters with the dismissals of captain Suryakumar Yadav for a duck and Samson for 26. However, Abhishek's explosive knock and a crucial 84-run partnership with Tilak Varma steadied the ship. Varma played the perfect supporting role, contributing an unbeaten 24, while Abhishek's heroics ensured India wrapped up the chase in just 12.5 overs.This victory not only gave India an early lead in the series but also reinforced their batting depth, with Abhishek emerging as a potential match-winner.

SA20 Season 3 Most Valuable Player (MVP).

With the help of Richard Gleeson (1/22), the lanky left-arm seamer destroyed the Capitals top order with figures of 3/7, leaving the visitors in ruins at 28/4.

Rookie Keagan Lion-Cachet, 22, showed that he has the talent and disposition to thrive at this level after the Capitals gave him his SA20 debut.

Also See: Champions Trophy Schedule 2025

Together with Marques Ackerman, the right-hander scored 28 to give the Sky Blues some hope.

Mohammed Shami is bowling like a 22-year-old: Arshdeep downplays fresh injury concerns

☛India pacer Arshdeep Singh downplayed any fresh injury concerns for Mohammed Shami after the veteran bowler was not named in the playing XI for the first T20I against England in Kolkata.

New Delhi Star pacer Arshdeep Singh reassured fans that there was no need to worry about Mohammed Shami's fitness after the veteran bowler was left out of India's playing XI for the first T20I against England in Kolkata. Arshdeep dismissed any fresh injury concerns surrounding Shami and instead heaped praise on the 33-year-old, likening his bowling to that of his younger self.

Meanwhile, Arshdeep starred in Shami's absence to become India's highest wicket-taker in T20Is and help the hosts outclass England by seven wickets in the first T20I on Wednesday."Just yesterday, I was talking about the same thing with Shami Bhai because when he was bowling, the way the ball was coming out of his hand was absolutely amazing. With every delivery, you would say, 'Wow, how can such an incredible ball come out of someone's hand like this!' Just wait for a few more days, and you'll get to see that bowling, and you'll enjoy it a lot. The way the ball is coming out of his hand makes it look like the 22-year-old Shami Bhai is bowling again," Arshdeep Singh said in the post-match interview with JioCinema.Shami was seen bowling at the side nets, targeting the stumps ahead of the first T20I. However, Indian skipper Suryakumar Yadav confirmed that Shami's comeback would be delayed after opting to bowl at the toss. Despite heavy strapping on his left knee, Shami had bowled at full tilt during all of India's practice sessions.Fans and cricket experts then questioned Shami's fitness, saying if the swelling in his left knee after rigorous sessions continued to trouble the veteran pacer. Suryakumar had confirmed in the pre-match press conference that Shami was fit."It's always good to have an experienced bowler in your side, and he is making a comeback after over a year. I am really excited to see him. I have witnessed his journey—what he did at the NCA, how he focused on his bowling and recovery. It's great to see him fit and back in the side," Suryakumar said on Tuesday.Shami himself said that he was eager to make India comeback. "The hunger to play for the country should never end. If you love it, you will always fight back, no matter how many injuries you face," Shami said at a Cricket Association of Bengal event.

Sherlyn Chopra

Is Excited For Ekta Kapoor's Web Series Paurashpur 4: 'Can't Wait For It To Go On Floors'

Sherlyn Chopra is excited for Ekta Kapoor's highly anticipated web series Paurashpur 4. The series has garnered a massive fanbase since its debut. As the fourth installment prepares to go on to floors, Sherlyn has expressed her excitement about being part of the bold show.Sherlyn shares, "Well, I am super excited for this series and I can't wait for it to go on floors soon. As a filmmaker, Ekta Kapoor has always had faith in my ability and such trust coming from a visionary personality like her makes a big difference. I have truly done my best and I will continue doing my best in this series and I can't wait for the filming of the upcoming season to start! Looking forward to all the love and warmth!"

The dynamic director/producer Ekta Kapoor has always had a strong belief and conviction in Sherlyn's potential as an actress and no wonder, the diva has delivered hit series in the past with her like Paurashpur 2 in 2023 and Paurashpur 3 in 2024. Ever since the success of Paurashpur 3 in 2024, fans have been waiting eagerly for Sherlyn and Ekta to collaborate for Paurashpur

4. In the third season, Sherlyn played the dual roles of Maharani Snehalata and Bhaumika in this series. Paurashpur received mixed reviews from all quarters with the viewers calling the storyline pathetic.

On the other hand, some lauded the series appreciating Shilpa Shinde's acting prowess. The series stars an ensemble cast of Aaryan Harnot, Annu Kapoor, Milind Soman and others.Sherlyn talked more about this series in an exclusive interview . She said, "This is like my re-birth and I am thankful to Ekta Kapoor who thought that I am worthy enough to be the face of Paurashpur-2.

I have always been yearning to do good work where I could showcase my acting skills and that is when this series came to me. When I was offered this role, I asked myself, 'What do I have in common with her?"

According to Sherlyn Chopra, she shares a lot of qualities with this character. She added that when someone calls her 'Rani', she tells them to address her as 'Maharani'. The Paurashpur actress said that her character is someone who knows her worth. Just like the character, Sherlyn considers herself nothing less than a winner.

Samantha Ruth Prabhu's

Selfie Has Keerthy Suresh's Attention

South sensation Samantha Ruth Prabhu is dealing with several health complications lately. The actress, however, is keeping her fans updated regarding her journey to recovery. Despite the joint pain and muscle aches, Samantha ensured she stayed fit and sweated it out at the gym regularly, inspiring fans to put all excuses aside and include workouts in their daily routine. Well now, just weeks after getting recovered, the actress visited Chennai for some unknown reason. She dropped a picture on her social media, decked up in her true glam avatar.In the picture, she donned a translucent white short kurta-style top with a matching bralette. Ditching heavy accessories, she adorned herself with some layered, sleek gold pendants. The sheer glow on her face with curly hair made her look stunning as usual.

Sharing the picture of her gorgeous avatar on Instagram, Samantha penned, "Chennai for a minute, feelings were felt!!" While many flocked to the comment box to shower appreciation for the actress, Keerthy Suresh mentioned, "Adaaa sollaveee illa!! [Needless to say!!]"

Samantha was recently diagnosed with Chikungunya. The actress has not let the disease dampen her spirit and let go of her resolutions, just two weeks into 2025. On January 16, Samantha shared a reel on her Instagram account, inspiring countless fans that she ain't giving up on her goals instead she is "trying something different" this year.In the reel, the Citadel actress was first seen cosily tucked inside her bed. Following this, she could be seen in a green athleisure outfit doing some exercises at a gym using equipment like dumbbells and kettlebells, among others.

Coming to Samantha Ruth Prabhu's professional life, the actress was most recently seen in the Prime Video Series Citadel: Honey Bunny. Playing Honey alongside Varun Dhawan aka Bunny, the series received a positive response from the audiences. It premiered on the streaming platform on November 6 and is a prequel to the US adaptation, Citadel, starring Priyanka Chopra and Richard Madden.

Moving on, Samantha has a number of potential projects lined up in her pipeline. The actress is all set to grace the screens with Raj & DK's fantasy action series, Rakt Brahmand – The Bloody Kingdom. She will be seen sharing screen space with Aditya Roy Kapoor, Ali Fazal, Wamiqa Gabbi and Nikitin Dheer. The diva also has Atlee's directorial AAA, co-starring Allu Arjun and Kim Kardashian in her kitty.

Bhagyashree's Daughter Avantika Dassani Reveals Chilling Details Of Bomb Threat During Flight

In a harrowing turn of events, Avantika Dassani, the daughter of popular actress Bhagyashree, recently shared a detailed account of a terrifying bomb threat that disrupted her flight from Goa to Mumbai. The incident, which took place on January 13, 2025, involved a malicious tip-off that led to a lengthy and tense delay at Goa Airport. Dassani, who was onboard the flight, described the terrifying uncertainty that loomed over the passengers during the six-hour ordeal. The flight, initially scheduled to land at 10:30 p.m., was grounded due to extensive security measures, and after thorough checks by airport authorities, the bomb threat was ultimately deemed a hoax.Recalling the ordeal, Avantika Dassani told Hindustan Times, "Interestingly, it was the pilot's first flight. So, it started off on that happy note. But before we landed, some of the air hostesses seemed to be in a little bit of panic. They opened our baggage and try to identify something. We thought it was some co-passenger who needed their bags."She added, "When we landed, that gates weren't opening, and we were kept waiting for about an hour. Outside the window, we could see all of these cop cars and there were ambulances, cars with the lights and stuff like that. We started wondering what's going on, and then the pilot said there was some slight safety concern. When they finally opened the gate, they made us take out all our hand luggage and placed it at a centre. We waited for about an hour to get our stuff back and our terminals were changed mid-air. When we reached the gate, another checking and screening happened. They even took handwriting tests from us all. It took about three to four hours. So, a flight which was supposed to take 45 minutes, lasted close to five hours."

Avantika further said, "I'd rather have them take time and follow protocol than cut corners." When asked what was going on in her mind during this time? "Honesty, I had been reading that there have been an increase in the numbers of such fake stories.

Deepika Padukone, Ranveer Singh And Shahid Kapoor's Padmaavat To Re-Released On THIS Date

Sanjay Leela Bhansali's magnum opus Padmaavat, starring Deepika Padukone, Ranveer Singh, and Shahid Kapoor, is all set to make a grand return to theaters. The iconic period drama is being re-released on January 24, 2025. To note, Padmaavat remains one of the most visually stunning and commercially successful films in Indian cinema.

Viacom18 Studios took to their Instagram handle and shared the news. "Witness the epic tale on the big screen again. #Padmaavat in cinemas on 24th January," read the caption. Fans were also quick to react. One of the fans wrote, "Ufff…waiting." Another wrote, "Waiting." The epic historical drama, based on the poem Padmavat by Malik Muhammad Jayasi, tells the tale of Rani Padmavati's legendary beauty, her defiance against the ruthless Sultan Alauddin Khilji, and her unyielding courage. Bhansali's visionary direction and lavish production design captured audiences' imaginations worldwide, earning the film critical acclaim and a massive fan following.

Upon its original release in 2018, Padmaavat became a cultural phenomenon, not only due to its extraordinary visual appeal and memorable performances but also because of the passionate responses from its audiences. Deepika Padukone's portrayal of Rani Padmavati, Ranveer Singh's fiery turn as the villainous Khilji, and Shahid Kapoor's portrayal of Raja Ratan Singh were all lauded. The film also sparked discussions on its grandeur, craftsmanship, and powerful storytelling.

Padmaavat, tells the story of a Rajput queen. However, several right-wing organisations objected, claiming Bhansali was distorting historical facts. As a result, the filmmaker and his sets were repeatedly attacked, including a physical assault on Bhansali himself during filming at Jaipur's Jaigarh Fort.

In a recent interview with The Hollywood Reporter India, Bhansali opened up about these challenges, explaining how he maintained his resolve throughout the ordeal. "During Padmaavat, I faced a barrage of attacks—physical, mental, emotional. But I never let any of it show on screen. I am made of iron and steel; I'm not budging. Do whatever you want," he said.On the work front, Deepika Padukone was last seen in Kalki 2898 AD, Ranveer Singh will be next seen in Don 3 and has many other films lined up in the kitty. Shahid Kapoor is gearing up for Deva and is currently shooting for Vishal Bhardwaj's next.